रांची, सोमवार
20.07.2026
वर्ष : 11, अंक : 228, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

अहमदाबाद के पटाखा फैक्टरी विस्फोट मामले में तीन संचालक गिरफ्तार

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में शनिवार को अवैध पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपित मेहुल डोडिया समेत तीन संचालकों को गिरफ्तार कर लिया है। अब प्रशासन अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाने की तैयारी में है। पुलिस ने अपनी जांच में खुलासा किया है कि आगामी गणेश विसर्जन के ऑर्डर पूरे करने और अधिक मुनाफा कमाने की लालच में फैक्टरी को अवैध रूप से दोबारा शुरू किया गया था। अहमदाबाद के वस्त्राल इलाके के रामोल गटराड रोड के एक खेत में संचालित इस अवैध पटाखा फैक्टरी में शनिवार को हुए भीषण विस्फोट 9 लोगों की मौत हो गई थी और 5 अन्य गंभीर रूप से घायल हुए थे।

सोनम वांगचुक की हालत स्थिर

नई दिल्ली। लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की तबीयत फिलहाल स्थिर बनी हुई है लेकिन लंबे समय तक भूख हड़ताल के कारण उनके स्वास्थ्य पर पड़े प्रभाव को देखते हुए डॉक्टर उन्हें लगातार निगरानी में रखे हुए हैं। वीएमएमसी एवं सफदरजंग अस्पताल की ओर से जारी चौथे हेल्थ बुलेटिन में बताया गया है कि वांगचुक के सभी महत्वपूर्ण शारीरिक मानक (वाइटल पैरामीटर) इस समय स्थिर हैं, हालांकि रक्त संबंधी जांच में कुछ मानक अब भी मामूली रूप से सामान्य से अलग हैं। रविवार को जारी बुलेटिन के अनुसार, लंबे उपवास से शरीर पर पड़ने वाले असर को देखते हुए उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टरों की बहु-विषयक टीम की निगरानी में रखा गया है। वीएमएमसी एवं सफदरजंग अस्पताल के चिकित्सकों के साथ एम्स, नई दिल्ली के विशेषज्ञ भी उनके स्वास्थ्य पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

नगालैंड के मोन जिले में भारी भूस्खलन, चार की मौत

कोहिमा। नगालैंड के मोन जिले में रविवार को भारी भूस्खलन हुआ है। इस घटना में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग लापता बताए जा रहे हैं। प्रशासन के अनुसार जिले में असम राइफल्स कैंप के नीचे बसे इलाके में हुई इस घटना से भारी नुकसान हुआ है। कई घर भूस्खलन की चपेट में आए हैं। बचाव टीमें मौके पर जुटी हैं। मलबे से चार शव बरामद हुए हैं, जबकि अन्य लापता लोगों की तलाश की जारी है।

पुंछ-राजौरी में मूसलाधार बारिश का कहर, भूस्खलन और बाढ़ से 11 की मौत

एजेंसी

राजौरीः जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश के बाद कई जिले बाढ़ की चपेट में हैं. रविवार को मूसलाधार बारिश के बाद आए भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ से पुंछ, राजौरी और किश्तवाड़ जिले सबसे ज्यादा प्रभावित हैं. यहां भारी नुकसान दिखा है. जम्मू-कश्मीर में बाढ़ से 11 लोगों की मौत की खबर आई है, जबकि सात लोग लापता बताए जा रहे हैं. राहत और बचाव टीमें सभी जिलों में सक्रिए हैं. केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी सीएम उमर अब्दुल्ला से बात की है और केंद्र सरकार की तरफ से हर संभव मदद का भरोसा दिलाया है. मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक राज्य में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है. ऐसे में सावधानी बरतने की सलाह दी गई है.

जम्मू-कश्मीर में बाढ़ से 11 लोगों की मौत हुई है. अधिकारियों ने बताया कि सबसे ज्यादा तबाही पुंछ जिले की सुरनकोट तहसील में हुई, जहां ज्यादातर मौतें हुईं हैं. लगातार बारिश और क्षतिग्रस्त सड़कों के बीच बचाव दल लापता लोगों का पता लगाने के लिए तेजी से काम कर रहे थे. भारी बारिश के कारण इलाके के कई हिस्सों में बिगड़ते हालात को देखते हुए सीएम मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने दिल्ली में अपना दौरा छोटा करने और दोपहर में जम्मू लौटने का फैसला किया है. जबकि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बारिश और अचानक बाढ़ से प्रभावित जिलों में हालात का जायजा लिया और अधिकारियों को प्रभावित परिवारों को तुरंत राहत और मदद पहुंचाने का निर्देश दिए हैं.

रविवार सुबह भारी बारिश के बाद कश्मीर के सुरनकोट के लोअर मुर्राह गांव में हुए भूस्खलन की चपेट में एक घर आ गया, जिससे घर में मौजूद सभी आठ लोग मलबे के नीचे दब गए. मलबे से पांच लोगों के शव निकाले गए, जिनमें दो साल का बच्चा सोफियान यासर भी शामिल है, जबकि बाकी लापता लोगों का पता लगाने के लिए खोज अभियान जारी था. इसके अलावा सांगला गांव में अचानक आई बाढ़ में एक और परिवार का घर बह जाने से उस परिवार के चार सदस्य लापता हो गए. लापता लोगों में अब्दुल हमीद, उनकी पत्नी शरीफा बेगम, बेटी अरीबा और बहन मनीरा बेगम शामिल हैं. जम्मू-कश्मीर में लगातार बारिश की वजह से नदियां उफान पर हैं. मनावर नदी और धरावल नदी में बाढ़ आई है. ऐसे में राजौरी जिले और पीर पंजाल क्षेत्र में सबसे ज्यादा अलर्ट जारी किया गया है. प्रशासन और पुलिस ने एडवाजायरी जारी की है, जिसके मुताबिक लोगों से नदियों और नालों से दूर रहने के साथ-साथ घरों से बेवजह बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है. किश्तवाड़ जिले में बादल फटने से भारी नुकसान हुआ है. मौसम विभाग ने यहां सावधानी बरतने के लिए कहा है.

सर्वदलीय बैठक अच्छे माहौल में हुई, संसद चलाने में विपक्ष से सहयोग की अपील : रिजिजू

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र से एक दिन पहले रविवार को केंद्र सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाकर सभी राजनीतिक दलों से सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चलाने में सहयोग की अपील की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में सरकार ने विपक्ष से महत्वपूर्ण विधेयकों पर सार्थक चर्चा और सकारात्मक सहयोग का आग्रह किया।

बैठक के दौरान विपक्षी दलों ने अलग गुट बनाने वाले सदस्यों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किए जाने पर आपत्ति दर्ज कराई। विरोध स्वरूप विपक्ष के कुछ नेताओं ने कुछ समय के लिए सांकेतिक बहिर्गमन भी किया। हालांकि बाद में वे बैठक में वापस लौट आए और चर्चा में शामिल हुए।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू की ओर से बुलाई गई इस बैठक में केंद्रीय मंत्री एवं राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा, संसदीय कार्य राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल और डॉ. एल. मुरुगन सहित अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। बैठक में 40 राजनीतिक दलों के कुल 58 नेताओं ने हिस्सा लिया।

संसदीय कार्य मंत्रालय के अनुसार, बैठक की शुरूआत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की प्रारंभिक टिप्पणी से हुई। इसके बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बैठक का संचालन किया। बैठक के समापन पर रक्षा मंत्री ने सभी नेताओं को उनकी उपस्थिति, सुझाव और सक्रिय भागीदारी के लिए धन्यवाद दिया।

रिजिजू ने सभी राजनीतिक दलों से संसद के दोनों सदनों का सुचारु संचालन सुनिश्चित करने में सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार संसद के नियमों के तहत अनुमत सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर सदन में चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने विपक्ष से आग्रह किया कि वह आगामी सत्र के दौरान विधायी कार्यों में रचनात्मक भूमिका निभाए।

संसदीय कार्य मंत्रालय के अनुसार, बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने मानसून सत्र के दौरान उठाए जाने वाले मुद्दों पर अपने विचार रखे। कई दलों ने सरकार के समक्ष अपनी प्राथमिकताएं और चिंताएं साझा कीं। सरकार ने सभी सुझावों को गंभीरता से सुनने की बात कही।

बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सभी दलों से संसद को सुचारु रूप से चलाने और विधेयकों पर सार्थक चर्चा में भाग लेने का अनुरोध किया गया है। उन्होंने बताया कि मानसून सत्र के दौरान सरकार कई महत्वपूर्ण विधेयक सदन में पेश करने जा रही है और विपक्ष से आग्रह किया गया है कि वह इन पर सकारात्मक चर्चा कर उन्हें पारित कराने में सहयोग करे।

रिजिजू ने कहा कि लोकतंत्र में सभी दलों को अपनी बात रखने का अधिकार है। केवल हंगामा करने और चर्चा से दूर रहने से किसी भी दल को राजनीतिक लाभ नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि सदन व्यवस्थित तरीके से चलेगा तो छोटे दलों सहित सभी राजनीतिक दलों को अपनी बात रखने का पर्याप्त अवसर मिलेगा।

उन्होंने कहा कि सर्वदलीय बैठक में अलग-अलग विचार सामने आना लोकतांत्रिक व्यवस्था की स्वाभाविक प्रक्रिया है। सरकार ने सभी दलों के सुझावों को सुना है और उनका उचित संज्ञान लिया जाएगा।

गौरतलब है कि संसद का मानसून सत्र सोमवार, 20 जुलाई से शुरू होगा और सरकारी कामकाज की आवश्यकता के अनुसार यह गुरुवार, 13 अगस्त तक चल सकता है। इस दौरान 25 दिनों की अवधि में कुल 19 बैठकें प्रस्तावित हैं। सत्र में सरकार विधायी कार्यों के साथ-साथ विभिन्न राष्ट्रीय और जनहित के मुद्दों पर चर्चा कराने की तैयारी में है।

वंदेमातरम को राष्ट्रगान के समान दर्जा देने वाला विधेयक आज राज्यसभा में होगा पेश

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृहमंत्री सोमवार को राज्यसभा में राष्ट्रगीत वंदेमातरम को राष्ट्रगान के समान दर्जा देने वाला विधेयक पेश करेंगे। इस अधिनियम के तहत राष्ट्रीय ध्वज और संविधान का अपमान तथा राष्ट्रगान में बाधा डालना दंडनीय अपराध होगा। राज्यसभा की कल की कार्यसूची में इसकी जानकारी दी गई है। विधेयक 1971 के राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 को संशोधित करेगा। यह विधेयक राष्ट्रगीत वंदेमातरम को भी राष्ट्रगान की ही तरह सम्मान देने के उद्देश्य से लाया जायेगा। अपमान करने वाले को तीन साल की सजा का प्रावधान है। इसमें गायन से जुड़ी अनिवार्यता के भी प्रावधान हैं। दूसरी ओर लोकसभा में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल उच्चतम न्यायालय में जजों की संख्या बढ़ाए जाने से जुड़े विधेयक को पेश करेंगे। इसका उद्देश्य देश की शीर्ष अदालत में जजों की संख्या को 33 से 37 करना है। संसद का मानसून सत्र सोमवार से आरंभ होने जा रहा है। सुबह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मीडिया के समक्ष सभी दलों से कार्यवाही को सुचारू चलाने की अपील करते हुए अपना वक्तव्य देंगे।

बंगाल में बोले अमित शाह- आजादी के बाद ऐसा राजनीतिक बदलाव पहली बार हुआ

एजेंसी

कोलकाता। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को कोलकाता में अमूल बंगाल डेयरी परियोजना के तहत विश्व के सबसे बड़े दही उत्पादन संयंत्र का उद्घाटन करते हुए पश्चिम बंगाल के राजनीतिक बदलाव को आजादी के बाद का सबसे बड़ा परिवर्तन बताया। उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता के बाद किसी भी राज्य में ऐसा राजनीतिक परिवर्तन देखने को नहीं मिला, जैसा पश्चिम बंगाल में हुआ है।

अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि एक समय पश्चिम बंगाल शिक्षा, संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना और स्वतंत्रता आंदोलन में पूरे देश का मार्गदर्शक था। बंगाल ने देश को अनेक महान नेता, विचारक और स्वतंत्रता सेनानी दिए। अब राज्य फिर से विकास और समृद्धि के नए दौर की ओर बढ़ रहा है।

पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि पहले तीन दशकों तक पश्चिम बंगाल पर वामपंथ की ₹विदेशी विचारधारा₹ का शासन रहा और उसके बाद 15 वर्षों तक राज्य ₹भ्रष्ट और वैचारिक रूप से दिवालिया₹ सरकार के अधीन रहा। उन्होंने कहा कि अब राज्य में आए राजनीतिक परिवर्तन से विकास की नई संभावनाएं खुली हैं।

अमित शाह ने कहा कि लगभग 700 करोड़ रुपये की लागत से विकसित अमूल बंगाल डेयरी परियोजना राज्य की डेयरी सहकारिता के इतिहास में मील का पत्थर साबित होगी। इस

अत्याधुनिक संयंत्र में प्रतिदिन 30 लाख लीटर दूध का प्रसंस्करण किया जाएगा तथा 10 लाख किलोग्राम दही और अन्य दुग्ध उत्पाद तैयार किए जाएंगे। इसके साथ ही पैकेज्ड दूध, यूएचटी दूध, आइसक्रीम, पनीर, घी, मिठाई और फ्लेवर्ड मिल्क का भी बड़े पैमाने पर उत्पादन होगा।

उन्होंने कहा कि इस परियोजना से पश्चिम बंगाल के 1.25 लाख से अधिक दुग्ध उत्पादक किसानों को सीधा लाभ मिलेगा, जिनमें 30 हजार से अधिक महिला दुग्ध उत्पादक शामिल हैं। इससे किसानों की आय बढ़ेगी, आधुनिक प्रसंस्करण और विपणन सुविधाओं का विस्तार होगा तथा पूर्वी भारत में डेयरी सहकारिता को नई मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान अमित शाह ने श्वेत क्रांति 2.0 के तहत नवगठित डेयरी सहकारी समितियों को पंजीकरण प्रमाण-पत्र सौंपे। उन्होंने बहुउद्देशीय ग्रामीण सहकारी समितियों को भी प्रमाण-पत्र प्रदान किए तथा सहकारी समितियों के पंजीकरण और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को डिजिटल बनाने के लिए विकसित ई-आरसीएस पोर्टल का शुभारंभ किया।

सीबीआई की 1,109 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में चार राज्यों में छापेमारी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 1,109 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तमिलनाडु और उत्तराखंड में छह जगहों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित मेसर्स गुप्ता पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के खिलाफ दर्ज मामले में की गई।

सीबीआई के अनुसार कंपनी पर केनरा बैंक से फंड आधारित और गैर-फंड आधारित विभिन्न वित्तीय सुविधाएं हासिल करने के दौरान 1,109 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप है। जांच एजेंसी का आरोप है कि कंपनी ने स्टॉक का मूल्य बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया, व्यापारिक देनदारियों को कृत्रिम रूप से बढ़ाया और वित्तीय विवरणों में हेराफेरी कर अधिक ऋण सुविधा प्राप्त की। इसके अलावा ऋण राशि का दुरुपयोग और दूसरी जगह इस्तेमाल करने के साथ खातों को एवरग्रीनिंग (नए ऋण से पुराने ऋण को नियमित दिखाना) के जरिए बैंक को गलत तरीके से नुकसान पहुंचाया गया।

सीबीआई ने यह तलाशी विशेष सीबीआई न्यायाधीश, भुवनेश्वर से जारी तलाशी वारंट के आधार पर शनिवार को की। जांच के तहत ओडिशा के भुवनेश्वर में कंपनी के चार निदेशकों के आवास, पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित कंपनी के पंजीकृत कार्यालय तथा उत्तराखंड के उधम सिंह नगर जिले के काशीपुर, तमिलनाडु के तिरुवल्लूर और ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित कंपनी की तीन विनिर्माण इकाइयों में तलाशी ली गई।

सीबीआई ने बताया कि तलाशी के दौरान कई दस्तावेज बरामद किए गए हैं। मामले की जांच जारी है।

एयर इंडिया के बेड़े में डेढ़ साल में शामिल होंगे 50-60 नए विमान

एजेंसी

नई दिल्ली/अबू धाबी। टाटा समूह की अगुवाई वाली एयर इंडिया अगले 18 माह में अपने बेड़े में 50 से 60 नए विमान शामिल करने की तैयारी कर रही है। कंपनी का कहना है कि विमानन क्षेत्र में कई चुनौतियों के बावजूद उसका महत्वाकांक्षी रूपांतरण योजना तय दिशा में आगे बढ़ रही है।

एयर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी और एयर इंडिया एक्सप्रेस के चेयरमैन निपुण अग्रवाल ने रविवार को कहा कि पिछले कुछ वर्षों में कंपनी को कई महत्वपूर्ण सीख मिली है। उन्होंने बताया कि यह बदलाव अभियान काफी जटिल और चुनौतीपूर्ण रहा है। घाटे में चल रही विमानन कंपनी एयर इंडिया का जनवरी, 2022 में टाटा समूह ने अधिग्रहण किया था।

अग्रवाल ने बताया कि विमानन उद्योग को आपूर्ति श्रृंखला में दिक्कतों, हवाई क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं, ईंधन कीमतों में उतार-चढ़ाव और भू-राजनीतिक घटनाओं जैसी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। इसके बावजूद एयरलाइन अपनी तय योजना के अनुसार आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि एयर इंडिया समूह का करीब 600 विमानों का ऑर्डर है और अभी इनमें से 10 फीसदी से कम की डिलिवरी हुई है।

निपुण अग्रवाल ने कहा कि आने वाले वर्षों में इनकी डिलिवरी तेज होगी। उन्होंने कहा कि अगले सात से आठ वर्षों तक हर साल लगभग 50 से 60 नए विमान मिलने की उम्मीद है, जिनमें 10 से 15 बड़े आकार के विमान और 45 से 50 छोटे आकार के विमान शामिल भी होंगे। उन्होंने कहा कि पुराने विमानों और पुराने केबिन की वजह से कंपनी को परिचालन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, लेकिन अब स्थिति में सुधार हो रहा है।

उन्होंने बताया कि बेड़े के आधुनिकीकरण और विमानों के उन्नयन की प्रक्रिया तेज हो गई है। एयर इंडिया एक्सप्रेस अगले साल मार्च तक अपने विमानों को एक समान बेड़े में बदलने की योजना पर काम कर रही है। वहीं, एयर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमानों का उन्नयन अगले वर्ष के मध्य तक पूरा होने की उम्मीद है, जबकि बोइंग 777 विमानों में अधिक समय लग सकता है। अग्रवाल ने बताया कि बोइंग मैक्स-8 विमानों की डिलिवरी तय कार्यक्रम के अनुसार जारी है। वहीं, मैक्स-10 विमानों की डिलिवरी प्रमाणन प्रक्रिया पूरी होने के बाद शुरू होने की उम्मीद है।

उल्लेखनीय है कि एयर इंडिया का हाल के समय में काफी चुनौतियां का सामना करना पड़ा है। पिछल साल एयरलाइन का ड्रीमलाइनर विमान अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादस में 260 लोगों की जान चली गई थी।

'फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल' में डॉ. मांडविया ने दिया जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाने का संदेश

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने रविवार को मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम से 'फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल' के 82वें संस्करण का नेतृत्व किया। उन्होंने लोगों से जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने और साइकिलिंग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि साइकिलिंग प्रदूषण का समाधान है और इससे स्वास्थ्य के साथ-साथ पर्यावरण को भी लाभ मिलता है।

इस बार यह अभियान देशभर में 15,000 से अधिक स्थानों पर आयुष्मान आरोग्य मंदिर और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें लाखों

स्वास्थ्यकर्मियों और नागरिकों ने भाग लिया।

दिसंबर, 2024 में शुरू किए गए इस अभियान ने अब जनआंदोलन का रूप ले लिया है। इसका उद्देश्य लोगों को फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज के मंत्र के साथ प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट शारीरिक गतिविधि के लिए प्रेरित करना है। अब तक इस अभियान में 30 लाख से अधिक लोग प्रत्यक्ष रूप से भाग ले चुके हैं, जबकि 2025 से अब तक 8 करोड़ से अधिक लोगों तक फिट इंडिया अभियान का संदेश पहुंच चुका है।

नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में हॉकी ओलंपियन और एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी स्वर्ण पदक विजेता प्रीति दुबे, फिट इंडिया चैंपियन चारुल मलिक तथा आयुष मंत्रालय की योग एवं वेलनेस विशेषज्ञ अनीता सोलंकी ने भी इंडिया गेट और कर्तव्य पथ के आसपास साइकिल चलाकर लोगों को फिटनेस का संदेश दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग अपनी साइकिल लेकर भी पहुंचे।

इस आयोजन में साइकिलिंग के अलावा दौड़, योग, जुम्बा जैसी गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। बच्चों को आकर्षित करने के लिए विशेष गेम जोन बनाया गया, जिसमें बड़े आकार का लूडो, शतरंज, कैरम, टेबल टेनिस, फुटसल और बैडमिंटन जैसी गतिविधियां शामिल थीं।

डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा, आज फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल का 82वां संस्करण आयोजित किया गया। देशभर के आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के लाखों स्वास्थ्यकर्मियों ने 15,000 से अधिक स्थानों पर साइकिल चलाकर प्रधानमंत्री के फिट इंडिया आंदोलन को नई ऊर्जा दी है। यदि आप हर रविवार सिर्फ एक घंटा साइकिल चलाते हैं, तो आप खुद को फिट रख सकते हैं, प्रदूषण कम करने में योगदान दे सकते हैं, देश के ईंधन संसाधनों की बचत कर सकते हैं और स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। इन्हीं उद्देश्यों से प्रेरित होकर देशभर के लाखों युवा अब साइकिलिंग को अपना रहे हैं।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर के राज्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अंशुल मुद्गल ने कहा, दिल्ली में अब तक 415 आयुष्मान आरोग्य मंदिर शुरू किए जा चुके हैं। इनका मुख्य उद्देश्य लोगों को बीमार होने से पहले ही स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। इसी सोच के साथ हम भारतीय खेल प्राधिकरण के फिट इंडिया अभियान के तहत 'फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल' से जुड़े हैं। इस पहल के माध्यम से लोगों को शारीरिक रूप से सक्रिय रहने और स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। यह एक बेहतरीन पहल है और इसका हिस्सा बनकर हमें खुशी है।

फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल का आयोजन युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया, राहगीरी फाउंडेशन और माई भारत के सहयोग से किया जाता है। यह अभियान भारतीय खेल प्राधिकरण के क्षेत्रीय केंद्रों, राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों, साई प्रशिक्षण केंद्रों, खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्रों और खेलो इंडिया केंद्रों सहित सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एक साथ आयोजित किया जाता है।

अमेरिका ने हवाई हमले में ईरान के निमार्णाधीन परमाणु बिजली संयंत्र को बनाया निशाना

एजेंसी

तेहरान। ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन ने दावा किया है कि अमेरिका ने रविवार तड़के दक्षिणी ईरान में स्थित डारखोविन परमाणु बिजली संयंत्र के निमार्णाधीन परिसर पर हवाई हमला किया। फिलहाल अमेरिकी प्रशासन की ओर से इस दावे पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया जारी नहीं की गई है।

संगठन के अनुसार यह संयंत्र इराक सीमा के निकट दक्षिणी ईरान में स्थित है और अभी निमार्णाधीन है। हमले में संयंत्र के निर्माण स्थल को निशाना बनाया गया। हालांकि, तत्काल किसी बड़े नुकसान या हताहत की आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

ईरानी परमाणु ऊर्जा संगठन ने बताया कि दिसंबर, 2022 में इस परियोजना के लिए प्रारंभिक आधारभूत कार्य (ग्राउंडवर्क) शुरू किया गया था। हालांकि, विश्व परमाणु संघ के अनुसार मार्च तक इस संयंत्र का औपचारिक निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ था।

यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है और दोनों देशों के बीच सैन्य टकराव तेज होता जा रहा है। परमाणु प्रतिष्ठान को निशाना बनाए जाने के दावे के बाद क्षेत्रीय सुरक्षा और परमाणु सुरक्षा को लेकर नई चिंताएं पैदा हो गई हैं।

यूआरसी कंपनी की घिनौनी करतूत: जिस नदी में होती है छठ पूजा और अस्थि विसर्जन उसमें बहाए जा रहे जूते-चप्पल और जहरीला कचरा

मासूम रजा/बिभा

इटकी : विकास और औद्योगीकरण के नाम पर आस्था को कैसे रौंदा जाता है, इसका जीता-जागता और शर्मनाक उदाहरण इटकी क्षेत्र की रानी खटंगा नदी में देखने को मिल रहा है। यूआरसी कंपनी की घिनौनी करतूतों के कारण स्थानीय ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। कंपनी प्रबंधन पर आरोप है कि वह अपना सारा औद्योगिक और घरेलू कचरा सीधे जीवनदायिनी रानी खटंगा नदी में बहा रहा है, जिससे न केवल पर्यावरण बल्कि हिंदू धर्म की गहरी आस्था को भी गंभीर ठेस पहुंची है। आस्था के साथ भद्दा मजाक ग्रामीणों का खून इस बात से खौल रहा है कि जिस नदी का पानी उनके लिए गंगा के समान पवित्र है, यूआरसी कंपनी ने उसे डंपिंग यार्ड समझ लिया है। यह वही पवित्र रानी खटंगा नदी है, जिसके घाटों पर गांव वाले सूर्योपासना का महापर्व

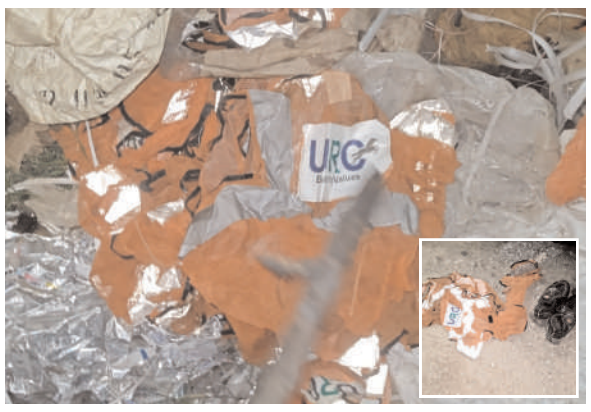

'छठ पूजा' पूरी श्रद्धा के साथ करते हैं। इसी नदी के जल में लोग अपने दिवंगत परिजनों की अस्थियां विसर्जित कर उन्हें अंतिम विदाई देते हैं। लेकिन आज कंपनी प्रबंधन की बेशर्मी के कारण इस पवित्र जल में पुराने जूते-चप्पल, टूटे हुए हेलमेट, कर्मचारियों के फेंके हुए आईकार्ड और जहरीला वेस्टेज तैर रहा है। ग्रामीणों का सीधा सवाल है कि क्या प्रशासन किसी भी पूंजीपति को हमारी धार्मिक भावनाओं से खेलने का लाइसेंस दे चुका है आग के तांडव से राहगीरों का चलना हुआ मुहाल कंपनी की मनमानी यहीं नहीं रुकी। नदी को प्रदूषित करने के बाद, किनारे पर जमा किए गए कचरे के एक विशाल अंबार

में कंपनी द्वारा आग लगा दी गई है। इस कचरे के जलने से उठने वाले काले और जहरीले धुएं ने पूरे इलाके को अपनी चपेट में ले लिया है। सड़क किनारे धधकती इस आग और धुएं के कारण मुख्य मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों का आना-जाना दूभर हो गया है। सांस लेना मुश्किल हो गया है और धुएं के कारण दृश्यता कम होने से कभी भी कोई बड़ा सड़क हादसा हो सकता है। जीवन रेखा पर मंडरा रहा खतरा रानी खटंगा नदी केवल आस्था का केंद्र नहीं है, बल्कि यह इस पूरे क्षेत्र की जीवन रेखा है। इसी नदी के पानी से गांव के लोग नहाते हैं और अपने मवेशियों को पानी पिलाते हैं। किसानों की खेती-बाड़ी का पूरा दारोमदार इसी नदी पर टिका है। कचरे और केमिकल के कारण अब नदी का पानी जहरीला हो रहा है, जिससे न केवल गंभीर बीमारियों के फैलने का खतरा है, बल्कि सैकड़ों एकड़ फसल भी बर्बाद हो सकती है छठ पूजा और अस्थि विसर्जन वाली पवित्र नदी में फेंके जा रहे जूते-चप्पल। कंपनी की इस तानाशाही और धर्म-विरोधी मानसिकता के खिलाफ ग्रामीणों का गुस्सा अब फूटने लगा है। आक्रोशित लोगों ने साफ चेतावनी दी है कि यूआरसी कंपनी हमारी आस्था और जीवन के साथ खिलवाड़ करना तुरंत बंद करे। यदि स्थानीय प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने 24 घंटे के भीतर इस मामले का संज्ञान लेकर कंपनी के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई नहीं की, तो पूरा गांव सड़क पर उतरकर उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगा।

दुष्कर्म के आरोपी को नरकोपी पुलिस ने किया गिरफ्तार, भेजा गया जेल

बिभा संवाददाता

बेड़ो: नरकोपी थाना पुलिस ने बलात्कार के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। यह कार्रवाई नरकोपी थाना कांड संख्या 17/26 के तहत की गई।

पुलिस के अनुसार, 14 जुलाई 2026 को थाना क्षेत्र के चरनालो गांव में अपने मामा के घर रह रही एक युवती के साथ गांव के ही एक युवक ने दुष्कर्म किया। पीड़िता मूल रूप से कैरो थाना क्षेत्र के चाल्हो गांव, जिला लोहरदगा की रहने वाली है।

घटना के संबंध में पीड़िता ने 18 जुलाई 2026 को नरकोपी थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही थाना प्रभारी शैलेंद्र कुमार टुडू के नेतृत्व में पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रात में छापेमारी की और आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान बबलू भगत (23 वर्ष), पिता सुकरा भगत, निवासी ग्राम चरनालो, पोस्ट

मंदरो, थाना नरकोपी, जिला रांची के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं 64(1), 69, 115(2), 117(2) एवं 351(3) के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार, घटना के बाद गांव स्तर पर पंचायती कर मामले को दबाने का प्रयास किया गया था, लेकिन पीड़िता ने साहस दिखाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। थाना प्रभारी शैलेंद्र कुमार टुडू ने कहा कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है तथा पीड़िता को हरसंभव कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि ऐसे मामलों में समझौता या पंचायती करने के बजाय तत्काल पुलिस को सूचना दें।

संक्षिप्त खबरें

बाबा बैद्यनाथ नाथ सेवा संघ ने कांवरियो के पंजीयन हेतु मोबाइल नंबर युक्त पोस्टर का किया विमोचन

जमशेदपुर(बिभा) : प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी बाबा बैधनाथ सेवा संघ की ओर निःशुल्क कांवर यात्रा आयोजित की गई है कांवर यात्रा में इस वर्ष 1000 शिव भक्त शामिल होंगे । पहले आओ और पहले पाओ के तर्ज में पंजीयन हेतु मोबाइल नंबर युक्त संघ के द्वारा पोस्टर बनाया गया है पोस्टर में यात्रा में दी जाने वाली सुविधा के साथ-साथ मोबाइल नंबर भी दिए गए हैं जिस नंबर में संपर्क करने पर लोगों का पंजीयन आसानी से हो जाएगा और पंजीयित लोगों के लिए बस में सीट आरक्षित कर दिए जाएंगे । मानगो के बड़ा हनुमान मंदिर में बाबा बैद्यनाथ सेवा संघ के पदाधिकारीयों के द्वारा विधिवत पूजा अर्चना कर पोस्टर का विमोचन किया गया । पोस्टर विमोचन के कार्यक्रम में सैकड़ो की संख्या में शिवभक्त उपस्थित हुए । पंजीयन हेतु जानकारी देते हुए संघ के संस्थापक सदस्य विकास सिंह ने बताया की 18 वर्ष से अधिक और 60 वर्ष से कम आयु के लोगों का ही पंजीयन होगा । महिलाओं और पुरुषों की भागीदारी बराबर यात्रा में रहेगी । किसी भी प्रकार का भेदभाव अथवा शुल्क संघ के द्वारा नहीं लिया जाएगा । कार्यक्रम में मुख्य रूप से विकास सिंह , राजकुमार श्रीवास्तव, आशुतोष सिंह, कुमकुम श्रीवास्तव, किशोर बर्मन, कृष्णा सिंह, हेमंत सिंह, दुर्गा दत्ता, सिद्धेश्वरी देवी, पायल कुमारी ,अजय लोहार, संदीप शर्मा,चुन्नू पांडे , मोनू चौहान, जोगिंदर सिंह, सुशील शर्मा,अंकेश श्रीवास्तव, रोहित सिंह,शुभम रजक, धीरज सिंह,कमलेश कुमार, मनोज राय,उपेंद्र प्रसाद, शिव साहू, नरेश पासवान, रामचंद्र प्रसाद,राहुल कुमार मुख्य रूप से शामिल थे।

तुलसी भवन में हनुमान रूप सज्जा प्रतियोगिता संपन्न, 186 बच्चों ने लिया भाग

जमशेदपुर(बिभा)। हिन्दी साहित्य सम्मेलन/तुलसी भवन द्वारा आयोजित तुलसी जयंती समारोह के अन्तर्गत कक्षा 1 से 3 तथा कक्षा 4 से 6 तक के छात्र - छात्राओं के लिये दो वर्गो में श्री हनुमान रुप सज्जा प्रतियोगिता सम्पन्न हुआ । जिसमें नगर के 26 विद्यालयों के कुल 186 विद्यार्थियों ने भाग लिया । कार्यक्रम के आरंभ में संस्थान के मानद महासचिव डॉ० प्रसेनजित तिवारी ने उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुये पुरे कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी । तत्पश्चात सम्मानित अतिथि त्रय नगर के सुप्रसिद्ध समाजसेवी शिव शंकर सिंह , चिन्टु सिंह एवं जुगुन पाण्डेय सहित संस्थान के न्यासी मुरलीधर केडिया, मानद महासचिव डॉ प्रसेनजित तिवारी , सह सचिव प्रसन्न वदन मेहता , ओम प्रकाश अग्रवाल, साहित्य समिति के डॉ रागिनी भूषण, नीलिमा पाण्डेय, डॉ यमुना तिवारी व्यथित एवं डॉ अजय कुमार ओझा द्वारा संयुक्त रुप से दीप प्रज्वलन किया गया । प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका में सर्वश्री डॉ रागिनी भूषण, हरि मित्तल, राजेन्द्र राज, शिखा अखौरी, डॉ यमुना तिवारी व्यथित, नीलिमा पाण्डेय, उषा झा, उपासना सिन्हा, दिव्येन्दु त्रिपाठी, रीना सिन्हा, लक्ष्मी सिंह रहे । जबकि कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रसन्न वदन मेहता, ओम प्रकाश अग्रवाल,पूनम सिंह, राकेश कुमार, हरभजन सिंह रहबर, क्षमाश्री दुबे, शुभम पांडेय सहित अनेक साहित्यकारों की महत्वपूर्ण भूमिका रही । मौके पर बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के अभिभावक एवं शिक्षक - शिक्षिकाओं की उपस्थिति रही ।

बेडो. के मधुबन ढाबा में चोरी, इन्वर्टर-फ्रीज समेत नकदी पर चोरों ने किया हाथ साफ

बेडो(बिभा): बेडो.थाना क्षेत्र के रांची-गुमला मुख्य मार्ग स्थित लिटिल एंजेल स्कूल के समीप मधुबन ढाबा में शनिवार देर रात अज्ञात चोरों ने चोरी की बड़ी घटना को अंजाम दिया। चोर ढाबे में रखे इन्वर्टर, स्टेबलाइजर, बैटरी, फ्रीज, कुर्सियां, बड़ा गमला तथा नगद राशि समेत अन्य सामान चोरी कर फरार हो गए। घटना की जानकारी रविवार सुबह उस समय हुई, जब ढाबा संचालक देवेंद्र महतो रोज की तरह होटल खोलने पहुंचे। अंदर का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। ढाबे से कई कीमती सामान और नगदी गायब थी। इसके बाद उन्होंने बेडो.थाना पहुंचकर लिखित आवेदन देकर मामले की जानकारी दी और अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की। सूचना मिलते ही बेडो.थाना पुलिस सक्रिय हुई और घटनास्थल का जायजा लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है तथा चोरी में शामिल अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से स्थानीय व्यवसायियों में चिंता का माहौल है।

बिना तिरपाल दौड़ रहे कोयला लदे हाइवा, राहगीरों की जान से हो रहा खिलवाड़

नियमों की खुलेआम उड़ रही धज्जियां, उड़ती कोयला धूल और सड़क पर गिरते पत्थरों से कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

जिम्मेदार विभाग मौन, रोजाना हजारों लोगों की सुरक्षा पर मंडरा रहा खतरा

विशाल कुमार/बिभा

खलारी। कोयलांचल क्षेत्र में कोयला परिवहन के दौरान सुरक्षा नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है।डकरा कांटा घर और आसपास के मार्गों पर प्रतिदिन सैकड़ों कोयला लदे हाइवा बिना तिरपाल के ही सड़कों पर दौड़ रहे हैं।खुले वाहनों में लदे कोयले को ढकने के लिए किसी प्रकार का सुरक्षा इंतजाम नहीं किया गया है।इससे न केवल पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है,बल्कि सड़क पर चलने वाले हजारों लोगों की जान भी जोखिम में पड़ गई है।तस्वीर में साफ देखा जा सकता है कि कई हाइवा वाहनों पर कोयला पूरी तरह खुला हुआ है। नियमों के अनुसार कोयला, बालू, गिट्टी या अन्य ढीले पदार्थों का परिवहन तिरपाल से ढककर किया जाना चाहिए,ताकि रास्ते में सामग्री न गिरे और धूल न उड़े।लेकिन यहां इन नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि बिना तिरपाल चल रहे इन वाहनों से लगातार कोयले की धूल उड़ती रहती है, जिससे सड़क किनारे रहने वाले लोगों और राहगीरों को सांस लेने में परेशानी होती है।वहीं कई बार कोयले के बड़े-बड़े टुकड़े सड़क पर गिर जाते हैं, जिससे विशेषकर दोपहिया वाहन चालकों के दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा बना रहता है।बारिश के मौसम में सड़क पर गिरे कोयले और कीचड़ के कारण सड़क और भी फिसलनभरी हो जाती है, जिससे हादसे की आशंका कई गुना बढ़ जाती है।हैरानी की बात यह है कि जिस मार्ग से प्रतिदिन प्रशासनिक अधिकारी, सीसीएल के अधिकारी, पुलिस और अन्य जिम्मेदार विभागों के अधिकारी गुजरते हैं, उसी मार्ग पर सुरक्षा मानकों की खुलेआम अनदेखी हो रही है। इसके बावजूद अब तक ऐसी लापरवाही पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से लोगों में नाराजगी है।स्थानीय लोगों ने प्रशासन, जिला परिवहन विभाग, खनन विभाग तथा सीसीएल प्रबंधन से मांग की है कि बिना तिरपाल कोयला ढोने वाले हाइवा वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर कड़ी कार्रवाई की जाए।साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी कोयला लदे वाहन निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए तिरपाल से ढककर ही सड़क पर चलें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं की आशंका कम हो और आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

संजीव सरदार ने निभाया वादा, बाड़ेडीह फुटबॉल मैदान में चबूतरा सह शेड निर्माण का हुआ शिलान्यास

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : पोटका प्रखंड अंतर्गत माटकू पंचायत के बाड़ेडीह स्थित किसान स्पोर्टिंग क्लब फुटबॉल मैदान में रविवार को चबूतरा सह शेड निर्माण योजना का शिलान्यास किया गया। पोटका विधायक संजीव सरदार की विधायक निधि से बनने वाले इस शेड का शिलान्यास विधायक की अनुपस्थिति में उनके प्रतिनिधिमंडल ने सामूहिक रूप से किया। इस दौरान सुधीर सोरेन, दुखी मरडी, राम कालिंदी, सुनील हाँसदा, विमल बास्के, जोगन टुडू एवं लोथरो टुडू उपस्थित रहे।

ग्रामीणों ने बताया कि विधायक संजीव सरदार प्रत्येक वर्ष किसान स्पोर्टिंग क्लब, बाड़ेडीह की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होते रहे हैं। इसी मैदान में आयोजित प्रतियोगिता के दौरान उन्होंने घोषणा की थी कि वर्ष 2026 में अपनी विधायक निधि से खिलाड़ियों और दर्शकों की सुविधा के लिए चबूतरा सह शेड का निर्माण कराया जाएगा। अब उस घोषणा को अमल में लाते हुए निर्माण कार्य का शिलान्यास कर दिया गया है।

कार्यक्रम के दौरान माझी बाबा मोहन मुर्मू ने विधायक संजीव सरदार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने अपना वादा निभाकर ग्रामीणों का विश्वास मजबूत किया है। ग्रामीणों एवं क्लब के सदस्यों ने कहा कि शेड बनने के बाद खिलाड़ियों और दर्शकों को धूप और बारिश से राहत मिलेगी तथा खेल गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम में क्लब के सभी सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

मलेरिया प्रभावित गांवों में पहुंचे विधायक प्रतिनिधिमंडल, पीड़ित परिवारों को दी सांत्वना

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : पोटका प्रखंड के विभिन्न गांवों में मलेरिया के प्रकोप से बच्चों की हुई मौतों के बाद रविवार को विधायक संजीव सरदार की अनुपस्थिति में उनके प्रतिनिधिमंडल ने प्रभावित गांवों का दौरा कर पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए विधायक संजीव सरदार का संदेश पहुंचाया और हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया।

प्रतिनिधिमंडल ने पोड़ा-तेंतला पंचायत के हितबासा (दोड़दोड़ा टोला), हेसालबिल पंचायत के खड़िया साईं तथा भाटिन पंचायत के झारिया गांव पहुंचकर मलेरिया से प्रभावित परिवारों से मुलाकात की साथ ही विधायक की

ओर से पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने परिजनों का हालचाल जाना और इस दुख की घड़ी में धैर्य बनाए रखने की अपील की। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि विधायक संजीव सरदार लगातार क्षेत्र की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और पीड़ित परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता के साथ खड़े हैं।

प्रतिनिधिमंडल ने स्वास्थ्य विभाग से प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल विशेष जांच शिविर लगाने, डीडीटी का छिड़काव कराने, मच्छरदानी वितरण तेज करने तथा व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने की मांग की। उन्होंने कहा कि मलेरिया संक्रमण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग को युद्धस्तर पर कार्य करना होगा, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। प्रतिनिधिमंडल में हिरामणि मुर्मू, सुधीर सोरेन, भुवनेश्वर सरदार, हितेश भक्त, चक्रधर महतो एवं रमेश सोरेन शामिल थे।

रांची जिला वुशु चैंपियनशिप में पैराडाइज एकेडमी का शानदार प्रदर्शन, 15 पदकों पर किया कब्जा

बिभा संवाददाता

रांची। 22वीं रांची जिला वुशु चैंपियनशिप का आयोजन शहीद बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम, रांची स्थित वुशु हॉल में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में पैराडाइज एकेडमी के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया।

विद्यालय के खिलाड़ियों की इस सफलता का श्रेय वुशु प्रशिक्षक बसु सर को जाता है, जिनके कुशल मार्गदर्शन और नियमित प्रशिक्षण से विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विभिन्न वर्गों में पदक हासिल किए।

स्वर्ण पदक विजेताः कैलाश उरांव (कक्षा 10), राहत फलक (कक्षा7)।

रजत पदक विजेता : आशीष उरांव (कक्षा 10), अनामिका उरांव (कक्षा 8), अनीकेत उरांव (कक्षा 7), निशी उरांव (कक्षा 6), अर्जुन उरांव (कक्षा 6), सोनू उरांव (कक्षा 6), शिवम उरांव (कक्षा 6), गुलाब परी (कक्षा 5), नंदिनी उरांव (कक्षा 3)

कांस्य पदक विजेता : निखिल उरांव (कक्षा 6), अंश उरांव (कक्षा 6), अंकिता उरांव (कक्षा 4), प्रिंस उरांव (कक्षा 3)

विद्यालय प्रबंधन ने सभी पदक विजेता एवं प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय ने विश्वास जताया कि आने वाले समय में भी उसके खिलाड़ी राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान एवं झारखंड का नाम रोशन करेंगे।

डकरा कांटा घर बना जाम का जंजाल, आखिर कब मिलेगी आम लोगों को राहत?

रविवार को दो घंटे तक मुख्य सड़क पर थमी रही रफ्तार, कोयला लदे हाइवा वाहनों की लंबी कतार से सैकड़ों लोग रहे परेशान

बिभा संवाददाता

खलारी। खलारी थाना क्षेत्र के मोहननगर सीएचपी के समीप सड़क किनारे स्थित सीसीएल के डकरा कांटा घर के कारण रविवार को एक बार फिर मुख्य सड़क पर भीषण जाम लग गया। कोयला लदे हाइवा वाहनों की लंबी कतार के चलते सुबह करीब 11 बजे से मुख्य सड़क पर वाहनों की आवाजाही लगभग ठप हो गई। करीब दो घंटे तक सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लगी रही, जिससे आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।जाम के कारण बाइक, कार, ऑटो, बस सहित छोटे-बड़े सभी वाहन घंटों तक फंसे रहे। जरूरी काम से आने-जाने वाले लोग, मरीज, कर्मचारी, व्यापारी और ग्रामीण सड़क पर ही जाम खुलने का इंतजार करते रहे। कई लोग समय पर अपने गंतव्य

तक नहीं पहुंच सके, जबकि कुछ वाहन चालकों ने मजबूरी में वैकल्पिक मार्ग अपनाया।स्थानीय लोगों का कहना है कि डकरा कांटा घर के कारण लगने वाला जाम अब क्षेत्र की सबसे गंभीर समस्याओं में बदल चुका है। जैसे ही कांटा घर में कोयला तौलाने के लिए हाइवा वाहनों की संख्या बढ़ती है, मुख्य सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग जाती है और आम लोगों का आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो जाता है। इससे हर समय दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।इस गंभीर समस्या को लेकर स्थानीय अखबारों में कई बार प्रमुखता से खबरें प्रकाशित हो चुकी हैं। जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और स्थानीय लोगों ने भी कई बार सीसीएल प्रबंधन एवं जिला प्रशासन के समक्ष इस समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग उठाई, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हो सकी। परिणामस्वरूप स्थिति आज भी जस की तस बनी हुई है और क्षेत्र की जनता रोजाना जाम की मार झेलने को मजबूर है।स्थानीय लोगों का कहना है कि सबसे हैरानी की बात यह है कि डकरा कांटा घर पर सीसीएल की व्यवस्था और सुरक्षा के लिए सीआईएसएफ के जवान 24 घंटे तैनात रहते हैं। इसके बावजूद हाइवा वाहनों की अव्यवस्थित कतार और बार-बार लगने वाले जाम पर प्रभावी नियंत्रण नहीं हो पा रहा है।लोगों का सवाल है कि जब संबंधित एजेंसियां मौके पर मौजूद रहती हैं,तब भी यातायात व्यवस्था क्यों नहीं सुधरती और आम लोगों को बार-बार जाम की परेशानी क्यों झेलनी पड़ती है।रविवार को लगा दो घंटे का जाम एक बार फिर पूरी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर गया।स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है।क्षेत्रवासियों ने सीसीएल प्रबंधन, जिला प्रशासन और संबंधित।अधिकारियों से हाइवा वाहनों के परिचालन के लिए अलग व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा कांटा घर के आसपास ट्रैफिक प्रबंधन को सुदृढ़ करने की मांग की है।

इटकी मोरो स्थित कस्तूरबा विद्यालय में 90 दिवसीय विधिक जागरूकता अभियान आयोजित

बिभा संवाददाता

इटकी : मोरो स्थित कस्तूरबा आवासीय विद्यालय में रविवार को 90 दिवसीय विधिक जागरूकता अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों, सामाजिक जिम्मेदारियों एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर जागरूक बनाना था। कार्यक्रम में उपस्थित पीएलवी द्वारा छात्राओं को दहेज प्रथा,स्पॉन्सरशिप योजना, नशा मुक्ति, बाल विवाह, सड़क दुर्घटना से बचाव एवं सड़क सुरक्षा, बाल श्रम निषेध, साथी मानवता, मानव-वन्यजीव संघर्ष सहित अनेक महत्वपूर्ण सामाजिक एवं कानूनी विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही छात्राओं को कानून का पालन करने, अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर विधिक सहायता प्राप्त करने के तरीकों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रभारी प्राचार्य नीलम बाटी ने छात्राओं से प्राप्त जानकारी को अपने दैनिक जीवन में अपनाने तथा समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। इस अवसर पर पीएलवी अजय कुमार गोप, मासूम राजा एवं पायल कुमारी उपस्थित रहे। सभी ने छात्राओं के सवालों का जवाब देते हुए उन्हें कानूनी सहायता और सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जागरूक रहने का संदेश दिया।कार्यक्रम का समापन छात्राओं को विधिक जागरूकता की शपथ दिलाने एवं समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प दिलाने के साथ हुआ।

मतदाता 22 जुलाई तक अपने भरे हुए फॉर्म बीएलओ को उपलब्ध करा दें : के. रवि कुमार

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा है कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण एक सहभागी प्रक्रिया है, इसमें प्रत्येक स्टेकहोल्डर के सहयोग की अपेक्षा है। उन्होंने कहा कि राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के क्रम में मतदाताओं, बीएलए 2, बीएलओ, निर्वाचन से जुड़े हर स्तर पदाधिकारियों द्वारा आपसी सहभागिता से तीव्र गति से कार्य की जा रही है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में इन्यूमरेशन फेज का कार्य किया जा रहा है जिसके अंतर्गत वर्तमान मतदाता सूची के प्रत्येक मतदाताओं तक इन्यूमरेशन फॉर्म भेजने एवं उनके भरे हुए एवं हस्ताक्षर किए हुए इन्यूमरेशन फॉर्म को संग्रहित कर डिजिटलाइज करने का कार्य किया जा रहा है।

श्री कुमार रविवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि मतदाता सूची में एएसडीडीएफ सूची के अंतिम प्रकाशन हेतु सभी मतदान केंद्रों पर 22 जुलाई को बीएलओ एवं बीएलए-2 कि बैठक एवं चुनाव पाठशाल का आयोजन किया जा रहा है। वैसे मतदाता जो अपना फॉर्म भरकर एवं हस्ताक्षर कर अपने बीएलओ को जमा करेंगें केवल उनका ही नाम 5 अगस्त को प्रकाशित होने वाले मतदाता सूचि के ड्राफ्ट पब्लिकेशन में शामिल होगा।

कुमार ने कहा कि इन्यूमरेशन फॉर्म के डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया को समय पर संपन्न करने के लिए विभाग द्वारा व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। रविवार तक विशेष कैंप एवं बीएलओ द्वारा 65.64 प्रतिशत कुल 1,73,70,620 मतदाताओं के इन्यूमरेशन फॉर्म के डिजिटाइजेशन का कार्य संपन्न कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि मतदाताओं द्वारा भरे हुए इन्यूमरेशन फॉर्म को वापस जमा होते ही उसे डिजिटाइज करने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने मतदाताओं से आग्रह किया कि जल्द से जल्द अपने इन्यूमरेशन फॉर्म भरकर जमा कर दें जिससे उसे समय रहते डिजिटाइजेशन किया जा सके।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि अभी भी शहरी मतदाताओं के द्वारा इन्यूमरेशन फॉर्म भरकर जमा करने की गति धीमी है। इसे गति देने एवं अधिक से अधिक बच्चे हुए मतदाताओं को सहायता पहुंचाने के उद्देश्य से शहरी क्षेत्रों में मतदाताओं की सहूलियत और शत्-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 20 जुलाई को राज्य के सभी शहरी मतदान केंद्रों पर विशेष कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में बड़ी संख्या में शहरी मतदाता अपने इन्यूमरेशन फॉर्म जमा किए। जो बचे हुए मतदाता हैं, जिन्हें किसी कारण से अभी भी इन्यूमरेशन फॉर्म प्राप्त नहीं हुए हैं वे इसे विशेष कैम में जाकर प्राप्त कर सकते हैं।

कुमार ने कहा कि वर्तमान में बीएलओ द्वारा घरझघर जाकर 97.81 प्रतिशत कुल 2,58,82,942 मतदाताओं तक बीएलओ द्वारा इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध करा दिए गए हैं। बचे हुए मतदाता अपने बीएलओ से अवश्य संपर्क कर अपना इन्यूमरेशन फॉर्म भरकर जमा करें।

हॉकी झारखंड की नई कार्यकारिणी निर्विरोध निर्वाचित, भोलानाथ सिंह लगातार चौथी बार बने अध्यक्ष

बिभा संवाददाता

रांची। हॉकी झारखंड की 13वीं वार्षिक आमसभा रविवार को मोराबादी स्थित जयपाल सिंह मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में संपन्न हुई। आमसभा में वर्ष 2026-2030 के कार्यकाल के लिए 11 सदस्यीय नई कार्यकारिणी समिति का निर्विरोध निर्वाचन किया गया। भारतीय खेल नीति-2025 के प्रावधानों के तहत अंतरराष्ट्रीय खेल संघ में पदाधिकारी होने के कारण भोलानाथ सिंह लगातार चौथी बार हॉकी झारखंड के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। वहीं, मनोज कुमार प्रसाद (मनोज कोनबेगी) महासचिव और असरिता लकड़ा कोषाध्यक्ष चुनी गईं।

आमसभा के दौरान राज्य में हॉकी के विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से झारखंड के 20 जिलों को प्रति जिला 65 हजार रुपये मूल्य के खेल किट वितरित किए गए। संगठन ने इसे जमीनी स्तर पर खिलाड़ियों को बेहतर संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

बैठक में वर्ष 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट, आय-व्यय का लेखा-जोखा, वित्तीय प्रतिवेदन, लेखा परीक्षक की नियुक्ति, राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी सहित कुल आठ एजेंडों पर चर्चा हुई, जिन्हें सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया।

चुनाव अधिकारी एवं सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी अंजनी कुमार मिश्र ने बताया कि सभी 11 पदों के लिए केवल एक-एक वैध नामांकन प्राप्त हुआ था। इसके कारण सभी उम्मीदवारों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। आमसभा में विजय शंकर सिंह को हॉकी झारखंड का डायरेक्टर जनरल भी नियुक्त किया गया।

विजय शंकर सिंह ने संगठन की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले 12 वर्षों में झारखंड के 35 खिलाड़ियों ने भारतीय हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व किया है। वर्तमान में राज्य के 15 खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम का हिस्सा हैं, जबकि 20 खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में शामिल होकर देश का प्रतिनिधित्व करने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह झारखंड में हॉकी के मजबूत ढांचे और लगातार किए जा रहे प्रयासों का परिणाम है।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष भोलानाथ सिंह ने सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हॉकी झारखंड खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं को अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में झारखंड को भारतीय हॉकी का मजबूत केंद्र बनाने के लिए सभी जिला इकाइयों के साथ समन्वय स्थापित कर योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाएगा। आमसभा में राज्य के सभी 24 जिलों के प्रतिनिधि, राज्य एथलीट समिति के सदस्य, पदाधिकारी तथा हॉकी से जुड़े अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

65वीं राज्य स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता के तीसरे दिन कोल्हान और संताल प्रमंडल का दबदबा

रांची(बिभा) : स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची के तत्वावधान में आयोजित 65वीं राज्य स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता के तीसरे दिन खेलगांव स्थित प्रैक्टिस ग्राउंड, बीआईटी ग्राउंड-1 एवं बीआईटी ग्राउंड-2 तथा जैप 1 डोरंडा में विभिन्न वर्गों के लीग मुकाबले खेले गए। खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल, अनुशासन एवं खेल भावना का परिचय दिया। दिनभर चले मुकाबलों में कोल्हान एवं संताल प्रमंडल की टीमों का प्रभावशाली प्रदर्शन देखने को मिला। अंडर-17 बालिका वर्ग में बीआईटी ग्राउंड-2 पर कोल्हान प्रमंडल ने पलामू प्रमंडल को 10-0 के बड़े अंतर से पराजित किया। वहीं खेलगांव प्रैक्टिस ग्राउंड पर खेले गए दूसरे मुकाबले में उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल ने संताल प्रमंडल को 1-0 से हराया। अंडर-17 बालक वर्ग के बीआईटी ग्राउंड-1 पर खेले गए मुकाबलों में संताल प्रमंडल ने पलामू प्रमंडल को 3-0 से शिकस्त दी, जबकि कोल्हान प्रमंडल ने उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल को 6-1 से हराकर अपनी मजबूत दावेदारी पेश की। अंडर-15 बालक वर्ग में बीआईटी ग्राउंड-2 पर संताल प्रमंडल ने पलामू प्रमंडल को 12-0 के बड़े अंतर से पराजित कर शानदार जीत दर्ज की।

प्रतियोगिता के चौथे दिन लीग चरण में अपने-अपने समूहों में सफल रहने वाली प्रमंडलीय विजेता टीमों के बीच नॉकआउट मुकाबलों की शुरूआत होगी।

रांची जिला सीनियर वुशू चैंपियनशिप सफलतापूर्वक संपन्न

रांची(बिभा) : राँची जिला वुशू संघ के तत्वावधान में आज बिरसा मुंडा स्टेडियम, मोराबादी स्थित वुशू हॉल में राँची जिला सीनियर वुशू चैंपियनशिप का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में राँची जिले के विभिन्न क्लबों एवं विश्वविद्यालयों के लगभग 60 खिलाड़ियों ने भाग लेकर उत्कृष्ट खेल कौशल और खेल भावना का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सेपक टकरा एसोसिएशन ऑफ झारखंड के चेयरमैन सुनील सूर्यांत उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में एसोसिएशन के अध्यक्ष उदय साहू, झारखंड वुशू एसोसिएशन के सचिव शैलेन्द्र नाथ दुबे तथा संजय साहू सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी, प्रशिक्षक, तकनीकी अधिकारी एवं अभिभावक उपस्थित रहे प्रतियोगिता के तकनीकी संचालन मे दीपक गोप की महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रतियोगिता के समापन पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पदक एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए उन्हें अनुशासन, समर्पण और निरंतर अभ्यास के साथ राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। राँची जिला वुशू संघ ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी अतिथियों, खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, तकनीकी अधिकारियों एवं खेल प्रेमियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सावन से पहले पहाड़ी मंदिर पहुंचे उपायुक्त, श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर दिए आवश्यक निर्देश

बिभा संवाददाता

रांची। रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने रविवार को आगामी सावन पर्व की तैयारियों का जायजा लेने के लिए पहाड़ी बाबा मंदिर परिसर का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने मंदिर परिसर और आसपास चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं मंदिर समिति के सदस्यों को समयबद्ध ढंग से सभी कार्य पूरे करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने कहा कि सावन माह में लाखों श्रद्धालु पहाड़ी बाबा के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में यह सुनिश्चित किया जाए कि उन्हें दर्शन, पूजा-अर्चना और अन्य सुविधाओं के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने सीढ़ी मार्ग, शौचालय निर्माण, श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था, पेवर ब्लॉक बिछाने के कार्य, विद्युत आपूर्ति, पेयजल व्यवस्था तथा अन्य विकास कार्यों का निरीक्षण कर उनकी प्रगति की जानकारी ली।

उन्होंने कहा, पहाड़ी बाबा रांचीवासियों की आस्था के केंद्र हैं। सावन पर्व के दौरान यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। इसलिए सभी निर्माण कार्य समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरे किए जाएं। सुरक्षित एवं सुगम सीढ़ी मार्ग, पर्याप्त शौचालय, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और विश्राम की सुविधाएं हमारी प्राथमिकता हैं।

उपायुक्त ने श्रद्धालुओं और दुकानदारों से भी विशेष अपील की। उन्होंने कहा कि सावन पर्व के दौरान मंदिर परिसर में शीशे की किसी भी प्रकार की पूजन सामग्री पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगी। श्रद्धालुओं से पूजा में शीशे या धातु की वस्तुओं का उपयोग नहीं करने तथा दुकानदारों से ऐसी सामग्री की बिक्री नहीं करने का आग्रह किया गया।

निरीक्षण के बाद उपायुक्त ने जिला प्रशासन की ओर से पहाड़ी बाबा मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना कर जिले की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। उन्होंने प्रार्थना की कि पहाड़ी बाबा का आशीर्वाद सभी रांचीवासियों पर बना रहे।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने अधिकारियों को सावन पर्व से पहले सभी विकास कार्य पूरे करने, श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त शौचालय, पेयजल, प्रकाश और बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित करने, सीढ़ी मार्ग एवं मुख्य रास्तों को सुरक्षित और सुगम बनाने, सुरक्षा, स्वच्छता एवं भीड़ प्रबंधन की प्रभावी योजना तैयार करने तथा कार्यों की नियमित समीक्षा कर कमियों को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान पहाड़ी मंदिर समिति के सदस्यों ने जिला प्रशासन के अधिकारियों का अंगवस्त्र पहनाकर सम्मान किया।

इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी सदर कुमार रजत, पुलिस अधीक्षक (शहर) पारस राणा, पुलिस अधीक्षक (यातायात) राकेश सिंह, प्रशिक्षु आईएएस आस्था शरण, रांची नगर निगम के अपर प्रशासक संजय कुमार, अपर जिला दंडाधिकारी धनंजय, जिला नजारत अपर समाहर्ता डॉ. सुदेश कुमार, कार्यपालक अभियंता सहित अन्य अधिकारी एवं मंदिर समिति के सदस्य उपस्थित थे।

जगन्नाथपुर मेला में ब्लेड मारकर चोरी करती पकड़ी गई दो महिलाएं

रांची। रांची के जगन्नाथपुर मेला में चोरी की घटना सामने आई है, पूजा के तीसरे दिन रविवार को चोरी के आरोप में दो महिलाओं को पकड़ा गया। भीड़ में खड़े लोगों ने दावा किया कि महिलाओं के जरिए ब्लेड की मदद से महिलाओं का पर्स काटकर उससे पैसे की चोरी कर रही थी। भीड़ में खड़ी एक महिला का पर्स भी कटा हुआ मिला, लोगों की ओर से लगातार एक महिला पर संदिग्ध होने की आशंका जताते हुए उसपर नजर रखे हुए थे। आसपास खड़े लोगों ने महिलाओं पकड़ा तो चालाकी से उसने ब्लेड को वहीं जमीन पर गिरा दिया, हालांकि युवती द्वारा सिर्फ बैक को काटा गया था, उससे कुछ सामान की निकासी नहीं की गई थी। मेले में आए हुए श्रद्धालुओं ने वॉलिंटियरों की मदद से महिलाओं को पुलिस को सौंप दिया है। फिलहाल महिलाओं को जगरनाथपुर थाना लाया गया है और पुलिस इस मामले को लेकर पूछताछ कर रही है।

मेजर जनरल जितेन्द्र सिंह, वीएसएम ने झारखंड एवं बिहार सब एरिया के 10वें जीओसी का पदभार ग्रहण किया

बिभा संवाददाता

रांची : मेजर जनरल जितेन्द्र सिंह, वीएसएम ने 18 जुलाई 2026 को झारखंड एवं बिहार सब एरिया के 10वें जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) के रूप में पदभार ग्रहण किया। वे सैनिक स्कूल, रीवा तथा राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला के पूर्व छात्र हैं और उन्हें कोर ऑफ इंजीनियर्स में कमीशन प्राप्त हुआ।

लगभग तीन दशकों के अपने विशिष्ट सैन्य करियर में उन्होंने भारतीय सेना के परिचालन, सामरिक तथा क्षमता विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है। विभिन्न स्तरों पर कमान संभालने के अतिरिक्त उन्होंने भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना में उप प्रबंध निदेशक के रूप में भी कार्य किया है, जिससे उन्हें पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों के कल्याण संबंधी विषयों का व्यापक अनुभव और गहन समझ प्राप्त है। एक उत्कृष्ट सैन्य पेशेवर के रूप में मेजर जनरल जितेन्द्र सिंह ने संघर्ष प्रबंधन, संघर्ष समाधान तथा सामरिक स्तर के नेतृत्व जैसे विषयों में उल्लेखनीय शैक्षणिक उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। उनके नेतृत्व में झारखंड एवं बिहार सब एरिया के परिचालन उत्कृष्टता, सैन्यझनागरिक समन्वय, पूर्व सैनिक कल्याण तथा मानवीय सहायता एवं आपदा राहत के प्रति संकल्प को नई दिशा एवं गति मिलने की अपेक्षा है।

सैकड़ों समर्थकों के साथ सामाजिक कार्यकर्ता व फिटनेस एक्सपर्ट सुमित दुबे भाजपा में शामिल

बिभा संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी,रांची महानगर जिला की ओर से रविवार को तुपुदाना स्थित औरेलिया बैंक्वेट हॉल में सदस्यता ग्रहण एवं मिलन समारोह कार्यक्रम किया गया। इस कार्यक्रम में हटियाझतुपुदाना क्षेत्र के प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता एवं फिटनेस एक्सपर्ट सुमित दुबे एवं उनकी धर्मपत्नी श्वेता दुबे ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री एवं रांची के सांसद संजय सेठ, भाजपा रांची महानगर जिला अध्यक्ष वरुण साहू, भाजपा रांची जिला पूर्वी अध्यक्ष विनय महतो (धीरज), रांची नगर निगम के उप महापौर नीरज कुमार, प्रदेश प्रवक्ता आरती कुजूर, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्षा आरती सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष के.के. गुप्ता, बलराम सिंह, जितेंद्र वर्मा, ने नवसदस्यों को पार्टी का अंगवस्त्र एवं पुष्पमाला पहनाकर भाजपा परिवार में आत्मीय स्वागत किया।

मिलन समारोह में केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने कहा कि भाजपा केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा का एक व्यापक जनआंदोलन है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास, सुशासन और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने सुमित दुबे एवं नवसदस्यों का स्वागत करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके जुड़ने से संगठन और अधिक सशक्त होगा तथा जनसेवा के कार्यों को नई गति मिलेगी।

सुमित दुबे ने भाजपा परिवार में शामिल होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रवादी विचारधारा, सेवा भाव एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे ऐतिहासिक कार्यों से प्रभावित होकर उन्होंने अपने साथियों के साथ पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने का निर्णय लिया है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ संगठन को मजबूत बनाने तथा समाज एवं राष्ट्रहित में कार्य करेंगे।

उप महापौर नीरज कुमार ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की विकासोन्मुखी नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं के कारण समाज के सभी वर्गों का विश्वास पार्टी के प्रति निरंतर बढ़ रहा है। उन्होंने नवसदस्यों से जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा रांची महानगर जिला अध्यक्ष वरुण साहू ने की, जबकि मंच संचालन भाजपा रांची महानगर जिला के महामंत्री जितेंद्र वर्मा ने किया।

रांची में पहली बार इस्कॉन की तीन दिवसीय रथ यात्रा शुरू, श्रद्धालुओं ने खींचा भगवान जगन्नाथ का रथ

बिभा संवाददाता

रांची। रांची में इस्कॉन की ओर से पहली बार आयोजित तीन दिवसीय भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा उत्सव का शुभारंभ रविवार को भक्ति और उल्लास के माहौल में हुआ। लेक एवेन्यू, कांके रोड स्थित इस्कॉन मंदिर से निकली रथ यात्रा में भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े। पारंपरिक वेशभूषा में सजे श्रद्धालुओं ने हरे कृष्ण महामंत्र के संकीर्तन, भजन और नृत्य के साथ पूरे उत्साह से रथ यात्रा में भाग लिया।

रथ यात्रा के शुभारम्भ से पूर्व भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की मंगल आरती एवं विशेष पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद जयंतनाथ शाहदेव और उनके पुत्र जीतेश नाथ शाहदेव ने परंपरा के अनुसार स्वर्ण झाड़ू से मार्ग का प्रतीकात्मक रूप से शुद्धिकरण किया। आरती के उपरांत रथ की रस्सी खींचकर यात्रा का विधिवत शुभारंभ किया गया। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने भी झाड़ू लगाकर भगवान की सेवा अर्पित की और श्रद्धालुओं के साथ रथ यात्रा में शामिल हुए।

रथ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। संकीर्तन मंडलियों ने भजन, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भक्तिमय वातावरण का निर्माण किया। भक्तों ने भगवान को विभिन्न प्रकार के भोग अर्पित किए और आरती में भाग लेकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। पूरे मार्ग में हरे कृष्ण, हरे राम के जयघोष गूंजते रहे। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के बीच खिचड़ी और बूंदी प्रसाद का भी वितरण किया गया।

इस्कॉन के महाप्रबंधक मधुसूदन मुकुंद दास ने बताया कि रांची में पहली बार आयोजित इस रथ यात्रा को श्रद्धालुओं का अभूतपूर्व सहयोग मिला है। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष इससे भी अधिक भव्य स्तर पर रथ यात्रा का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस्कॉन के संस्थापक आचार्य श्रील ए.सी. भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद ने लगभग 60 वर्ष पूर्व अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को शहर में पहली बार रथ यात्रा की शुरूआत की थी। आज इस्कॉन के माध्यम से विश्व के 150 से अधिक देशों में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा श्रद्धा और भक्ति के साथ निकाली जाती है।

महाप्रबंधक ने कहा कि पुरी धाम के गजपति महाराज की सहमति से इस्कॉन इंडिया आषाढ़ शुक्ल द्वितीया से लेकर बहुदा रथ यात्रा तक देशभर में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्राओं का आयोजन करता है। इसी परंपरा के तहत इस वर्ष रांची में भी पहली बार यह आयोजन किया गया। रविवार को इस्कॉन ईस्ट कैलाश (दिल्ली), औरंगाबाद, गोरखपुर, चेन्नई सहित देश के अनेक इस्कॉन केंद्रों में भी रथ यात्रा निकाली गई।

इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, कांके विधायक सुरेश बैठा, टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो, उपमहापौर नीरज कुमार, लेक एवेन्यू सोसाइटी के सचिव मुकेश काबरा, अध्यक्ष विकास सिंह, वसंत बिहार के सचिव राजेश अग्रवाल, अर्जुन जालान, श्रवण जजोदिया, रवींद्र मोदी, अंचल किंगर, अनिल मोदी, रामावतार राजगढ़िया, विनोद मोदी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। तीन दिवसीय उत्सव के दौरान धार्मिक अनुष्ठान, संकीर्तन, प्रवचन और प्रसाद वितरण के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

पेपर लीक पर कांग्रेस ने बोला हमला, प्रश्नपत्र लीक मामले को बताया धोखा

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने पेपर लीक के मामलों को लेकर सवाल उठाये। उन्होंने रविवार को प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में पेपर लीक मामले को युवाओं के भविष्य पर बड़ा संकट बताते हुए सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2014 से अब तक देश की 152 महत्वपूर्ण परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हुए हैं, जिससे करीब 7.5 करोड़ छात्र-छात्राओं का भविष्य प्रभावित हुआ है।

प्रदीप यादव ने आरोप लगाया कि पेपर लीक की घटनाओं से निराश होकर दो दर्जन से अधिक छात्रों ने खुदकुशी की, लेकिन केंद्र सरकार ने पीड़ित परिवारों की कोई सुध नहीं ली। उन्होंने कहा कि छात्र वर्षों तक कठिन मेहनत कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन पेपर लीक उनकी मेहनत पर पानी फेर देता है। उनका आरोप था कि इतने बड़े मामलों के बावजूद दोषियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई और सरकार जवाबदेही तय करने में विफल रही है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी छात्रों की आवाज बनकर उनके संघर्ष को मजबूती दे रहे हैं। वहीं, छात्रों की गूंज अभियान के संयोजक कुमार राजा ने बताया कि यह राष्ट्रव्यापी अभियान 28 शहरों में 40 दिनों तक चलेगा, जिसके तहत छात्र संवाद, मैराथन, सांस्कृतिक कार्यक्रम और मशाल जुलूस आयोजित किए जाएंगे। प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से अभिलाष साहू, लाल किशोर नाथ शाहदेव और राजन वर्मा मौजूद थे।

बीएसएल क्वार्टर का ऊपरी हिस्सा भरभरा कर गिरा, बाल-बाल बचे लोग

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के सेक्टर 12अ में स्थित क्वार्टर नंबर 2281 का ऊपरी हिस्सा देर रात अचानक भरभरा कर गिर गया। घटना के समय निचले फ्लोर में किसी के मौजूद न होने से बड़ा हादसा टल गया; हालांकि, ग्राउंड फ्लोर में रह रहे परिवार के कुछ सदस्यों को मामूली चोटें आईं और उनमें सतर्कता की कमी के कारण दहशत व्याप्त है।

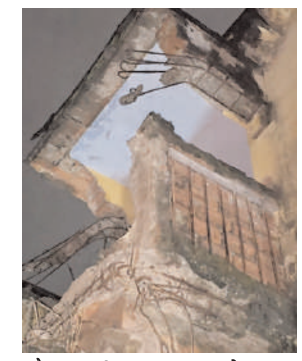

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कल रात हुई हल्की बारिश के दौरान क्वार्टर का पूरा बालकनी व ऊपरी तल्ले का हिस्सा टूटकर नीचे आ गिरा। मौके पर मौजूद पड़ोसी और परिवार के सदस्य किसी तरह सुरक्षित निकले। चोटिलों को प्राथमिक उपचार दिया गया है और वे फिलहाल खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंचे और आसपास के क्वार्टरों में रहने वालों को सावधानी बरतने की हिदायत दी गई।

क्वार्टर में रहने वाली सपन गोस्वामी ने बताया कि बीएसएल के क्वार्टर काफी वर्षों से जर्जर स्थिति में हैं और बारिश के समय चुने हुए हिस्से लगातार गिरने लगे हैं। उन्होंने कहा कि कई बार लिखित शिकायत करने के बावजूद कंपनी की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। ₹शिकायत के बाद भी कोई सुनवाई नहीं होती, ऐसे में बड़े हादसे को दावत दी जा रही है,₹ सपना ने कहा। परिवार के अन्य सदस्यों ने भी आशंका जताई कि अगर हादसा दिन के समय होता तो जानी नुकसान भी हो सकता था।

सूत्रों के मुताबिक, हाल के दिनों में बीएसएल के अन्य सेक्टरों में भी क्वार्टर टूटने की घटनाएँ सामने आ चुकी हैं। कुछ ही दिनों पहले सेक्टर 6 में एक ऊपरी तल्ले की सीढ़ी टूटकर गिरने से करीब 12 लोग फंस गए थे, जिसकी मामला अभी ठंडा भी नहीं हुआ था कि सेक्टर 12 में नई घटना घट गई। इससे स्थानीय लोगों में सुरक्षा को लेकर गहरा असंतोष और भय बना हुआ है।

स्थानीय नागरिक अब बीएसएल और संबंधित प्रशासन से तुरंत दखल की मांग कर रहे हैं–क्वार्टरों की त्वरित मरम्मत, क्षतिग्रस्त बिल्डिंगों की पहचान कर उनकी खाली कराई और आवासीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नियमित निरीक्षण। लोग चाहते हैं कि भविष्य में किसी बड़े हादसे को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाए जाएँ।

बेरमो के मुख्यमंत्री कौशल विकास केंद्र में कुक की हत्या, जांच में जुटी पुलिस

बिभा संवाददाता

बेरमो (पेटरवार)। बेरमो अनुमंडल के पेटरवार थाना अन्तर्गत भेलवा टांड स्थित मुख्यमंत्री कौशल विकास केंद्र में रविवार सुबह लगभग 45 वर्षीय कुक गणेश कपरदार की मौत से हंगामा मच गया। मृतक की पहचान पुरंदिया (पुर्लिया) निवासी गणेश कपरदार के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही पेटरवार थाना पुलिस, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रविन्द्र कुमार सिंह और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंचकर मामले की जांच-पड़ताल कर रही है।

पुलिस के अनुसार, केंद्र में कैंप मैनेजर संजीत कुमार सिंह ने बताया कि गणेश कपरदार यहां दो वर्षों से कुक के रूप में कार्यरत थे। बुधवार सुबह जब वे लंच के लिए मेस में गए तो(बेड) के नीचे गिरा हुआ पाया। घटना की सूचना उन्होंने तुरंत अपने वरिष्ठ अधिकारियों व पेटरवार थाना को दी। थाना प्रभारी दल के साथ पहल से ही मौके पर फॉरेंसिक टीम और स्कायडॉग (स्निफर डॉग) की मदद भी ली जा रही है।

एसडीपीओ रविन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि जांच पूरी गंभीरता से चल रही है और हत्या की गुत्थी जल्द सुलझाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि घटनास्थल से जो भी साक्ष्य बरामद किए जा रहे हैं उनकी सूची बनाई जा रही है और फोरेंसिक रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटनास्थल पर आई ई एल थाना प्रभारी, तेनुघाट ओपी प्रभारी व कसमार थाना प्रभारी भी जांच में सम्मिलित हैं। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज व कर्मियों से पूछताछ भी शुरू कर दी है। मृतक के परिजन समाचार लिखे जाने तक घटनास्थल पर नहीं पहुंचे थे।

स्थानीय राजनीतिक हस्ती व गोमिया के पूर्व विधायक डॉ. लम्बोदर महतो भी मौके पर पहुंचे और एसडीपीओ से वार्ता कर शीघ्र आरोपियों की पहचान कर सख्त से सख्त कार्रवाई करने की मांग की। पुलिस ने फिलहाल मृतक के परिजनों को सूचित कर दिया है। अगली हत्या जांच रिपोर्ट व पुलिस की अग्रिम कार्यवाही का इंतजार है।

संक्षिप्त खबरें

बैंक ऑफ इंडिया इम्प्लाइज यूनियन, झारखंड स्टेट के बोकारो अंचल की एकदिवसीय आम सभा

बोकारो (बिभा)। रविवार को स्थानीय मिलन हॉल में बैंक ऑफ इंडिया इम्प्लाइज यूनियन, झारखंड स्टेट के बोकारो अंचल की एकदिवसीय आम सभा आयोजित की गई, जो 57वें बैंक राष्ट्रीयकरण दिवस के अवसर पर संपन्न हुई। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष साथी एस के अदक की अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम में बोकारो और गिरिडीह जिला के दूर-दराज शाखाओं के अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे, महिलाओं की भागीदारी भी विशेष रूप से अधिक रही। सभा का शुभारम्भ अध्यक्ष एस के अदक, महासचिव दिनेश झा लल्लन, उप महासचिव उमेश कुमार दास, सदस्य एस एन दास, संगठन सचिव राकेश मिश्रा, कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार, सहायक साकेत कुमार शर्मा और साथी राजेश कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। स्वागत उद्बोधन और संचालन सहायक सचिव नुरेंद्र कुमार दास तथा संगठन सचिव राकेश मिश्रा ने किया। मुख्य वक्ता महासचिव दिनेश झा लल्लन ने अपने संबोधन में बैंक राष्ट्रीयकरण दिवस की बधाई दी और बताया कि राष्ट्रीयकरण से बैंकिंग में रोजगार के अवसर बढ़े, कर्मचारियों के लिए सुनिश्चित सेवा शर्तें और आम जनता के लिए बैंकिंग सुविधाएँ सुगम हुईं। उन्होंने कहा कि 1991 की नीतियों के बाद बैंकिंग में निजीकरण का प्रवृत्त शुरू हुआ, जिस पर लगातार सावधानी रखना आवश्यक है। झा ने कहा कि जमा राशि पूरी तरह जनता की संपत्ति है और उसका रक्षक सरकार ही हो सकती है, न कि निजी हाथ; इसलिए बैंकों को जनोत्थित और सार्वजनिक बनाए रखने के लिए संगठन के नेतृत्व में संगठित और सतत संघर्ष की आवश्यकता है। उन्होंने शाखा स्तर से ज्ञानार्जन तथा सामूहिक एकता के साथ अपने हक की रक्षा का आह्वान भी किया। प्रदेश अध्यक्ष एस के अदक ने अपने अध्यक्षीय भाषण में राष्ट्रीयकरण की प्राप्ति संघर्ष का परिणाम बताया और इसे बचाए रखने को सभी का साझा दायित्व बताया। सभा में उप महासचिव उमेश कुमार दास, एस एन दास, संगठन सचिव राकेश मिश्रा, सहायक सचिव नुरेंद्र कुमार दास, तथा अन्य साथियों ने भी विचार रखे। सभा को सफल बनाने में प्रदीप कुमार, इंद्रजीत चौधरी, परमहंस कुमार, जगन्नाथ दास, प्रियंका कुमारी, कृष्ण तिवारी, शिव शंकर भगत, शुभम दोस्त, दीपक कुमार, विनय कुमार, अजय कुमार, निवारण मंडल एवं अन्य कार्यकताओं का योगदान उल्लेखनीय रहा। धन्यवाद का प्रस्ताव कार्यकारिणी सदस्य दीपक कुमार लाल ने प्रस्तुत किया।

कान्यकुब्ज आर्ष परिषद् ने मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

तलगड़िया (बोकारो) (बिभा): कान्यकुब्ज आर्ष परिषद् शिखर मजलिस के तत्वावधान में रविवार को चास प्रखंड के अलुआरा तिवारी टोला स्थित शिव मंदिर प्रांगण में भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में वर्ष 2019 से 2026 तक शिक्षा, सामाजिक सेवा, संस्कृति एवं विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं एवं प्रतिभाशाली व्यक्तियों को प्रशस्ति-पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. विकास कुमार पांडे, परिषद् के अध्यक्ष दिलीप कुमार चौबे, पूर्व अध्यक्ष मनोरंजन तिवारी, सचिव बृजगोपाल पाठक सहित अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। समारोह की अध्यक्षता परिषद् अध्यक्ष दिलीप कुमार चौबे ने की, जबकि संचालन राजीव चौबे एवं प्रोफेसर सत्यवान उपाध्याय ने संयुक्त रूप से किया। अपने संबोधन में दिलीप कुमार चौबे ने कतरास, नवागढ़ सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए समाज के पदाधिकारियों, अतिथियों एवं समाजजनों का स्वागत करते हुए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्य अतिथि डॉ. विकास कुमार पांडे ने कहा कि समाज की प्रतिभाओं का सम्मान केवल उनकी उपलब्धियों की सराहना नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को आगे बढ़ने की प्रेरणा देना भी है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और संस्कार समाज की सबसे बड़ी पूंजी हैं। ऐसे आयोजन युवाओं में प्रतिस्पर्धा की भावना, आत्मविश्वास और उत्कृष्ट प्रदर्शन की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने तथा उन्हें हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने की अपील की। समारोह में बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य लोग, अभिभावक, छात्र-छात्राएं एवं विभिन्न क्षेत्रों से आए अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सम्मानित प्रतिभाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ हुआ। इस अवसर पर जिला परियोजना पदाधिकारी रुपेश तिवारी, चितरंजन दुबे, आदित्य तिवारी, कपिल उपाध्याय, कृष्णा तिवारी, निवारण तिवारी, धीरेंद्र तिवारी, बलराम उपाध्याय, युवा समिति अध्यक्ष अमित पाठक, मिथिलेश तिवारी, संजय उपाध्याय अर्जुन देव तिवारी, गणेश तिवारी, जितेंद्र तिवारी, भागवत पाठक सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। धन्यवाद सचिव ब्रजगोपाल पाठक ने दिया। समारोह में कतरास धनबाद के भी समाज के लोग शामिल थे।

भाजपा चास नगर उत्तरी का पंडित दीनदयाल प्रशिक्षण महाअभियान सम्पन्न

जनसंघ से भाजपा तक की यह यात्रा त्याग और संघर्ष की मिसाल : बिरंची नारायण

बिभा संवाददाता

बोकारो। भाजपा चास नगर उत्तरी के दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान का द्वितीय सत्र सुहागिन वैंकट हॉल, सुभाष कॉपरेटिव में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण वर्ग का औपचारिक उद्घाटन भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. सुरेन्द्र राज ने किया जबकि समापन बोकारो के पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता चास नगर उत्तरी अध्यक्ष राजेश घोषाल ने की और संचालन नगर संयोजक पन्नालाल कांदू ने किया। शुरूआत अतिथियों द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलन कर की गई।

समापन-सत्र में पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने कहा कि जनसंघ से भाजपा तक की यह यात्रा त्याग और संघर्ष की मिसाल है। उन्होंने पार्टी के इतिहास, विस्तार और आपातकाल के बाद राजनीति में आए बदलावों का जिक्र करते हुए पार्टी की पांच निष्ठाओं – राष्ट्रवाद, लोकतंत्र, सकारात्मक धर्मनिरपेक्षता, गांधीवादी समाजवाद और मूल्य आधारित राजनीति – पर जोर दिया। नारायण ने कहा कि भाजपा 18 करोड़ से अधिक सदस्यों के साथ दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बन चुकी है और केंद्र सरकार की योजनाओं (आवास, शौचालय, उज्ज्वला, आयुष्मान, किसान सम्मान निधि आदि) के माध्यम से गरीब और वंचितों के उत्थान पर काम कर रही है। उन्होंने बूथ कार्यकताओं से कहा कि पात्र लाभार्थियों को किसी भी सूरत में चूकने न दें। प्रशिक्षण सत्रों में रोहित लाल सिंह, संजय सिन्हा, अनिल स्वर्णकार, अर्चना सिंह, सुजीत चक्रवर्ती और भानु सिंह चौधरी ने विभिन्न विषयों पर विचार साझा किए। कार्यक्रम में जिला संयोजक सह जिला उपाध्यक्ष संजय त्यागी सहित अरविंद राय, उदय चंद्र प्रसाद, के एन सिंह, बिनोद सिंह राठौड़, प्रकाश प्रामाणिक, हराधन झरियात, विजय शर्मा, बबीता देवी, विमल कुमार, राहुल बरनवाल, उदय सिंह, रंजीत बरनवाल, पप्पू चौरसिया, राजा मुखर्जी, बैधनाथ धीवर, राजेश रजवार, वीणा शर्मा, पिंटू पाल, राहुल कुमार, कान्तू ठाकुर, गुलाब महतो, राम भजन सिंह, रौशन सिंह सेंटी कांदु, राजू बाउरी, बिनोद कुमार, पियूष गौरव, कुणाल कश्यप, विजय सिंह और रमेश कुमार सहित कई बूथ अध्यक्ष मौजूद रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य पार्टी कार्यकताओं को पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों से परिचित कराना तथा बूथ स्तर पर जनहित योजनाओं के प्रचार-प्रसार और लाभार्थियों की 100% पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षण देना बताया गया।

साहित्यलोक की मासिक रचनागोष्ठी में साहित्यकारों ने प्रस्तुतियों से बांधा समां

बोकारो : चर्चित साहित्यिक संस्था साहित्यलोक की मासिक रचनागोष्ठी शनिवार की शाम वरिष्ठ साहित्यकार बुद्धिनाथ झा के चीरा चास स्थित आवास पर हुई। सेल के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी व साहित्यलोक के वरिष्ठ सदस्य हरि मोहन झा की अध्यक्षता व साहित्यलोक के संयोजक अमन कुमार झा के संचालन में आयोजित इस रचनागोष्ठी में साहित्यकारों ने भारतीय संस्कृति, परंपरा, मानवीय संवेदना, देशभक्ति व सामाजिक पृष्ठभूमि पर आधारित रचनाएं सुनाकर सभी को आनंदित किया। रचना गोष्ठी की शुरूआत आराध्या झा एवं हिमांशु शेखर झा द्वारा प्रस्तुत शांति पाठ से हुई। तत्पश्चात नीलम झा ने हिंदी कविता तुम अपनी जैसी बन जाना व मैथिली में बारहमासा, सतीश चंद्र झा ने मैथिली कथा पाथरक आंखि, शैलजा झा ने मैथिली कविता कलमक विद्रोह व हिन्दी कविता शून्य से संभावना, सुनील मोहन ठाकुर ने मैथिली कविता भूख, अमन कुमार झा ने मैथिली कविता झिंगुरक आंदोलन, मैथिली कहानी पाग, विजय शंकर मल्लिक सुधापति ने मैथिली कविता झिल्लीक झरुआ, आत्मसम्मानीक झुकै ने झंडा व हिंदी कविता गाओ स्वदेश जयगाथा, गंगेश कुमार पाठक ने जन्मदिनक शुभकामना, मनोज उपाध्याय सुमन ने हिंदी कविता झुग्गी–झोपड़ी समस्या एवं समाधान, अरुण पाठक ने वरिष्ठ साहित्यकार हितनाथ झा रचित व एनसीआरटी की पाठ्य–पुस्तक में शामिल मैथिली देशभक्ति गीत भारत देशक प्राण तिरंगा की सुमधुर प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

सामाजिक उत्कर्ष के लिए आपसी एकजुटता व समन्वयन जरूरी : राजेंद्र

मिथिला सांस्कृतिक परिषद की आमसभा में कई प्रस्ताव पारित

बिभा संवाददाता

बोकारो: बोकारो में मिथिला-मैथिलीभाषियों की प्रतिष्ठित संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद की आमसभा रविवार को सेक्टर 2डी स्थित मां अंबे गार्डन (काली मंदिर परिसर) में हुई। परिषद के अध्यक्ष जयप्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित इस आमसभा में बड़ी संख्या में मिथिला समाज के लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर मुख्य रूप से विगत 5 जुलाई, 2026 को मिथिला एकेडमी में आयोजित पिछली आमसभा में प्रस्तावित विभिन्न निर्णयों को सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। पारित प्रस्तावों के तहत श्रवण कुमार झा को एक स्वर में सभी ने संगठन का नया उपाध्यक्ष स्वीकार किया। इसके अलावा संगठन में किसी कारणवश निष्क्रिय हो चुके पदाधिकारियों के स्थान पर किसी जिम्मेदार व्यक्ति को दायित्व सौंपने हेतु कार्यकारिणी में संशोधन का प्रस्ताव भी पारित किया गया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में परिषद के निदेशक मंडल के संयोजक एवं मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार ने कहा कि आपसी सहयोग, एकजुटता और समन्वयन से ही सामाजिक उत्कर्ष संभव है। उन्होंने बिना किसी मनुटाव के एक-दूसरे से मिलकर, प्रेम और सौहार्द के साथ संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि परिषद मिथिला समाज का ही नहीं, बल्कि समस्त बोकारोवासियों के लिए एक धरोहर है, जो दशकों से इस्पातनगरी बोकारो में सामाजिक, सांस्कृतिक, कलात्मक और शैक्षणिक उत्थान की दिशा में निरंतर प्रयासरत है।

इसके पूर्व, आरंभ में सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए परिषद के महासचिव नीरज चौधरी ने आमसभा की उपादेयता रेखांकित की। वित्त सचिव मिहिर मोहन ठाकुर ने संगठन के बजट एवं अन्य वित्तीय मुद्दों पर चर्चा की। इस अवसर पर परिषद के निदेशक मंडल के सदस्य कृष्णचंद्र झा एवं विजय कुमार झा सहित विद्यालय प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष बटोही कुमार, विवेकानंद झा, शंभु झा, प्रदीप कुमार, गंगेश पाठक आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। आमसभा का सुरुचिपूर्ण संचालन सुनील मोहन ठाकुर तथा अंत में धन्यवाद ज्ञापन सांस्कृतिक कार्यक्रम निदेशक अरुण पाठक ने किया।

सोनम वांगचुक के समर्थन में युवा राजद ने बोकारो में मोदी पुतला फूंका

बिभा संवाददाता

बोकारो : युवा राष्ट्रीय जनता दल (राजद), बोकारो जिला इकाई की ओर से आज बिरसा चौक, नया मोड़ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। कार्यक्रम सोनम वांगचुक के समर्थन में किया गया और इसमें बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता व समर्थक मौजूद रहे।

कार्यक्रम का नेतृत्व जिला अध्यक्ष संदीप पासवान ने किया। अपने संबोधन में संदीप पासवान ने कहा कि लोकतंत्र में हर नागरिक को शांतिपूर्ण एवं संवैधानिक तरीके से अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है। उन्होंने यह भी कहा कि जनहित से जुड़े मुद्दों पर आवाज उठाने वालों को गंभीरता से सुना जाना चाहिए और लोकतांत्रिक मूल्यों तथा संवैधानिक अधिकारों का सम्मान किया जाना चाहिए। संदीप पासवान ने आगे कहा कि युवा राष्ट्रीय जनता दल सामाजिक न्याय और जनता की आवाज बुलंद करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होने बताया कि इसी उद्देश्य के तहत यह विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया, जिसमें पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकताओं ने भाग लेकर अपना समर्थन और विरोध दर्ज कराया।

कार्यक्रम में विनय कुमार भाई, प्रमोद सिंह, सूरजकांत, मुकेश, जितेंद्र नारायण यादव, मनोज यादव, कंचन पासवान, आशीष मोदी तथा सुनील पासवान सहित अनेक कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे। प्रदर्शन का समापन लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और जनहित के मुद्दों पर संघर्ष जारी रखने के संकल्प के साथ किया गया।

गरीब बच्चों के बीच छतरी का वितरण

बोकारो । बोकारो के सेक्टर 12 झोपड़पट्टी में अवस्थित निःशुल्क बिरसा मुंडा विद्यालय के गरीब छात्र-छात्राओं के बीच बोकारो जनरल अस्पताल के चिकित्सकों और समाज सेवायों ने छतरी का वितरण किया। यहां के बोकारो जनरल अस्पताल के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉक्टर किरण, डॉ रजनीश के अलावा बोकारो स्टील प्लांट के सेवानिवृत्ति कार्यकारी निदेशक के पी चौधरी, नताल्या, अक्षय कुमार , हरिशंकर प्रसाद सोनी, परशुराम राम , विजय कुमार, बबीता कुमारी , योगेंद्र प्रसाद कुशवाहा, चंद्रशेखर ठाकुर , लक्ष्मण सिंह आदि ने गरीब छात्र - छात्राओं के बीच छतरी के अलावा पाठ्य पुस्तक की सामग्री का भी वितरित किया । आयोजित समारोह के संबोधन मे वक्ताओं ने कहा कि गरीब और असहाय छात्र-छात्राओं को शिक्षा मजबूती से प्रदान करना समाज और देश को उन्नति की ओर ले जाने में सहायक सिद्ध होगा।

ओएनजीसीसीबीएम परिसम्पत्ति, बोकारो के द्वारा स्वतंत्रता दिवस पूर्व उत्सव का आयोजन

बिभा संवाददाता

बोकारो। ओएनजीसीसीबीएम परिसम्पत्ति, बोकारो के द्वारा आशा लाता हॉल में स्वतंत्रता दिवस पूर्व उत्सव का आयोजन किया गया यह कार्यक्रम का संचालन हस्तशिल्प विकास संसथान, हजारीबाग द्वारा किया गया इस कार्यक्रम में देशभक्ति गीत, नृत्य प्रतियोगिता, भाषण,चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में 300 से अधिक छात्र-छात्राएं में भाग लिया यह आयोजन भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) के आगमन से पहले आयोजित किए जाने वाले विभिन्न स्कूलों का देशभक्ति कार्यक्रमों का सामूहिक आयोजन है। इसका उद्देश्य नागरिकों, विशेषकर बच्चों और युवाओं में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता, संविधान के प्रति सम्मान तथा स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान के प्रति कृतज्ञता की भावना विकसित करना है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ओएनजीसी सी.एस.आर. टीम के श्री दयानंद कालुंडिया महाप्रबंधक मानव संसाधन, प्रमुख अभियन्त्रिक सेवाएँ श्री एम.के.रॉय, श्री वी.सी.सिंह प्रमुख कूप सेवाएँ , श्री वीरेन्द्र कुमार प्रमुख लोगिंग सेवा,श्री विजेंद्र कुमार सिंह -प्रमुख एच एसइ, श्रीमती डॉली कुमारी उप महाप्रबंधक मानव संसाधन झसह-समन्वयक, सी.एस.आर, चंदना चालसानी-प्रबंधक मानव संसाधन, जयंत कुमार खलखो कूप सेवाएं , अजय कुमार दास - इंचार्ज सीसी, श्री शशि कुमार वरिष्ट राज्यभाषा पदाधिकारी झसह-एफ.पी.आर.सी.एस.आर के आलावा संसथान से श्रीमती मंजू देवी मौके पर हस्तशिल्प विकास संस्थान, हजारीबाग के सचिव नरेश ठाकुर, संजय गोप, उमा कुमारी अगस्त शर्मा कार्यक्रम में सहयोग किये

चलती बाइक पर मोबाइल पर ध्यान... दुर्घटना को आमंत्रण

बिभा संवाददाता

बोकारो : वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग करना आम हो चला है. बोकारो की हर सड़कों पर हर दिन हर मिनट ऐसे नजारे खूब दिखाई देते है. दो पहिया वाहन चलाते समय चालक जब एक हाथ वाहन की स्टेरिंग और दूसरे हाथ में मोबाइल से बात करते हुए, सड़क पर चलते हैं, इस दौरान सर पे हेलमेट न हो तब खतरा और भी बढ़ जाता है. खासकर तब जब अचानक कोई पशु, बच्चा या व्यक्ति सामने आ जाए तो संभलना मुश्किल हो जाता है. इसके बाद भी जान जोखिम में डालकर लोग वाहन चलाने के दौरान मोबाइल का इस्तेमाल धड़ल्ले से करते है.

नया मोड़, सेक्टर 12 चौक, सेक्टर 11 मोड़, सेक्टर वन, थर्ड, फोर और फाइव के बीच स्थित पत्थर कट्टा चौक के अमुमान हर दिन ट्रैफिक पुलिस की जांच टीम रहती है. इसके बावजूद पुलिस से आंख मिचौली का खेल-खेल कर कई ऐसे मस्ताने अपनी मस्ती में अपनी और दूसरे की जान खतरे में डालकर ये कारनामा करने से बाज नहीं आते. इस प्रकार की लापरवाही से दुर्घटना की संभावना बहुत बढ़ जाती है.

क्या कहता है यातायात नियम

कानूनी प्रावधानों के अनुसार सड़क पर वाहन चलाते समय हाथ में मोबाइल लेकर बात करना या मोबाइल पर बात करना या मैसेज टाइप करना मोटर वाहन अधिनियम की धारा 184 के तहत दंडनीय अपराध है. यहां तक कि ब्लू टूथ या एयरफोन लगाकर भी बात करने की मनाही है. इस प्रकार के कृत के लिए पुलिस द्वारा 1000 से 5000 तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है. वाहन का चलान कट सकता है.

झारखंड सरकार की बड़ी कार्रवाई: गृह विभाग के दो अधिकारी निलंबित; सुप्रीम कोर्ट को गलत रिपोर्ट भेजने का आरोप

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड सरकार ने गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के दो वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। राज्य के थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने से जुड़े मामले में बिना सक्षम प्राधिकार की मंजूरी के गलत रिपोर्ट भेजने के आरोप में विभाग की संयुक्त सचिव मनीषा जोसेफ तिग्गा और अवर सचिव संजय कुमार झा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। कार्मिक प्रशासनिक एवं राजभाषा विभाग की ओर से इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है।

मामला राज्य के 606 थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की प्रक्रिया से जुड़ा हुआ है। आरोप है कि इस मामले में अधिकारियों ने सक्षम स्तर से अनुमोदन लिए बिना तथ्यों से अलग रिपोर्ट तैयार कर भेज दी। यह रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट के वरीय अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे को भेजी गई थी। बाद में रिपोर्ट में गड़बड़ी सामने आने के बाद पुरानी रिपोर्ट को निरस्त कर नए सिरे से रिपोर्ट भेजने की स्थिति बनी। जानकारी के अनुसार, संयुक्त सचिव मनीषा जोसेफ तिग्गा पर आरोप है कि उन्होंने थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने से संबंधित मामले में बिना सक्षम प्राधिकार की अनुमति के वास्तविक तथ्यों से इतर रिपोर्ट सर्वोच्च न्यायालय के वरीय अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे को भेज दी। इस रिपोर्ट के कारण विभाग को बाद में संशोधित प्रक्रिया अपनानी पड़ी। सरकार की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि मनीषा जोसेफ तिग्गा के खिलाफ झारखंड सरकारी सेवक वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील नियमावली 2016 के तहत कार्रवाई की गई है। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के आयुक्त कार्यालय में निर्धारित किया गया है। वहीं, अवर सचिव संजय कुमार झा पर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। आदेश के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के तहत राज्य के सभी थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने हैं। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने वरीय अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे को अमिकस क्यूरी के रूप में नियुक्त किया है। सीसीटीवी लगाने की प्रगति और स्थिति को लेकर सभी राज्यों के गृह सचिवों और संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक भी हुई थी। आरोप है कि बैठक में लिए गए निर्णय और उच्च अधिकारियों के निर्देश के बावजूद संजय कुमार झा ने अपने स्तर से सिद्धार्थ दवे के कार्यालय को ई-मेल के माध्यम से रिपोर्ट भेज दी। जबकि निर्देश था कि संबंधित रिपोर्ट सूचना, प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस विभाग से प्राप्त कर उपलब्ध कराई जाए। सरकार ने माना कि अधिकारी ने उच्च अधिकारियों के निदेशों की अवहेलना की और संवेदनशील मामले में लापरवाही बरती। इसी आधार पर उन्हें निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि के दौरान संजय कुमार झा को कार्मिक प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग में योगदान देने का आदेश दिया गया है।

गौरतलब है कि राज्य के 606 थानों में अत्याधुनिक सीसीटीवी कैमरे लगाने की योजना पर काम चल रहा है। इस परियोजना के लिए झारखंड सरकार ने जनवरी 2026 में प्रशासनिक मंजूरी दी थी। योजना की अनुमानित लागत करीब 134 करोड़ रुपये है।कैल्क्युलेटर और संदर्भ डिवाइस इस परियोजना के तहत राज्य के सभी चिन्हित थानों में कुल 8854 हाईटेक कैमरे लगाए जाने हैं। इन कैमरों में ऑडियो और वीडियो रिकॉर्डिंग के साथ-साथ नाइट विजन जैसी आधुनिक सुविधाएं भी होंगी। इसका उद्देश्य थानों में होने वाली गतिविधियों की निगरानी बढ़ाना और पारदर्शिता सुनिश्चित करना है।

सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों के बाद देशभर के थानों में सीसीटीवी व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है। इसी क्रम में झारखंड में भी यह योजना लागू की जा रही है। हालांकि, रिपोर्ट भेजने में हुई कथित लापरवाही के बाद सरकार ने सख्त कदम उठाते हुए दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। सरकार का कहना है कि संवेदनशील मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों को नियमों और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ही काम करने के निर्देश दिए गए हैं। अब पुलिस और प्रशासनिक स्तर पर इस मामले से जुड़े दस्तावेजों और प्रक्रियाओं की समीक्षा की जा रही है।

झारखंड के जंगलों से सुखद खबर: आग की घटनाओं में 80% की रिकॉर्ड गिरावट

बिभा संवाददाता

रांची। जंगलों में आग लगने की घटनाओं को रोकने में राज्य को बड़ी सफलता मिली है। फारेस्ट सर्वे आफ इंडिया के ताजा आंकड़ों के अनुसार, झारखंड में वर्ष 2026 में जंगलों में आग की केवल 1,750 घटनाएं हुई हैं, जबकि पिछले वर्ष यह आंकड़ा 8,399 का था। वर्ष 2023 में तो जंगलों में आग की 12,590 घटनाएं हुई थीं। इस तरह पिछले वर्ष के मुकाबले राज्य में आग लगने की घटनाओं में लगभग 80 प्रतिशत और 2023 के मुकाबले 86 प्रतिशत की कमी आई है। जंगलों में आग की घटनाएं जनवरी से जून के बीच होती हैं। मानसून की बारिश के बाद आग लगने की घटनाएं लगभग शून्य हो जाती हैं।

फारेस्ट सर्वे आफ इंडिया की फायर मानिटरिंग रिपोर्ट जहां राज्य के पर्यावरण संरक्षण के लिए अहम है, वहीं वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए भी यह महत्वपूर्ण है। जंगल में आग की वजह से कीमती वनस्पति के साथ वन्यजीवों के जलने से पूरे पारिस्थितिकी तंत्र का नुकसान होता है।

झारखंड में 23,765.78 वर्ग किलोमीटर का वन क्षेत्र है। यह राज्य के कुल क्षेत्रफल का 29.81 प्रतिशत है। इस बार की सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, पलामू और चाईबासा दोनों जगह आग लगने की घटनाओं में भारी कमी आई है।

जंगलों में आग लगने की अधिसंख्य घटनाएं महुआ और तेंदु पत्ता चुनने के लिए ग्रामीणों द्वारा सफाई के नाम पर होती हैं। वन एवं पर्यावरण विभाग ने इसे रोकने के लिए जागरूकता अभियान चलाया। प्रभावित क्षेत्रों में फारेस्ट वारियर बनाए गए।

राज्य	आग लगने की घटनाएं
महाराष्ट्र	23,898
मध्य प्रदेश	22,783
छत्तीसगढ़	17,048
आंध्र प्रदेश	16,135
ओडिशा	15,530
तेलंगाना	13,840
उत्तराखंड	7,123
असम	6,785
कर्नाटक	5,714
मणिपुर	4,800

अभी राज्य के वन क्षेत्रों में 28 हजार फारेस्ट वारियर काम कर रहे हैं और इनकी संख्या आने वाले दिनों में 50 हजार करने की है। इन उत्साही लोगों ने महुआ और तेंदु पत्ता चुनने के लिए आग लगाने की जगह दूसरे विकल्प सुझाए।

इसके साथ आग की किसी भी छोटी घटना को विभाग तक पहुंचाया और उसे बुझाने में सक्रिय सहयोग किया। फारेस्ट सर्वे आफ इंडिया से मिले रीयल टाइम रिपोर्ट पर त्वरित कार्रवाई की गई और आग पर नियंत्रण पाया गया। खास बात यह है कि आग रोकने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

तकनीकी प्रशिक्षण का हुआ असर प्रधान मुख्य वन संरक्षक संजीव कुमार ने फरवरी 2026 में आग रोकने के लिए सभी क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक, वन संरक्षक,वन प्रमंडलों के अधिकारियों के साथ कार्ययोजना तैयार की थी।

इसके तहत राज्य में 28 हजार फायर वारियर तथा मास्टर ट्रेनरों को आधुनिक उपकरणों के संचालन का प्रशिक्षण दिया गया। फायर अलर्ट मिलने के 10 से 20 मिनट में वन विभाग तथा स्थानीय टीमें घटनास्थल पर पहुंची और आग पर नियंत्रण पाया।

संक्षिप्त खबरें

कुडू में युवक पर जानलेवा हमला, बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर

लोहरदगा(बिभा)। कुडू थाना क्षेत्र के चांपी पंचायत अंतर्गत कुंदगड़ा गांव निवासी प्रदीप गंझू (पिताझ्रअजय गंझू) पर शनिवार रात अज्ञात लोगों द्वारा जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। हमले में गंभीर रूप से घायल प्रदीप का इलाज फिलहाल लोहरदगा सदर अस्पताल में चल रहा है। जानकारी के अनुसार, प्रदीप गंझू शनिवार रात घर से घूमने के लिए निकले थे। इसी दौरान रास्ते में अज्ञात लोगों ने उन पर हमला कर बेरहमी से मारपीट की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें पहले हेसल बसार टोली अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए लोहरदगा सदर अस्पताल रेफर कर दिया, जहां उनका उपचार जारी है। इधर घटना की सूचना मिलते ही कुडू थाना पुलिस और चांपी पिकेट पुलिस मामले की जांच में जुट गई। पुलिस हमलावरों की पहचान और घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कुछ आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। फिलहाल हमले के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

पूज्य मुनिश्री 108 सुयश सागर एवं कौशल्य सागर जी महाराज का श्रद्धालुओं को मिल रहा भरपूर आशीर्वाद

हजारीबाग (बिभा): पूज्य मुनिश्री 108 सुयश सागर जी महाराज एवं पूज्य मुनिश्री 108 कौशल्य सागर जी महाराज के सान्निध्य में हजारीबाग का धार्मिक वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना हुआ है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दोनों संतों के दर्शन कर उनके मंगल प्रवचन सुन रहे हैं तथा आशीर्वाद प्राप्त कर अपने जीवन को धन्य बना रहे हैं। मुनिश्री अपने प्रवचनों में धर्म, संयम, अहिंसा, क्षमा, आत्मकल्याण और सदाचार का संदेश दे रहे हैं। वे बताते हैं कि मनुष्य का वास्तविक सुख बाहरी भौतिक साधनों में नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, अच्छे संस्कार और धर्म के मार्ग पर चलने में निहित है। उनके प्रेरणादायी विचारों से युवा, महिलाएं और बुजुर्ग सभी प्रभावित हो रहे हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि पूज्य मुनिश्री के सान्निध्य में उन्हें मानसिक शांति, आध्यात्मिक ऊर्जा और जीवन को नई दिशा देने की प्रेरणा मिल रही है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग गुरुचरणों में पहुंचकर मंगल आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं तथा अपने परिवार के सुख, शांति और समृद्धि की कामना कर रहे हैं। जैन समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि पूज्य मुनिश्री के हजारीबाग प्रवास से पूरे क्षेत्र में धार्मिक चेतना का संचार हुआ है। विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों में श्रद्धालुओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिल रही है। समाज के लोगों ने अधिक से अधिक धर्मप्रेमियों से प्रवचन एवं धार्मिक आयोजनों में शामिल होकर पूज्य मुनिश्री के अमृतवचनों का लाभ लेने और उनके आशीर्वाद से अपने जीवन को संस्कारित बनाने का आग्रह किया।रोजाना शाम नमोकार चालीसा में भी काफी लोगों की भीड़ उमड़ रही है!

केंद्र की ओर से लागू चार लेबर कोर्ट में से दो कोड मजदूरों के हित में : बीएमएस

रांची(बिभा)। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) की अखिल भारतीय कार्य समिति बैठक 26-28 जुलाई 2026 तक नामकुम स्थित सरला बिरला विश्वविद्यालय में होगी। बैठक में देश के कोने-कोने से प्रतिनिधि भाग लेंगे। कार्यसमिति बैठक में संगठित और असंगठित क्षेत्र के मजदूरों की समस्या और उसके समाधान पर गहन चर्चा होगी। यह जानकारी भारतीय मजदूर संघ के क्षेत्रीय संगठन मंत्री धर्मदास शुक्ला ने रविवार को धुर्वा के सेक्टर -03 सीडी 241 स्थित संगठन के कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने कहा कि भारतीय मजदूर संघ वर्तमान में केंद्र सरकार की ओर से लागू किए गए चार लेबर कोर्ट में से दो लेबर कोड मजदूरी संहिता 2019 एवं सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 को मजदूरों के लिए सही बताया है। वहीं शेष दो कोड औद्योगिक संबद्ध संहिता 2020 एवं व्यवसायिक सुरक्षा स्वास्थ्य और कार्य स्थितियां संहिता 2020 पर अपनी असहमति जताई है। वर्तमान में लागू किए गए समाजिक सुरक्षा संहिता से मजदूरों को बड़े पैमाने पर राहत मिली। वहीं प्रदेश महामंत्री राजीव रंजन सिंह ने कहा कि तीन दिनों के अखिल भारतीय कार्यसमिति बैठक में मजदूरों के विभिन्न विषयों पर चिंतन, मंथन और समसामयिक विषयों पर प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय मजदूर संघ मजदूरों को एक उत्पादन नहीं बल्कि मानव पूंजी समझता है। साथ ही शांतिपूर्ण तरीके से लगातार वार्ता के माध्यम से मजदूरों की समस्या पर समाधान करने पर विश्वास करती है। कार्यसमिति बैठक की तैयारी समिति के प्रमुख चंदन कुमार प्रसाद ने कहा कि कार्यसमिति बैठक की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। कार्य समिति बैठक को सफल बनाने के लिए प्रदेश के सभी कार्यकर्ता इस कार्य में लगे हुए हैं। प्रसाद ने कहा कि कार्यसमिति बैठक की प्रत्येक दिन की कार्यवाही की जानकारी दी जाएगी। मौके पर बीएमएस के मीडिया प्रभारी रमा शंकर प्रसाद सहित अन्य मौजूद थे।

तृतीय झारखंड राज्य विज्ञान सम्मेलन का आयोजन, वैज्ञानिक सोच और अंधविश्वास उन्मूलन पर जोर

बिभा संवाददाता

रांची। ब्रेकथ्रू साइंस सोसाइटी, झारखंड चैप्टर द्वारा तृतीय झारखंड राज्य विज्ञान सम्मेलन का आयोजन आज राजधानी रांची के होटल कैपिटोल रेजीडेंसी में किया गया। सम्मेलन में झारखंड के विभिन्न जिलों से विज्ञान कार्यकर्ता, शिक्षक, शोधकर्ता, छात्र, विज्ञान प्रेमी एवं बुद्धिजीवियों ने भाग लिया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य समाज में वैज्ञानिक सोच का प्रसार, अंधविश्वास के विरुद्ध जनजागरूकता तथा झारखंड में विज्ञान आंदोलन को और अधिक व्यापक बनाना रहा।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कोल्हान विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. किरण शुक्ला ने की। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने तथा अंधविश्वास और अवैज्ञानिक मान्यताओं के विरुद्ध समाज को जागरूक करने का आह्वान किया।

कोल्हान विश्वविद्यालय के पूर्व प्रॉक्टर डॉ. अमिताभ बोस ने स्वागत भाषण में सभी अतिथियों, प्रतिनिधियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि विज्ञान आंदोलन को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए वैज्ञानिकों, शिक्षकों, छात्रों और आम नागरिकों की संयुक्त भागीदारी आवश्यक है।

गणित विभाग, कोल्हान विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. आर. कुंडू ने कहा कि विज्ञान का वास्तविक उद्देश्य केवल खोज तक सीमित नहीं, बल्कि समाज में वैज्ञानिक चेतना का विकास करना भी है। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने पर बल दिया।

बिनोबा भावे विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर एवं बीआईटी मेसरा के पूर्व कुलसचिव डॉ. पी. महतो ने भारत की वैज्ञानिक परंपरा, आधुनिक वैज्ञानिक उपलब्धियों तथा वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर अपने विचार रखे।

एनआईटी जमशेदपुर के पूर्व महाप्रबंधक श्री रमेश गुप्ता ने वर्तमान समय में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की भूमिका, नई चुनौतियों तथा सतत विकास के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण को आवश्यक बताया।

सम्मेलन के मुख्य वक्ता आईआईएसईआर, कोलकाता के पूर्व निदेशक एवं ब्रेकथ्रू साइंस सोसाइटी के महासचिव प्रो. सौमेन बसु ने देश में व्यापक विज्ञान आंदोलन की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने संगठन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए वैज्ञानिक सोच, तर्कशीलता, मानवतावादी दृष्टिकोण तथा अवैज्ञानिक मान्यताओं के विरोध को समाज के विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बताया।

उद्घाटन सत्र के अंत में डॉ. माधुरी दास ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

विश्वकर्मा शिल्पकार मेला से समाज में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे : विकास राणा

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: झारखण्ड प्रदेश विश्वकर्मा समाज की प्रदेश कमेटी के द्वारा प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक दिनाँक 19 जुलाई 2026 दिन रविवार को स्थानीय विधानसभा सभागार, राँची में आयोजित किया गया। प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक की अध्यक्षता झारखण्ड प्रदेश विश्वकर्मा समाज के प्रदेश अध्यक्ष विकास राणा ने किया तथा मंच संचालन प्रदेश प्रधान महासचिव संतन शर्मा ने किया। इस कार्यक्रम में झारखण्ड प्रदेश विश्वकर्मा समाज के सभी प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य 24 जिला के जिला अध्यक्ष, जिला महासचिव, जिला कोषाध्यक्ष सहित विश्वकर्मा समाज के गणमान्य लोग शामिल हुए !प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में मुख्य रूप से निर्णय लिया गया कि राज्य स्तरीय विश्वकर्मा शिल्पकार मेला 20 सितम्बर से 24 सितम्बर 2026 (पाँच दिवसीय) को राँची के हरमू मैदान में आयोजित किया जायेगा झारखण्ड प्रदेश विश्वकर्मा समाज द्वारा एक लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य !सभी जिला मुख्यालय में जिला सम्मलेन का आयोजन का निर्णय

झारखण्ड प्रदेश विश्वकर्मा समाज की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक को सम्बोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष विकास राणा ने कहा राज्य स्तरीय विश्वकर्मा शिल्पकार मेला 20 सितम्बर से 24 सितम्बर 2026 (पाँच दिवसीय) को राँची के हरमू मैदान में आयोजित किया जायेगा जिसमें विश्वकर्मा समाज के पेशे एवं रोजगार से जुड़े सभी वस्तुओं की प्रदर्शनी लगाईं जाएगी तथा इससे विश्वकर्मा समाज के लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे ! झारखण्ड के सभी जिलों में सदस्यता अभियान चलाकर एक लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया ! प्रदेश अध्यक्ष विकास राणा ने कहा कि विश्वकर्मा समाज के लोगों को राजनीति में आगे आने की जरुरत है, राज्य में होने वाले पंचायत चुनाव में विश्वकर्मा समाज के प्रतिनिधियों को चुनाव जिताकर लाना होगा ! प्रदेश अध्यक्ष विकास राणा ने कहा कि बहुत जल्द विश्वकर्मा समाज के द्वारा सभी जिला मुख्यालय में जिला सम्मलेन का आयोजन भी किया जायेगा ! कार्यक्रम में मुख्य रूप से शंकर विश्वकर्मा, संजय शर्मा, दिनेश राणा, हीरामण मिस्त्री, संतोष राणा, दिलीप शर्मा, गुप्तेश्वर शर्मा सहित सैकड़ो की संख्या में पुरे झारखण्ड से विश्वकर्मा समाज के प्रतिनिधि भाग लिया।

हजारीबाग में हम (सेक्युलर) के प्रदेश अध्यक्ष हरेकृष्ण महाराज का भव्य स्वागत, राजकुमार उर्फ बबलू कुशवाहा बने जिलाध्यक्ष

संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाना प्राथमिकता: प्रदेश अध्यक्ष

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के नवनियुक्त झारखंड प्रदेश अध्यक्ष हरेकृष्ण महाराज के हजारीबाग आगमन पर पार्टी कार्यकताओं ने गर्मजोशी के साथ उनका भव्य स्वागत किया। हजारीबाग परिसदन में रविवार को आयोजित स्वागत समारोह में कार्यकताओं ने बुके भेंट कर एवं फूल-मालाओं से उनका अभिनंदन किया।

समारोह को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष हरेकृष्ण महाराज ने संगठन के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी को गांव-गांव, पंचायत एवं बूथ स्तर तक मजबूत करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कार्यकताओं से जनता के बीच निरंतर सक्रिय रहकर पार्टी की नीतियों, सिद्धांतों एवं जनहित के मुद्दों को पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वास जताया कि कार्यकताओं की मेहनत और जनता के सहयोग से हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) झारखंड में एक सशक्त राजनीतिक विकल्प के रूप में उभरेगी।

इस अवसर पर संगठन विस्तार के तहत प्रदेश अध्यक्ष ने राजकुमार उर्फ बब्लू कुशवाहा को हजारीबाग जिला अध्यक्ष मनोनीत कर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी। राजकुमार उर्फ बब्लू कुशवाहा हजारीबाग लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी तथा दारू प्रखंड के जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि रह चुके हैं। सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में उनकी सक्रिय भूमिका को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन पर विश्वास जताया है।

नवनियुक्त जिलाध्यक्ष राजकुमार उर्फ बब्लू कुशवाहा ने प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन को जिले के प्रत्येक प्रखंड, पंचायत और बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए कार्यकताओं के साथ मिलकर लगातार जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने विश्वास दिलाया कि आम जनता की समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए पार्टी को जिले में नई पहचान दिलाने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) ₹हमर₹ के जिला अध्यक्ष बनने पर राजकुमार उर्फ बब्लू कुशवाहा को बधाई एवं शुभकामनाएं देने वालों का लगातार तांता लगा हुआ है।

हजारीबाग प्रवास के दौरान प्रदेश अध्यक्ष हरेकृष्ण महाराज ने विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर लोगों को पार्टी की नीतियों एवं सिद्धांतों से अवगत कराया। इस दौरान कई लोगों ने हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) की सदस्यता ग्रहण कर संगठन के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की।

अल्पसंख्यक अधिकार सम्मेलन में उठी शिक्षा, संवैधानिक अधिकार और सामाजिक सुरक्षा की आवाज

युवाओं की भागीदारी से ही अल्पसंख्यकों के अधिकार होंगे मजबूत : आबिद अली

बिभा संवाददाता

रांची: जिला यूथ मोमिन कॉन्फ्रेंस के विवार को अंजुमन प्लाजा, मेन रोड स्थित सभागार में अल्पसंख्यक अधिकार सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता यूथ मोमिन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय महासचिव अयूब अली ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड प्रदेश मोमिन कॉन्फ्रेंस के प्रदेश अध्यक्ष आबिद अली उपस्थित थे।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए आबिद अली ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली महागठबंधन सरकार ने कई जनहितकारी कार्य किए हैं, लेकिन अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे अब भी लंबित हैं। उन्होंने मदरसा शिक्षा बोर्ड के गठन, अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थाओं के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा, मौलाना आजाद उर्दू-फारसी विश्वविद्यालय की स्थापना, अल्पसंख्यक आयोग एवं अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम को सशक्त बनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि शिक्षा, संगठन और संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूकता ही समाज की प्रगति का आधार है तथा युवाओं को लोकतांत्रिक तरीके से संगठित होकर अपने अधिकारों की रक्षा के लिए आगे आना चाहिए। साथ ही राज्य विधानसभा से पारित मॉब लिंचिंग निरोधक कानून को शीघ्र लागू करने की भी मांग की।

मोमिन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय महासचिव मोहम्मद सगीर अंसारी ने कहा कि अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थाओं के संवैधानिक अधिकारों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने झारखंड एकेडमिक काउंसिल द्वारा गठित शासी निकायों को तत्काल निरस्त करने तथा परिषद की कार्यशैली की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग उठाई।

अध्यक्षीय संबोधन में अयूब अली ने युवाओं से शिक्षा, संगठन और संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक होकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

सम्मेलन के दौरान वारिस अंसारी को रांची जिला यूथ मोमिन कॉन्फ्रेंस का जिला अध्यक्ष तथा मोहम्मद आरिफ अंसारी को रांची महानगर यूथ मोमिन कॉन्फ्रेंस का महानगर अध्यक्ष मनोनीत करने की घोषणा की गई। कार्यक्रम में सर्वसम्मति से 11 सूत्रीय प्रस्ताव पारित किए गए।

इस अवसर पर शमीम अख्तर, सयूम , जाहिद हसन, मोहम्मद इरशाद आलम, आमिर, हैदर , अब्दुल रहमान, मोहम्मद हैदर, मोहम्मद वसीम, बेलाल , आशिक , राज , महबूबुल , मुस्ताक , फिरोज , मकसूद , नौशाद , शाहरुख , मोइन सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे।

जन्मजात हृदय रोग से ग्रसित बच्चों के लिए नि:शुल्क स्क्रीनिंग शिविर आयोजित

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम आरबीएसके एवं अमृता हॉस्पिटल, कोच्चि के संयुक्त तत्वावधान में गिफ्ट ऑफ लाइफ अभियान के अंतर्गत सदर अस्पताल, चाईबासा में जन्मजात हृदय रोग से ग्रसित बच्चों के लिए नि:शुल्क स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किया गया। शिविर में कुल 224 बच्चों की स्वास्थ्य जांच की गई, जिनमें 34 बच्चों में जन्मजात हृदय रोग की पहचान हुई। इनमें पूर्वी सिंहभूम के 25 बच्चों में से 13 बच्चे शामिल हैं। अमृता हॉस्पिटल, कोच्चि द्वारा 17 से 19 जुलाई 2026 तक देवघर, बोकारो एवं चाईबासा में आयोजित शिविरों में कुल 701 बच्चों की जांच की गई, जिनमें 131 बच्चों में जन्मजात हृदय रोग की पहचान की गई। चिन्हित बच्चों के उपचार की आगे की प्रक्रिया अमृता हॉस्पिटल के सहयोग से सुनिश्चित की जाएगी। शिविर के सफल आयोजन में जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग,आरबीएसके टीम तथा विभिन्न जिलों से आए चिकित्सकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

संसद का मानसून सत्र : लोकतंत्र का महायुद्ध या राष्ट्रीय सहमति का महापर्व ?

विनोद कुमार सिंह

संसद किसी एक दल,गठबंधन या सरकार की नहीं,बल्कि भारत की जनता की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था है। मतभेद लोकतंत्र का स्वाभाविक गुण हैं,परन्तु संवाद उसका प्राण है।यदि यह मानसून सत्र राजनीतिक संघर्ष के बीच भी राष्ट्रीय सहमति का मार्ग प्रशस्त करता है,तो यह भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का नया अध्याय सिद्ध होगा।यदि संवाद की जगह केवल टकराव ले लेता है,तो इतिहास इसे एक खोए हुए अवसर के रूप में भी दर्ज करेगा। लोकतंत्र की वास्तविक विजय सत्ता की नहीं,बल्कि संसद की गरिमा,संविधान की प्रतिष्ठा और जनविश्वास की विजय होती है।

सर्वदलीय बैठक से शुरू हुआ राजनीतिक संग्राम,महत्त्वपूर्ण विधेयकों,संवैधानिक विमर्श, परिसीमन,महिला आरक्षण, भ्रष्टाचार और जनसरोकारों के मुद्दों पर सत्ता-विपक्ष की निर्णायक परीक्षा...

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संसद है।संविधान निमार्ताओं ने संसद को केवल कानून बनाने की संस्था नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संवाद, जनाकांक्षाओं की अभिव्यक्ति और सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने वाले सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच के रूप में स्थापित किया।संसद की गरिमा केवल सत्ता पक्ष के बहुमत से नहीं,बल्कि एक सशक्त,जागरूक और उत्तरदायी विपक्ष से भी निर्मित होती है।लोकतंत्र का सौंदर्य इसी संतुलन में निहित है।सरकार जनादेश का प्रतिनिधित्व करती है,जबकि विपक्ष जनमत की निगरानी करता है।दोनों की सक्रिय और रचनात्मक भूमिका ही संसदीय लोकतंत्र को जीवंत बनाती है।इसी लोकतांत्रिक परंपरा को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से प्रत्येक संसदीय सत्र से पूर्व केन्द्र सरकार सर्वदलीय बैठक आयोजित करती है।यद्यपि यह संविधान द्वारा अनिवार्य नहीं है, फिर भी दशकों से विकसित यह संसदीय परम्परा सरकार और विपक्ष के बीच संवाद का सबसे महत्त्वपूर्ण माध्यम रही है।इस बैठक में आगामी सत्र की कार्ययोजना,विधायी प्राथमिकताओं,जनहित से जुड़े मुद्दों तथा सदन को व्यवस्थित और सुचारु रूप से चलाने पर विचार-विमर्श किया जाता है। लोकतंत्र में संवाद की यह परम्परा ही राजनीतिक मतभेदों को संवैधानिक मयार्दाओं के भीतर बनाए रखने का आधार बनती है।20 जुलाई से प्रारम्भ हुए संसद के मानसून सत्र की शुरूआत इस बार सहमति के वातावरण में नहीं,बल्कि तीखे राजनीतिक मतभेदों के साथ हुई है।सत्र से पूर्व आयोजित सर्वदलीय बैठक में आम आदमी पार्टी,तृणमूल कांग्रेस तथा इंडिया गठबंधन के कई दलों ने उन सांसदों को आमंत्रित किए जाने पर आपत्ति जताई,जिन्होंने अपनी मूल राजनीतिक पार्टी से अलग होने की घोषणा की है अथवा जिनकी स्थिति दल-बदल विरोधी कानून के अंतर्गत अभी लोकसभा अध्यक्ष के समक्ष विचाराधीन है।विपक्ष ने इसे संसदीय मयार्दाओं के विपरीत बताते हुए बैठक का बहिष्कार किया। सरकार का पक्ष है कि निमंत्रण संसदीय अभिलेखों और उपलब्ध आधिकारिक स्थिति के आधार पर भेजे गए हैं तथा इसमें किसी प्रकार की प्रक्रिया का उल्लंघन नहीं हुआ है।यह विवाद केवल एक बैठक तक सीमित नहीं है।इसके पीछे भारतीय राजनीति में लगातार बढ़ता अविश्वास,दल -बदल की घटनाएँ, गठबंधनों का विघटन,राजनीतिक ध्रुवीकरण तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता को लेकर उठ रहे प्रश्न भी जुड़े हैं।विपक्ष का आरोप है कि सत्तारूढ़ दल विपक्ष को कमजोर करने की दीर्घकालिक राजनीतिक रणनीति पर कार्य कर रहा है।सरकार इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहती है कि लोकतंत्र में प्रत्येक निर्वाचित जनप्रतिनिधि को कानून के दायरे में राजनीतिक निर्णय लेने का अधिकार है तथा दल- बदल से जुड़े मामलों का अंतिम निर्णय संविधान की दसवीं अनुसूची के अनुसार संबंधित अध्यक्ष अथवा सभापति ही करते हैं।इस बार मानसून सत्र का महत्त्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि सरकार अनेक महत्त्वपूर्ण विधेयकों को संसद में प्रस्तुत करने अथवा पारित कराने की तैयारी में है।संसद की उपलब्ध कार्यसूची और सरकारी संकेतों के अनुसार आयकर(संशोधन) विधेयक,सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम विकास(संशोधन) विधेयक, जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक,सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने संबंधी विधेयक, राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण (संशोधन)विधेयक तथा विदेशी अंशदान (विनियमन)अधिनियम में संशोधन जैसे विषय सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। हालाँकि संसद की कार्यसूची गतिशील होती है और कार्यमंत्रणा समिति अथवा सरकार के निर्णय के अनुसार इसमें परिवर्तन,नए विधेयकों का समावेश अथवा प्राथमिकताओं का पुनर्निर्धारण भी संभव है।सरकार का दावा है कि इन विधेयकों का उद्देश्य प्रशासनिक सुधार,न्यायिक दक्षता,कर व्यवस्था का सरलीकरण,निवेश को प्रोत्साहन, सुशासन तथा पारदर्शिता को और अधिक सुदृढ़ करना है।सरकार का यह भी कहना है कि विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए विधायी सुधारों की गति बनाए रखना समय की आवश्यकता है।यही कारण है कि मानसून सत्र को सरकार अपने तीसरे कार्यकाल के सबसे महत्त्वपूर्ण विधायी सत्रों में से एक मान रही है।दूसरी ओर राजनीतिक विमर्श का सबसे संवेदनशील विषय संविधान संशोधन,परिसीमन तथा महिला आरक्षण का प्रभावी क्रियान्वयन बना हुआ है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम संसद से पारित हो चुका है,किन्तु उसका वास्तविक क्रियान्वयन नई जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद ही संभव है।विपक्ष का आरोप है कि महिला आरक्षण को तत्काल लागू करने के बजाय भविष्य की प्रक्रिया से जोड़ दिया गया है। सरकार का कहना है कि संविधान के वर्तमान प्रावधानों के अंतर्गत परिसीमन के बिना आरक्षण लागू करना संभव नहीं है।स्पष्ट है कि यह विषय राजनीतिक बहस के साथ-साथ संवैधानिक व्याख्या का भी प्रश्न बन चुका है।परिसीमन आने वाले वर्षों की भारतीय राजनीति का सबसे महत्त्वपूर्ण संवैधानिक विषय बनता दिखाई दे रहा है। जनसंख्या के आधार पर लोकसभा क्षेत्रों के पुनर्गठन से राज्यों के संसदीय प्रतिनिधित्व में परिवर्तन की संभावना है।दक्षिण भारत के अनेक राज्यों और क्षेत्रीय दलों ने पहले ही आशंका व्यक्त की है कि जनसंख्या नियंत्रण में सफलता प्राप्त करने वाले राज्यों को प्रतिनिधित्व के स्तर पर नुकसान उठाना पड़ सकता है।दूसरी ओर उत्तर भारत के राज्य समान जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल देते हैं। इसलिए परिसीमन केवल चुनावी गणित का विषय नहीं, बल्कि संघीय ढाँचे,क्षेत्रीय संतुलन और राष्ट्रीय राजनीतिक संरचना से जुड़ा संवेदनशील प्रश्न बन गया है।मानसून सत्र में विपक्ष की रणनीति भी लगभग स्पष्ट दिखाई दे रही है।विपक्ष संसद के भीतर सरकार को भ्रष्टाचार,बेरोजगारी, महँगाई,कृषि संकट,राज्यों के अधिकार,संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता,जाँच एजेंसियों के कथित दुरुपयोग,दल-बदल, सामाजिक न्याय तथा महिला आरक्षण के क्रियान्वयन जैसे विषयों पर घेरने की तैयारी में है। इसके अतिरिक्त लद्दाख को संवैधानिक संरक्षण,छठी अनुसूची के प्रावधानों तथा पर्यावरणीय संरक्षण की माँग को लेकर सोनम वांगचुक द्वारा चलाए गए आंदोलन को भी विपक्ष राष्ट्रीय विमर्श का विषय बनाने का प्रयास करेगा।सीमावर्ती क्षेत्रों का विकास, पर्यावरणीय संतुलन और स्थानीय जनप्रतिनिधित्व अब केवल क्षेत्रीय मुद्दे नहीं,बल्कि राष्ट्रीय नीति के अभिन्न अंग बन चुके हैं।भ्रष्टाचार का प्रश्न भी इस सत्र में प्रमुखता से उठ सकता है।विपक्ष विभिन्न सरकारी निर्णयों, सार्वजनिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली तथा राजनीतिक जवाबदेही को लेकर सरकार से प्रश्न पूछने की तैयारी में है।वहीं सरकार डिजिटल भुगतान, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण,सरकारी खरीद की ई-प्रणाली, जीएसटी, डिजिटल प्रशासन तथा तकनीक आधारित पारदर्शिता को भ्रष्टाचार के विरुद्ध अपनी उपलब्धियों के रूप में प्रस्तुत कर रही है। स्वाभाविक है कि इस विषय पर सत्ता और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिल सकती है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसद केवल बहुमत का मंच नहीं होती। संविधान के अनुच्छेद107 से 111 तक विधेयकों की संसदीय प्रक्रिया का उल्लेख है,जबकि अनुच्छेद 368 संविधान संशोधन की विशेष प्रक्रिया निर्धारित करता है।इसी प्रकार दसवीं अनुसूची दल-बदल विरोधी कानून का आधार है।इन प्रावधानों का मूल उद्देश्य लोकतांत्रिक स्थिरता,जनादेश की रक्षा और संसदीय मयार्दाओं को सुरक्षित रखना है।यदि राजनीतिक विवादों का समाधान इन्हीं संवैधानिक व्यवस्थाओं के माध्यम से होता है तो लोकतंत्र मजबूत होता है; किन्तु यदि संवैधानिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास बढ़ता है,तो उसका प्रभाव लोकतांत्रिक व्यवस्था पर दूरगामी होता है।यह भी स्मरण रखना होगा कि संसद का दायित्व केवल विधेयक पारित करना नहीं है।संसद सरकार से प्रश्न पूछती है,नीतियों की समीक्षा करती है,सार्वजनिक धन के उपयोग पर निगरानी रखती है तथा जनता की आकांक्षाओं को राष्ट्रीय नीति में स्थान देती है।इसलिए संसद का प्रत्येक दिन और प्रत्येक घंटा राष्ट्र की अमूल्य लोकतांत्रिक पूँजी है। यदि पूरा सत्र केवल हंगामे, नारेबाजी और स्थगन की भेंट चढ़ जाता है,तो सबसे बड़ा नुकसान जनता के विश्वास और लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को होता है।

आज भारत महँगाई,रोजगार, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता,जलवायु परिवर्तन,कृषि सुधार,राष्ट्रीय सुरक्षा,साइबर सुरक्षा,शिक्षा, स्वास्थ्य तथा सामाजिक समरसता जैसी अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। इन विषयों पर गंभीर संसदीय विमर्श की अपेक्षा केवल विपक्ष या सरकार की नहीं,बल्कि पूरे राष्ट्र की है। जनता चाहती है कि संसद राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का मंच अवश्य बने,किन्तु राष्ट्रीय समाधान का केन्द्र भी बनी रहे। 20 जुलाई से प्रारम्भ हुआ यह मानसून सत्र केवल सरकार के विधायी एजेंडे अथवा विपक्ष के राजनीतिक प्रतिरोध तक सीमित नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता,संसदीय परम्पराओं और संवैधानिक मूल्यों की भी परीक्षा है।सरकार के सामने चुनौती है कि वह अपने बहुमत का उपयोग संवाद, सहमति और संवैधानिक मयार्दाओं के साथ करे,जबकि विपक्ष की जिम्मेदारी है कि वह तथ्य,तर्क और जनहित के आधार पर अपनी भूमिका निभाए।लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति बहुमत नहीं,बल्कि संविधान के प्रति सामूहिक आस्था है।अंततः संसद किसी एक दल,गठबंधन या सरकार की नहीं,बल्कि भारत की जनता की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था है। मतभेद लोकतंत्र का स्वाभाविक गुण हैं,परन्तु संवाद उसका प्राण है।यदि यह मानसून सत्र राजनीतिक संघर्ष के बीच भी राष्ट्रीय सहमति का मार्ग प्रशस्त करता है,तो यह भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का नया अध्याय सिद्ध होगा।यदि संवाद की जगह केवल टकराव ले लेता है,तो इतिहास इसे एक खोए हुए अवसर के रूप में भी दर्ज करेगा। लोकतंत्र की वास्तविक विजय सत्ता की नहीं,बल्कि संसद की गरिमा,संविधान की प्रतिष्ठा और जनविश्वास की विजय होती है।

संपादकीय

भारत पर 100 फीसदी टैरिफ!

राष्ट्रपति ट्रंप ने टैरिफ का खेल फिर शुरू कर दिया है। अमरीकी कांग्रेस (संसद) में एक बिल पेश किया गया है, जिसमें रूस से तेल खरीदने वाले पांच देशों-भारत, चीन, हंगरी, अजरबैजान, स्लोवाकिया-पर 100 फीसदी टैरिफ थोपने का प्रावधान है। संसद में रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स सांसद बिल पारित करने के पक्ष में हैं, क्योंकि वे रूस की अर्थव्यवस्था को अधिक कमजोर करना चाहते हैं। बिल के मसविदे में 500 फीसदी टैरिफ का प्रस्ताव था, जिसे घटा कर 100 फीसदी किया गया है। यदि अमरीकी संसद में यह बिल पारित किया जाता है, तो भारत पर 100 फीसदी टैरिफ के अलावा, 12.5 फीसदी बाल-मजदूरी का टैरिफ और 18 फीसदी सामान्य टैरिफ, कुल मिला कर 130.5 फीसदी टैरिफ लागू हो सकता है। अमरीका ने हमारे तांबा, इस्पात, एल्युमीनियम पर 50 फीसदी टैरिफ और सेमीकंडक्टर तथा ऑटो पार्ट्स पर 25-25 फीसदी टैरिफ थोप रखा है। यदि 100 फीसदी टैरिफ लागू हो गया, तो भारत अमरीका को जो सालाना 6.5 लाख करोड़ रुपए का निर्यात करता है, वह प्रभावित होगा। रूस से कच्चा तेल खरीद कर भारत सालाना 60,000 करोड़ रुपए की बचत करता है, लेकिन टैरिफ लागू होने से 10 गुना अधिक निर्यात पर पलीता लग सकता है। भारत के 2.1 लाख करोड़ रुपए के फार्मा, वस्त्र, हीरे के निर्यात पर भी असर पड़ेगा। आखिर अमरीका के साथ 'माई डियर फ्रेंड' वाली दोस्ती और रणनीतिक साझेदारी का सच यही है कि हम टैरिफ की मार लगातार झेलते रहें? राष्ट्रपति ट्रंप के आदेशानुसार ही तेल, गैस के आयात करें? यदि वह रूसी तेल की खरीद के लिए छूट दे, तो बल्लियां उछलते रहें और रूस से खुल कर खरीददारी करें? ट्रंप होते कौन हैं, क्या दुनिया भर के 'चौधरी' हैं, ठेकेदार हैं, जो भारत जैसे संप्रभु देश और दुनिया के सबसे बड़े बाजार को हांकते रहते हैं? हमारी सरकार और नेतृत्व गुमसुम क्यों रहते हैं? ब्राजील जैसे छोटे देश के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा अमरीका को टका-सा जवाब दे सकते हैं, लेकिन दुनिया की सबसे अधिक आबादी का देश-भारत-अमरीकी राष्ट्रपति के फरमान सुनने और पालन करने को विवश है?

चिंतन-मनन

कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है जीव

ईश्वर क्षेत्रज्ञ या चेतन है, जैसा कि जीव भी है, लेकिन जीव केवल अपने शरीर के प्रति सचेत रहता है, जबकि भगवान समस्त शरीरों के प्रति सचेत रहते हैं। चूंकि वे प्रत्येक जीव के हृदय में वास करने वाले हैं, अतएव वे जीवविशेष की मानसिक गतिशीलता से परिचित रहते हैं। परमात्मा प्रत्येक जीव के हृदय में ईश्वर या नियंता के रूप में वास कर रहे हैं और जैसा जीव चाहता है वैसा करने के लिए जीव को निर्देशित करते रहते हैं। जीव भूल जाता है कि उसे क्या करना है। पहले तो वह किसी एक विधि से कर्म करने का संकल्प करता है, लेकिन फिर वह अपने ही कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है। वह एक शरीर को त्याग कर दूसरा शरीर ग्रहण करता है। चूंकि इस प्रकार वह आत्मा देहांतरण कर जाता है, अत उसे अपने विगत (पूर्वकृत) कर्मो का फल भोगना पड़ता है। ये कार्यकलाप तभी बदल सकते हैं जब जीव सतोगुण में स्थित हो और यह समझे कि उसे कौन से कर्म करने चाहिए। यदि वह ऐसा करता है तो उसके विगत कर्मो के सारे फल बदल जाते हैं। इसीलिए हमने यह कहा है कि पांच तत्वों- ईश्वर, जीव, प्रकृति, काल तथा कर्म में से चार शात हैं, कर्म शात नहीं है। परम चेतन ईश्वर जीव से इस मामले में समान हैं- भगवान तथा जीव दोनों की चेतनाएं दिव्य हैं। यह चेतना पदार्थ के संयोग से उत्पन्न नहीं होती है। ऐसा सोचना भ्रांतिमूलक है। किंतु भगवान की चेतना भौतिकता से प्रभावित नहीं होती है। भगवान कहते हैं- जब वे इस भौतिक वि में अवतरित होते हैं तो उनकी चेतना पर भौतिक प्रभाव नहीं पड़ता। यदि वे इस तरह प्रभावित होते तो दिव्य विषयों के संबंध में उस तरह बोलने के अधिकारी न होते जैसा कि वे भगवद्गीता में बोलते हैं। भौतिक कल्मष-ग्रस्त चेतना से मुक्त हुए बिना कोई दिव्य-जगत के विषय में कुछ नहीं कह सकता। अतः भगवान भौतिक दृष्टि से कलुषित (दूषित) नहीं हैं। भगवद्गीता तो शिक्षा देती है कि हमें इस कलुषित चेतना को शुद्ध करना है।

ज़िंदगी और कूटनीतिः शतरंज सिर्फ खेल नहीं, जीने का सलीका है

दिलीप कुमार पाठक

जब खेल खत्म होता है, तो राजा और प्यादा दोनों एक ही डिब्बे में बंद कर दिए जाते हैं। शतरंज की बिसात का यह सबसे सीधा नियम, असल में हमारी जिंदगी का भी सबसे बड़ा कड़वा सच है। आज दुनिया अंतर्राष्ट्रीय शतरंज दिवस मना रही है लेकिन यकीन मानिए, यह महज किसी एक खेल का जश्न नहीं है। यह तो इंसानी दिमाग के उस अनोखे जादू का सम्मान है, जो लकड़ी के चंद टुकड़ों और 64 खानों के भीतर पूरी कायनात के फैसले तय कर देता है। आज के इस दौर में, जब मोबाइल की रील्स और शॉर्ट्स ने हमारी गहराई से सोचने की आदत को लगभग खत्म कर दिया है, शतरंज की अहमियत पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है। एक मजे की बात देखिए, जिस खेल को आज पूरी दुनिया कूटनीति और दिमाग की सबसे बड़ी कसौटी मानती है, उसकी असली जड़ें हमारे अपने हिंदुस्तान में हैं। सदियों पहले हमारे पुरखे इसे चतुरंग कहते थे। भारत की मिट्टी से निकला यह खेल दुनिया भर का चक्कर लगाकर आज वापस अपने घर में एक नए अवतार में लौट आया है। आज जब हम इस खेल को देखते हैं, तो सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। भारतीय शतरंज इस समय अपने स्वर्णिम दौर में है। विश्वनाथन आनंद ने जिस सिलसिले को शुरू किया था, उसे आज डी. गुकेश, आर. प्रज्ञानंद और अर्जुन एरिगैसी जैसे युवाओं ने दुनिया के नक्शे पर चमका दिया है। इन लड़कों ने दुनिया के बड़े-बड़े धुरंधरों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया है और यह साबित किया है कि भारत सिर्फ शतरंज की शुरूआत करने वाला देश नहीं है, बल्कि इसका बॉस भी है। पर क्या शतरंज को सिर्फ एक खेल के चश्मे से देखना सही होगा? बिल्कुल नहीं। अगर आप इसे थोड़ा ठहरकर समझेंगे, तो यह लाइफ मैनेजमेंट की सबसे बेहतरीन गाइड बुक है। यह खेल हमें सिखाता है कि आप जो भी कदम उठाते हैं, उसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है। बिना सोचे-समझे चली गई एक भी लापरवाही भरी चाल आपको बबार्दी की तरफ ले जा सकती है। यही बात हमारी रोजमर्रा की जिंदगी पर भी फिट बैठती है।

आज की हमारी नई पीढ़ी, जो हर चीज में तुरंत नतीजा चाहती है और बहुत जल्दी धैर्य खो देती है, उसके लिए शतरंज से बड़ा कोई गुरु नहीं हो सकता। यह खेल हमें ठंडे दिमाग से सोचना सिखाता है और यह भी बताता है कि कभी-कभी किसी बड़ी कामयाबी को पाने के लिए अपने छोटे-छोटे स्वार्थों या प्यादों की कुबार्नी भी देनी पड़ती है। सिर्फ जिंदगी ही क्यों, आज की ग्लोबल पॉलिटिक्स और अखबारों के पहले पन्ने की खबरों को समझने के लिए भी शतरंज की बिसात सबसे बढ़िया जरिया है। दुनिया के ताकतवर देशों के बीच जो इस वक्त खींचतान चल रही है, वो और कुछ नहीं बल्कि शह और मात का ही खेल है। वहां भी कमजोरों को मोहरा बनाकर आगे कर दिया जाता है और असली खिलाड़ी पीछे बैठकर रिमोट कंट्रोल चलाते हैं। जो नेता या देश दूर की चाल नहीं भांप पाता, वो इतिहास के पन्नों में हमेशा के लिए मात खा जाता है।

वैश्विक राजनीति की इस बिसात पर आज कोई भी देश पूरी तरह आजाद नहीं है। भारत भी इस समय एक ऐसी मुश्किल स्थिति में है, जहाँ उसे अपनी जरूरतों के लिए रूस से दोस्ती भी निभानी है और व्यापार के लिए अमेरिका के साथ भी तालमेल बिठाना है। दुनिया में जब भी कोई नया तनाव या युद्ध शुरू होता है, तो किसी एक बड़ी ताकत के पीछे आंख मूंदकर चलने के बजाय, अपने देश के फायदे को ध्यान में रखकर कदम उठाना ही असली कूटनीति है। तनाव के इस दौर के बीच, आज कंप्यूटर और एआई खेल के मैदान पर इंसानों से कहीं ज्यादा तेजी से चालें सोच लेते हैं। लेकिन इसके बावजूद शतरंज का असली मानवीय रोमांच कभी कम नहीं हो सकता। कोई भी सॉफ्टवेयर उस इंसानी दिमाग की जगह नहीं ले सकता, जो हार के डर और भारी दबाव के बीच भी अपनी सूझबूझ से हारी हुई बाजी पलट देता है। इस अंतर्राष्ट्रीय शतरंज दिवस पर हमें अपनी नई पीढ़ी को इस खेल से जोड़ने की जरूरत है, ताकि बच्चे मोबाइल स्क्रीन की दुनिया से बाहर निकलकर असल जिंदगी की उलझनों को धैर्य से सुलझाना सीखें। आखिर जिंदगी भी तो चौंसठ खानों का एक खूबसूरत खेल है, जहाँ हमारा हर एक फैसला आगे का रास्ता तय करता है।

(लेखक पत्रकार हैं)

विदेशी बाजारों में खारिज होते भारतीय उत्पाद!

सोनम लववंशी

किसी भी देश की आर्थिक ताकत उसके उत्पादन से नहीं, बल्कि इस बात से तय होती है कि दुनिया उसके उत्पादों पर कितना भरोसा करती है। निर्यात केवल विदेशी मुद्रा अर्जित करने का माध्यम नहीं होता, वह किसी राष्ट्र की गुणवत्ता, विश्वसनीयता और वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रमाण भी होता है। इसलिए जब विदेशी बाजार किसी देश के उत्पादों को गुणवत्ता संबंधी खामियों के कारण लौटाने लगें या उन पर प्रतिबंध लगाने लगें, तो यह व्यापारिक नुकसान ही नहीं , देश की साख पर लगा गंभीर धब्बा भी होता है। दुर्भाग्य से आज भारत इसी चुनौती से जूझ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय मसाले, आम, मिर्च और चावल जैसे उत्पाद लगातार अंतरराष्ट्रीय जांच और प्रतिबंधों का सामना कर रहे हैं। हाल ही में चीन ने भारत से भेजी गई मिर्च की खेप को यह कहते हुए रोक दिया कि उसमें खतरनाक कीटनाशक मेथामिडोफॉस की मात्रा तय सीमा से अधिक थी। इससे पहले चीन गैर-बासमती चावल की लगभग 70 खेप भी लौटा चुका है। दूसरी ओर जापान ने भारतीय आमों के आयात पर रोक लगा दी क्योंकि निरीक्षण के दौरान फ्यूमिगेशन प्रणाली में गंभीर कमियां मिलीं। इतना ही नहीं हांगकांग ने लोकप्रिय भारतीय मसालों में एथिलीन ऑक्साइड की मौजूदगी पर सवाल उठाए, जिसके बाद सिंगापुर सहित कई देशों ने भारतीय मसालों पर प्रतिबंध, रिकॉल अथवा जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी। ये घटनाएं अलग-अलग नहीं बल्कि एक खतरनाक प्रवृत्ति का संकेत हैं।

सबसे बड़ी चिंता यह है कि भारत की वैश्विक पहचान गुणवत्ता से नहीं, गुणवत्ता पर उठ रहे सवालों से बनने लगी है। दुनिया के सबसे बड़े कृषि उत्पादक देशों में शामिल होने के बावजूद वैश्विक कृषि व्यापार में भारत की हिस्सेदारी आज भी तीन प्रतिशत से कम है। वर्ष 2024-25 में कृषि निर्यात लगभग 51 अरब डॉलर तक जरूर पहुंचा, फिर भी हमारी क्षमता और संसाधनों की तुलना में यह बेहद सीमित है। ऐसे समय में, जब भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का प्रमुख केंद्र बनने का दावा कर रहा है, गुणवत्ता संबंधी ऐसी घटनाएं हमारे प्रयासों को ही कमजोर कर रही हैं। जापान का फैसला विशेष रूप से इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वह दुनिया के सबसे सख्त और भरोसेमंद आयातक देशों में गिना जाता है। वर्ष 1986 में भी फ्रूट-फ्लाई की आशंका के कारण उसने भारतीय आमों पर प्रतिबंध लगाया था। लगभग बीस वर्षों की मेहनत, बेहतर क्वारंटीन व्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय मानकों के पालन के बाद 2006 में भारतीय आमों को फिर जापानी बाजार मिला। इस वर्ष निरीक्षण में दोबारा खामियां मिलने के बाद वही बाजार भारत के लिए बंद हो गया। यह केवल एक व्यापारिक निर्णय नहीं, हमारी गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली पर अविश्वास का संकेत है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में सबसे मूल्यवान चीज उत्पाद नहीं, भरोसा होता है। एक बार यदि कोई देश भारतीय उत्पादों पर संदेह करने लगे, तो उसका असर दूसरे बाजारों पर भी पड़ता है।

जापान द्वारा गुणवत्ता पर सवाल उठाने के बाद यूरोपीय संघ, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देश भी भारतीय कृषि उत्पादों की जांच और कड़ी कर देते हैं। परिणामस्वरूप हमारे प्रतिस्पर्धी देश पाकिस्तान, वियतनाम, थाईलैंड और ताइवान उन बाजारों में तेजी से अपनी जगह बना लेते हैं। वैश्विक व्यापार में खोया हुआ बाजार वापस पाना वर्षों की मेहनत मांगता है। इसका सबसे बड़ा नुकसान किसानों को उठाना पड़ता है। महाराष्ट्र के अल्फांसो उत्पादक हों या गुजरात के केसर आम उगाने वाले किसान, वे पहले ही मौसम की मार झेल रहे हैं। ऐसे समय में निर्यात रुकने से प्रीमियम गुणवत्ता वाले उत्पाद घरेलू बाजार में औने-पौने दाम पर बिकते हैं और किसानों की आय पर सीधा प्रहार होता है। विडंबना यह है कि दुनिया का सबसे बड़ा आम उत्पादक देश होने के बावजूद भारत अपनी कुल आम उपज का लगभग एक प्रतिशत ही निर्यात कर पाता है। समस्या उत्पादन की नहीं, अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप परीक्षण, प्रसंस्करण, कोल्ड-चेन और गुणवत्ता नियंत्रण की है।

चिंता केवल कृषि उत्पादों तक सीमित नहीं है। नीति आयोग के हालिया आंकड़े बताते हैं कि जनवरी-मार्च 2026 की तिमाही में भारत का कुल व्यापार बढ़ा जरूर, जबकि वस्तुओं का निर्यात घटा और आयात उससे कहीं अधिक तेजी से बढ़ा। व्यापार घाटे को सेवा क्षेत्र ने संभाल लिया। यदि विनिर्मित और कृषि उत्पाद भी वैश्विक बाजार में भरोसा खोने लगेंगे, तो तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य और कठिन हो जाएगा। सवाल यह है कि जिन खामियों का पता विदेशी प्रयोगशालाएं लगा रही हैं, वे भारत से उत्पाद भेजने से पहले हमारी जांच प्रणाली को क्यों नहीं दिखाई देतीं? यदि विदेशी एजेंसियां ही हमारे उत्पादों की गुणवत्ता का प्रमाणपत्र देंगी, तो मेड इन इंडिया की विश्वसनीयता कभी मजबूत नहीं हो सकेगी। सरकार ने जांच के निर्देश दिए, स्पाइस बोर्ड ने मानक कड़े किए और कुछ राज्यों ने कार्रवाई भी की। यह समस्या छिटपुट कदमों से हल नहीं होगी। खेत से लेकर प्रयोगशाला, प्रसंस्करण केंद्र, पैकेजिंग और निर्यात तक पूरी व्यवस्था को जीरो एरर की संस्कृति अपनानी होगी। भारत आज दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का सपना देख रहा है। यह सपना केवल उत्पादन बढ़ाने से पूरा नहीं होगा। वैश्विक बाजार सस्ता माल नहीं, भरोसेमंद माल खरीदता है। अब समय आ गया है कि गुणवत्ता को औपचारिकता नहीं, राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए। दुनिया में सबसे महंगा बिकने वाला उत्पाद मसाला, आम या चावल नहीं, विश्वसनीयता होती है। यदि हम उसे खो देंगे, तो विदेशी बाजार ही नहीं, भारत की आर्थिक महत्वाकांक्षाएं भी धीरे-धीरे हमारे हाथों से फिसलती चली जाएंगी।

(स्वतंत्र लेखिका एवं शोधार्थी)

(यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

ऑक्सीजन देने वाले वृक्ष के आध्यात्मिक रहस्य

हर धर्म में पेड़, पौधे और वृक्षों का बहुत महत्व है, परंतु इसको कोई महत्व नहीं देता है। जिस देजी से वृक्ष कटते जा रहे हैं उससे धरती का पर्यावरण ही नहीं बदल रहा है बल्कि जीवन में संकट में हो चला है। धरती पर ऑक्सीजन का निर्माण करने में वृक्षों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वृक्ष नहीं होंगे तो एक दिन वायु भी नहीं होगी और वायु नहीं होगी तो फिर मानव भी नहीं होगा। आओ जानते हैं वृक्ष के 20 रहस्य।

- शास्त्रों के अनुसार जो व्यक्ति एक पीपल, एक नीम, दस इमली, तीन कैथ, तीन बेल, तीन आंवला और पांच आम के वृक्ष लगाता है, वह पुण्यात्मा होता है और कभी नरक के दर्शन नहीं करता। इसी तरह धर्म शास्त्रों में सभी तरह से वृक्ष सहित प्रकृति के सभी तत्वों के महत्व की विवेचना की गई है।
- भारतीय धर्म मानता हैं कि प्रकृति ही ईश्वर की पहली प्रतिनिधि है। प्रकृति के सारे तत्व ईश्वर के होने की सूचना देते हैं। इसीलिए प्रकृति को देवता, भगवान और पितृ माना गया है। यहां प्रत्येक देवी और देवता से एक वृक्ष, एक पशु या एक पक्षी जुड़ा हुआ है। यहां तक की ग्रह और नक्षत्र भी जुड़े हुए हैं। धर्म मानता है कि दूरस्थ स्थिति ध्रुव तारा भी हमारे जीवन को संचालित कर रहा है। फिर हिमालय के ग्लेशियर और चंद्रमा के तो कहने ही क्या। संपूर्ण ब्रह्मांड एक दूसरे से जुड़ा हुआ है। एक कड़ी टूटी तो सबकुछ बिखर जाएगा। यह ब्रह्मांड उल्टे वृक्ष की भांति है।
- धर्मानुसार पांच तरह के यज्ञ होते हैं जिनमें से दो यज्ञ– देवयज्ञ और वैश्वदेवयज्ञ प्रकृति को समर्पित है। दोनों ही तरह के यज्ञों का वैज्ञानिक और धार्मिक महत्व है। देवयज्ञ से जलवायु और पर्यावरण में सुधार होता है तो वैश्वदेवयज्ञ प्रकृति और प्राणियों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का तरीका है। सभी प्राणियों तथा वृक्षों के प्रति करुणा और कर्त्तव्य समझना उन्हें अन्न–जल देना ही भूतयज्ञ या वैश्वदेव यज्ञ कहलाता है।
- हिन्दू धर्मानुसार वृक्ष में भी आत्मा होती है। वृक्ष संवेदनशील होते हैं और उनके शक्तिशाली भावों के माध्यम से आपका जीवन बदल सकता है। प्रत्येक वृक्ष का गहराई से विश्लेषण करके हमारे ऋषियों ने यह जाना की पीपल और वट वृक्ष सभी वृक्षों में कुछ खास और अलग है। इनके धरती पर होने से ही धरती के पर्यावरण की रक्षा होती है। यही सब जानकर ही उन्होंने उक्त वृक्षों के संवरक्षण और इससे मनुष्य के द्वारा लाभ प्राप्ति के हेतु कुछ विधान बनाए गए उन्ही में से दो है पूजा और परिक्रमा।
- स्कन्द पुराण में वर्णित पीपल के वृक्ष में सभी देवताओं का वास है। पीपल की छाया में ऑक्सीजन से भरपूर आरोग्यवर्धक वातावरण निर्मित होता है। इस वातावरण से वात, पित्त और कफ का शमन–नियमन होता है तथा तीनों स्थितियों का संतुलन भी बना रहता है। इससे मानसिक शांति भी प्राप्त होती है। पीपल की पूजा का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। इससे मानसिक शांति भी प्राप्त होती है।
- अथर्ववेद के उपवेद आयुर्वेद में पीपल के औषधीय गुणों का अनेक असाध्य रोगों में उपयोग वर्णित है। औषधीय गुणों के कारण पीपल के वृक्ष को 'कल्पवृक्ष' की संज्ञा दी गई है। पीपल के वृक्ष में जड़ से लेकर पत्तियों तक तैंतीस कोटि देवताओं का वास होता है और इसलिए पीपल का वृक्ष प्रात: पूजनीय माना गया है। उक्त वृक्ष में जल अर्पण करने से रोग और शोक मिट जाते हैं। पीपल की पूजा का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। इसके कई पुरातात्विक प्रमाण भी है। गीता में भगवान कृष्ण कहते हैं, 'हे पार्थ वृक्षों में मैं पीपल हूं।' अश्वत्थोपनयन व्रत के संदर्भ में महर्षि शौनक कहते हैं कि मंगल मुहूर्त में पीपल वृक्ष की नित्य तीन बार परिक्रमा करने और जल चढ़ाने पर दरिद्रता, दु:ख और दुर्भाग्य का विनाश होता है। पीपल के दर्शन–पूजन से दीर्घायु तथा समृद्धि प्राप्त होती है। अश्वत्थ व्रत अनुष्ठान से कन्या अखण्ड सौभाग्य पाती है। सड़क के किनारे पीपल का वृक्ष लगाने, तथा उसका पालन करने वाला देवलोक प्राप्त करता है। पीपल के वृक्षों का रोपण करने वाला इस लोक में तो कीर्ति प्राप्त करता है, मृत्युपरांत भी मोक्ष को प्राप्त होता है। इसमें संदेह नहीं है।
- बरगद को वटवृक्ष कहा जाता है। हिंदू धर्म में वट सावत्री नामक एक त्योहार पूरी तरह से वट को ही समर्पित है। हिंदू धर्मानुसार चार वटवृक्षों का महत्व अधिक है। अक्षयवट, पंचवट, वंशीवट, गयावट और सिद्धवट के बारे में कहा जाता है कि इनकी प्राचीनता के बारे में कोई नहीं जानता। संसार में उक्त चार वटों को पवित्र वट की श्रेणी में रखा गया है। प्रयाग में अक्षयवट, नासिक में पंचवट, वृंदावन में वंशीवट, गया में गयावट और उज्जैन में पवित्र सिद्धवट है।
- **आम है खास** : हिंदू धर्म में जब भी कोई माँगलिक कार्य होते हैं तो घर या पूजा स्थल के द्वार व दीवारों पर आम के पत्तों की लड़ लगाकर मांगलिक उत्सव के माहौल को धार्मिक और वातावरण को शुद्ध किया जाता है। अक्सर धार्मिक पांडाल और मंडपों में सजावट के लिए आम के पत्तों का इस्तेमाल किया जाता है। 5 या अधिक आम के वृक्षों का रोपण पालन करने वाला अनेक दुर्लभ यज्ञों के फल को प्राप्त कर सकता है।
- **भविष्यवक्ता शमी** : विक्रमादित्य के समय में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य वराहमिहिर ने अपने बृहतसंहिता' नामक ग्रंथ के 'कुसुमलता' नाम के अध्याय में वनस्पति शास्त्र और कृषि उपज के संदर्भ में जो जानकारी प्रदान की है उसमें शमीवृक्ष अर्थात खिजड़े का उल्लेख मिलता है। वराहमिहिर के अनुसार जिस साल शमीवृक्ष ज्यादा फूलता–फलता है उस साल सूखे की स्थिति का निर्माण होता है। विजयादशमी के दिन इसकी पूजा करने का एक तात्पर्य यह भी है कि यह वृक्ष आने वाली कृषि विपत्ती का पहले से संकेत दे देता है जिससे किसान पहले से भी ज्यादा पुरुषार्थ करके आनेवाली विपत्ती से निजात पा सकता है।
- जो मनुष्य अपने घर में फलदार पेड़, पौधे आदि लगाता है और उसकी भली भांति देखभाल करता है, उसे आरोग्य की प्राप्ति होती है।
- जो मनुष्य 5 वट वृक्षों का रोपण और उसका पालन किसी चौराहे या मार्ग में करता है तो, उसकी सात पीढ़ियां तर जाती है। जो मनुष्य नीम के वृक्ष जितने अधिक लगाता है उतनी अधिक उसकी पीढ़ियां तर जाती है.
- वृक्षों के बाग या वाटिका लगाने वाला प्रसिद्धि प्राप्त करता है।
- जो भी व्यक्ति बिल्व वृक्ष का रोपण शिव मंदिर में करता है वह अकाल मृत्यु से मुक्त हो जाता है।
- घर में तुलसी, आंवला, निर्गुण्डी, अशोक, आदि के वृक्ष शुभ फलदायी होते हैं। शीशम के 11 वृक्ष को सड़क पर लगाने से यह लोक और परलोक दोनों ही संवर जाते हैं।
- कनक चम्पा के 2 वृक्ष लगाने वाले का सर्वार्थ कल्याण हो जाता है।
- 5 या अधिक महुआ के वृक्षों का रोपण और पालन करने वाला धन प्राप्त करता है। तथा उसे अनुरूप यज्ञों का फल भी प्राप्त होने लगता है।
- जो भी मनुष्य सड़क के किनारे 2 या 2 से अधिक मौलश्री के वृक्षों का रोपण एवं पालन करता है। वह एक सौ यज्ञों को करने का पुण्य प्राप्त करता है।
- जो भी मनुष्य 5 या अधिक अशोक वृक्ष का रोपण और पालन करता है, उसके घर परिवार में कभी भी अकाल मृत्यु नहीं होती है। उसके यहां अचानक कोई बड़ी मुसीबत खड़ी नहीं होती तथा उसे आगामी जन्म में पुण्यात्मा होने का सौभाग्य प्राप्त होता है।
- जो मनुष्य 5 पलास के वृक्षों का रोपण और पालन करते हैं। उसे 10 गौवों के दान के समतुल्य पुण्य लाभ मिलता है। पलास के वृक्षों को सड़क के किनारे अथवा किसी बड़े क्षेत्र में रोपना चाहिए। इसका रोपण घर में नहीं करना चाहिए।
- जो भी मनुष्य 2 या अधिक हारसिंगार (पारिजात) के पौधों का रोपण श्री हनुमानजी के मंदिर में अथवा नदी के किनारे या किसी भी सामाजिक स्थल पर करता है तो उसे एक लक्ष्य तोला स्वर्णदान के समतुल्य पुण्य प्राप्त होता है तथा उसे जीवन भर श्री हनुमानजी की कृपा मिलती रहती है।
- जो भी व्यक्ति सोमवार के दिन, प्रदोष वाले दिन, शिवरात्री को, श्रावणमास में किसी भी दिन अथवा शिवयोग वाले दिन 5 या अधिक बिल्व वृक्षों का रोपण और उसका नियमित पालन भी करता है तो उसे शिवलोक प्राप्त होता है। यदि इन वृक्षों को कोई भी मनुष्य शिव मंदिर में या मंदिर के समीप रोपण करता है तो निश्चय ही वह कोटि कोटि पुण्य का भागीदार तो होता ही है और उसे व उसके परिवार पर भगवान शिव की असीम अनुकम्पा भी प्राप्त होती है।

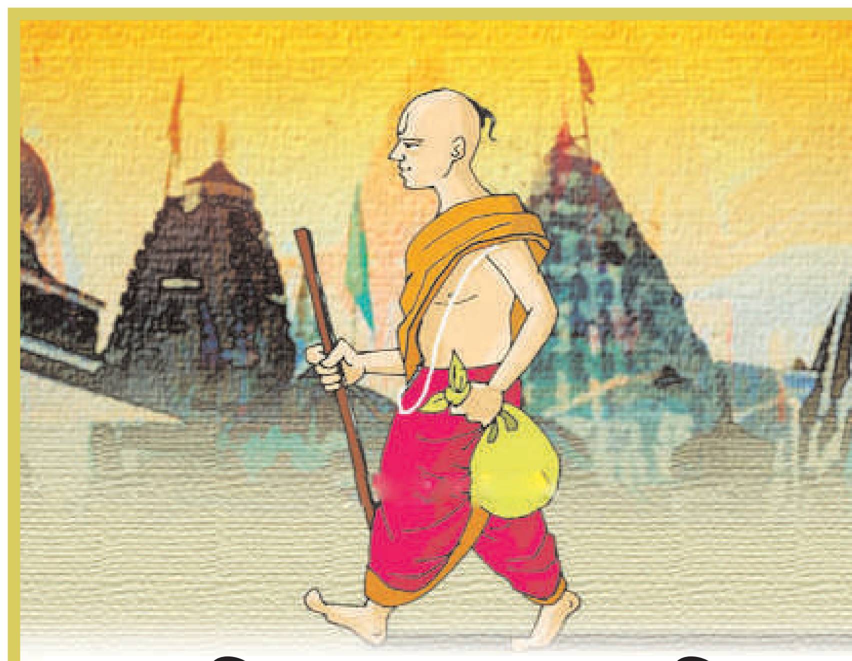

परिक्रमा या प्रदक्षिणा के 10 प्रकार

सभी ग्रह सूर्य की परिक्रमा कर रहे हैं और सभी ग्रहों को साथ लेकर यह सूर्य महासूर्य की परिक्रमा कर रहा है। संपूर्ण ब्रह्माण में चक्र और परिक्रमा का बड़ा महत्व है। भारतीय धर्मो (हिन्दू, जैन, बौद्ध आदि) में पवित्र स्थलों के चारो ओर श्रद्धाभाव से चलना 'परिक्रमा' या 'प्रदक्षिणा' कहलाता है। आओ जानते हैं कि किन किन की परिक्रमा की जाती है या कितने प्रकार की परिक्रमा की जाती है। ये हैं प्रमुख 10 परिक्रमाएं -

देवमंदिर परिक्रमा

जैसे देव मंदिर में जगन्नाथ पुरी परिक्रमा, रामेश्वरम, तिरुवन्नमल, तिरुवनन्तपुरम, शक्तिपीठ, ज्योतिर्लिंग आदि।

देव मूर्ति परिक्रमा

देवमूर्ति में शिव, दुर्गा, गणेश, विष्णु, हनुमान, कार्तिकेय आदि देवमूर्तियों की परिक्रमा करना।

नदी परिक्रमा

जैसे नर्मदा, सिंधु, सरस्वती, गंगा, यमुना, सरयु, क्षिप्रा, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी परिक्रमा आदि।

पर्वत परिक्रमा

जैसे गोवर्धन परिक्रमा, गिरनार, कामदगिरि, मेरू पर्वत, हिमालय, नीलगिरी, तिरुमलै परिक्रमा आदि।

वृक्ष परिक्रमा

जैसे पीपल और बरगद की परिक्रमा करना।

तीर्थ परिक्रमा

जैसे चौरासी कोस परिक्रमा, अयोध्या, उज्जैन या प्रयाग पंचकोशी यात्रा, राजिम परिक्रमा, सप्तपुरी आदि।

चार धाम परिक्रमा

जैसे छोटा चार धाम (केदारनाथ, बद्रीनाथ, यमुनोत्री, गंगोत्री) परिक्रमा या बड़ा चार धाम (बद्रीनाथ, द्वारिका, जगन्नाथ और रामेश्वरम) यात्रा।

भरत खण्ड परिक्रमा

अर्थात संपूर्ण भारत की परिक्रमा करना। परिवाज्रक संत और साधु ये यात्राएं करते हैं। इस यात्रा के पहले क्रम में सिंधु की यात्रा, दूसरे में गंगा की यात्रा, तीसरे में ब्रह्मपुत्र की यात्रा, चौथे में नर्मदा, पांचवें में महानदी, छठे में गोदावरी, सातवें में कावेरी, आठवें में कृष्णा और अंत में कन्याकुमारी में इस यात्रा का अंत होता है। हालांकि प्रत्येक साधु समाज में इस यात्रा का अलग–अलग विधान और नियम है।

विवाह परिक्रमा

मनु स्मृति में विवाह के समक्ष वधू को अग्नि के चारों ओर तीन बार प्रदक्षिणा करने का विधान बतलाया गया है जबकि दोनों मिलकर 7 बार प्रदक्षिणा करते हैं तो विवाह संपन्न माना जाता है।

माता पिता की परिक्रमा

भगवान गणेशजी ने अपने माता पिता की परिक्रमा की थी जिससे पता चलता है कि इस परिक्रमा का क्या महत्व है।

शव परिक्रमा

जब कोई किसी का अपना देह छोड़ देता है कि उसकी देह की परिक्रमा की जाती है। दाह संस्कार करते वक्त और करने के बाद मटकी से जल अर्पित करते वक्त भी परिक्रमा की जाती है।

धरती की परिक्रमा

एक बार देवताओं के बीच में धरती परिक्रमा की प्रतियोगिता हुई थी, जिसमें जीते तो भगवान कार्तिकेय थे परंतु गणेशजी ने माता पिता की परिक्रमा करके यह प्रतियोगिता जीत ली थी।

ब्रह्मांड की परिक्रमा

यह परिक्रमा नारद जी करते रहते हैं।

किस देव की कितनी बार परिक्रमा?

- भगवान शिव की आधी परिक्रमा की जाती है।
- माता दुर्गा की एक परिक्रमा की जाती है।
- हनुमानजी और गणेशजी की तीन परिक्रमा की जाती है।
- भगवान विष्णु की चार परिक्रमा की जाती है।
- सूर्यदेव की चार परिक्रमा की जाती है।
- पीपल वृक्ष की 108 परिक्रमाएं करना चाहिए।
- जिन देवताओं की प्रदक्षिणा का विधान नहीं प्राप्त होता है, उनकी तीन प्रदक्षिणा की जा सकती है।

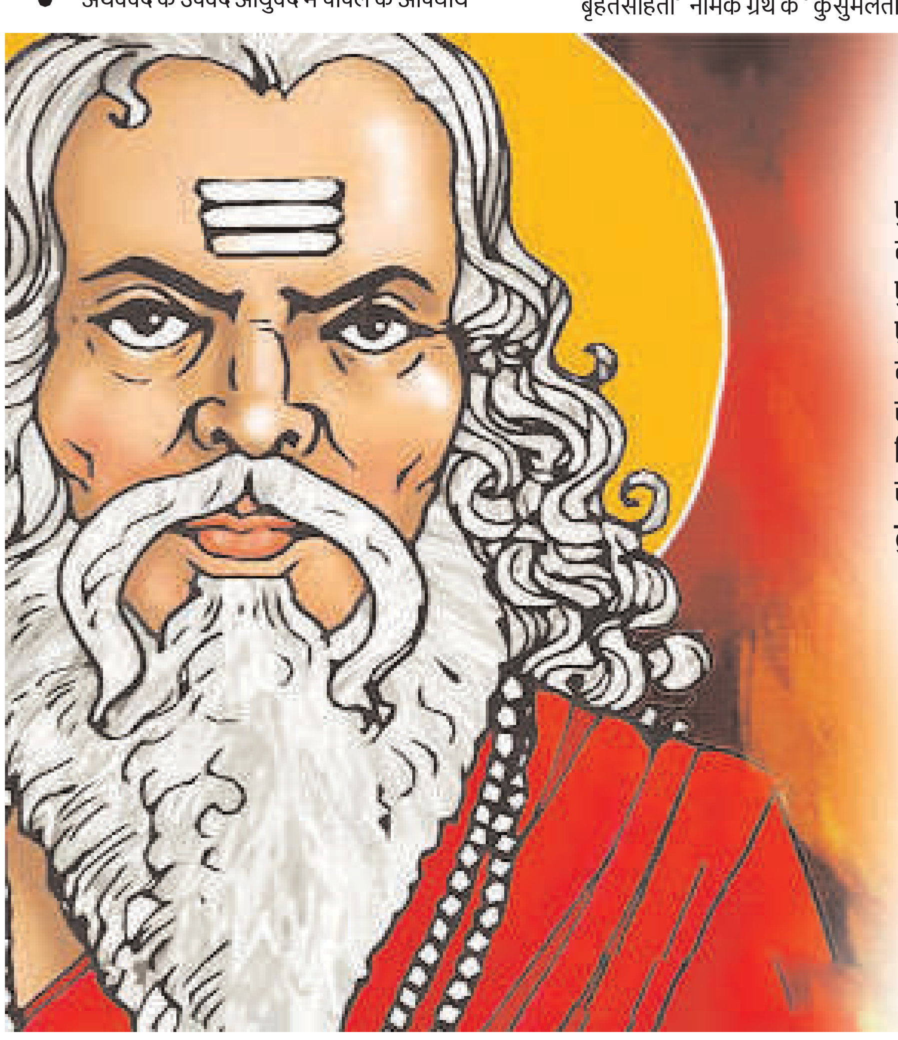

ब्रह्मा के पुत्र क्रतु ऋषि के थे 60 हजार पुत्र

पुराणों अनुसार ब्रह्मा जी के मानस पुत्र- मन से मारिचि, नेत्र से अत्रि, मुख से अंगिरस, कान से पुलस्त्य, नाभि से पुलह, हाथ से कृतु, त्वचा से भृगु, प्राण से वशिष्ठ, अंगुष्ठ से दक्ष, छाया से कंदर्भ, गोद से नारद, इच्छा से सनक, सनन्दन, सनातन, सनतकुमार, शरीर से स्वायंभुव मनु, ध्यान से चित्रगुप्त आदि। आओ जानते हैं ऋषि अंगिरा के बारे मं संक्षिप्त में जानकारी।

ब्रह्मा के पुत्र कृतु ऋषि :

- कृतु या क्रतु का जन्म ब्रह्माजी के हाथ से हुआ था। क्रतु 16 प्रजापतियों में से एक हैं। इनकी गणना सप्तर्षियों में की जाती है।
- ब्रह्मा की आज्ञा से उन्होंने दक्ष प्रजापति और क्रिया की पुत्री सन्नति से विवाह किया था। कहते हैं कि क्रतु और सन्नति से 'बालिखिल्य' नाम के 60 हजार पुत्र हुए। इन बालखिल्यों का आकार अंगूठे के बराबर माना जाता है। यह सभी पुत्र भगवान सूर्य के उपासक थे। सूर्य के रथ के आगे अपना मुख सूर्य की ओर किये हुए बालखिल्य चलते हैं और उनकी स्तुति करते हैं। इन ब्रह्मर्षियों की तपस्या शक्ति सूर्यदेव को प्राप्त होती रहती है।
- पुराणों अनुसार एक बार महर्षि मरीचि के पुत्र महर्षि कश्यप एक यज्ञ कर रहे थे। उन्होंने अपने तात महर्षि क्रतु से निवेदन किया कि वे उस यज्ञ के लिए ब्रह्मा का स्थान ग्रहण करें। अपने भतीजे के निवेदन पर महर्षि क्रतु अपने 60 हजार पुत्रों के साथ महर्षि कश्यप के यज्ञ में पधारे। उसी यज्ञ में देवराज इंद्र और महर्षि क्रतु के पुत्र बालखिल्यों में विवाद हो चला तब अपने पिता और महर्षि कश्यप द्वारा बीच–बचाव करने पर बालखिल्यों ने ही पक्षीराज गरुड़ को महर्षि कश्यप को पुत्र रूप में प्रदान किया था।
- पुराणों में महर्षि क्रतु की दो बहनों– पुण्य एवं सत्यवती का भी वर्णन मिलता है। महर्षि क्रतु और सन्नति की एक पुत्री का नाम भी पुण्य था। इसके साथ ही पर्वासा नाम की एक पुत्रवधु का भी वर्णन मिलता है।
- सर्वप्रथम वेद एक रूप में ही ब्रह्मा द्वारा उत्पन्न किए गए थे। बाद में महर्षि क्रतु ने ही वेदों के चार भाग करने में उनकी सहायता की थी। आगे चलकर वराहकल्प में क्रतु ऋषि ही महाभारत काल में वेद व्यास ऋषि हुए।
- मनु के पुत्र उत्तानपाद और उत्तानपाद के पुत्र ध्रुव से महर्षि क्रतु अत्यंत प्रेम करते थे। जब अपने पिता से उपेक्षित होकर ध्रुव ने परमलोक की प्राप्ति करने की सोची तो सबसे पहे वो महर्षि क्रतु के पास गया। क्रतु ने ध्रुव को भगवान विष्णु की तपस्या करने की सलाह दी। बाद में देवर्षि नारद द्वारा अनुमोदन करने पर ध्रुव ने विष्णुजी की घोर तपस्या की और उनकी कृपा से परमलोक को प्राप्त हुआ। क्रतु ऋषि नाम का एक तारा है जो ध्रुव की परिक्रमा करने में आज भी लीन है। ध्रुव के प्रति अपने प्रेम के कारण ही महर्षि क्रतु उसके समीप चले गए।
- पुराणों में महर्षि क्रतु को महर्षि अगस्त्य के वातापि भक्षण और समुद्र को पी जाने के कारण उनकी प्रशंसा करते हुए भी बताया गया है। कुछ ग्रंथों में इस बात का वर्णन है कि महर्षि क्रतु ने महर्षि अगस्त्य के पुत्र ईधवाहा को भी गोद लिया था। इसके अलावा महाराज भरत ने महर्षि क्रतु से देवताओं के चरित्र के विषय में प्रश्न किया था। तब महर्षि क्रतु ने उनकी इस शंका का समाधान किया था।
- क्रतु नाम से एक अग्नि का नाम भी है और श्रीकृष्ण और जाम्बवती के कई पुत्रों में से एक का नाम क्रतु था। प्लक्षद्वीप की एक नदी का नाम भी क्रतु है। क्रतु का एक अर्थ 'आषाढ़' भी होता है और वर्ष के इसी मास में अधिकांश यज्ञ करने का प्रावधान शास्त्रों में बताया गया है।
- मैत्रेय संहिता के अनुसार एक बार यज्ञ से प्राप्त पशुओं का देवाताओं ने विभाजन कर दिया और उन्होंने रुद्र को उस विभाजन के हिस्से में शामिल नहीं किया तब रुद्रदेव क्रोधित हो गए और उन्होंने देवताओं पर आक्रमण कर दिया। इस आक्रमण में पूषणा के दन्त, भग के नेत्र और क्रतु के अंडकोषों को नष्ट हो गए। बाद में ब्रह्माजी ने उनकी स्तुति करके उन्हें शांत किया और उन्हें 'पशुपति' की उपाधि दी। फिर रुद्रदेव ने सभी को पहले जैसा कर दिया।

खराब मौसम का असर, वैष्णो देवी यात्रा 19 जुलाई से स्थगित

-जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश और भूस्खलन की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में लगातार खराब मौसम और भारी बारिश के मद्देनजर श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने यात्रा को 19 जुलाई से अस्थाई रूप से स्थगित कर दिया है। यह निर्णय प्रशासन द्वारा जारी खराब मौसम की चेतावनी और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। बोर्ड ने बताया कि जम्मू-कश्मीर में जारी मूसलाधार बारिश के कारण रियासी जिले के कटरा स्थित त्रिकुटा पहाड़ियों पर भूस्खलन का खतरा काफी बढ़ गया है, जिससे मंदिर मार्ग असुरक्षित हो गया है। अधिकारियों के अनुसार, भारी बारिश के बाद मंदिर की ओर जाने वाले नए मार्ग पर हिमकोटी के पास भूस्खलन हुआ, जिसके बाद बोर्ड ने तत्काल मलबे को हटाने के लिए कर्मचारी और मशीनें तैनात की हैं। इससे पहले 8 जुलाई को भी मंदिर मार्ग भूस्खलन से प्रभावित हुआ था, जिसके चलते बैटरी कार सेवा को अस्थाई रूप से निलंबित करना पड़ा था। हालांकि, उस समय सैकड़ों तीर्थयात्रियों ने भूस्खलन के बावजूद अपनी पैदल यात्रा जारी रखी थी, लेकिन वर्तमान गंभीर स्थिति को देखते हुए पूरी यात्रा को रोकने का फैसला किया गया है।

जैसलमेर में भीषण सड़क हादसा : कार-बाइक जलकर खाक, एक युवक की दर्दनाक मौत

जैसलमेर (एजेंसी)। राजस्थान के जैसलमेर जिले के मोहनगढ़ थाना क्षेत्र में शनिवार रात एक भीषण सड़क हादसे में कार और मोटरसाइकिल की आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस दर्दनाक घटना में बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि टक्कर के बाद दोनों वाहनों में भीषण आग लग गई, जो पूरी तरह जलकर खाक हो गए। गनीमत रही कि कार में सवार एक ज्वेलर समेत तीन लोग चमत्कारिक रूप से बच निकलने में कामयाब रहे। पुलिस के अनुसार, यह हादसा जैसलमेर-नेहड़ाई रोड पर बोहा और नेहड़ाई गांव के बीच रात करीब 9 बजे हुआ। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार हवा में लगभग 20 फीट उछलकर दूर जा गिरा। टक्कर के तुरंत बाद मोटरसाइकिल कार के अगले हिस्से में फंस गई, जिससे भीषण शॉर्ट सर्किट हुआ और दोनों वाहनों में आग लग गई। आग इतनी तेज़ थी कि दोनों वाहन कुछ ही मिनटों में कबाड़ में तब्दील हो गए। हादसे के बाद आग से कार के दरवाजे ऑटोमैटिक लॉक हो गए, जिससे कार सवार यात्रियों में हड़कंप मच गया। हालांकि, पीछे का एक दरवाजा खुलने से ज्वेलर समेत तीनों लोग समय रहते कार से बाहर निकलकर अपनी जान बचाने में सफल रहे। बताया जा रहा है कि वे गहने देकर वापस लौट रहे थे। पुलिस ने मृत युवक के मोबाइल से परिजनों को सूचना दी। मोहनगढ़ पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को अस्पताल पहुंचाया, क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात सुचारु करवाया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

धोखाधड़ी मामले में बैंक ऑफ इंडिया का कर्मी गिरफ्तार

पटना (एजेंसी)। बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने वर्ष 2016 की नोटबंदी के दौरान हुए कथित वित्तीय अनियमितता के एक बड़े मामले में कार्रवाई की है। ईओयू ने कोडरमा जिले के डोमचांच स्थित बैंक ऑफ इंडिया की फुलवरिया शाखा में कार्यरत बैंककर्मी अरविंद कुमार को गिरफ्तार किया है। उस पर गया शाखा में पदस्थापित रहते हुए अन्य लोगों के साथ मिलकर ग्राहक के बैंक खाते का दुरुपयोग कर लाखों रुपये के संदिग्ध लेनदेन को अंजाम देने का आरोप है। ईओयू के अनुसार, अरविंद कुमार नोटबंदी के समय बैंक ऑफ इंडिया की गया शाखा में कार्यरत था। आरोप है कि उसने वादी राजेश कुमार के बैंक खाते का कथित तौर पर उसकी जानकारी और सहमति के बिना उपयोग कर लाखों रुपये का संदिग्ध लेन-देन किया था। राजेश कुमार की शिकायत पर गया में प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिसे बाद में जांच के लिए आर्थिक अपराध इकाई को सौंप दिया गया। विस्तृत जांच और बैंकिंग दस्तावेजों के परीक्षण के बाद ईओयू को अरविंद कुमार की संलिप्तता के पर्याप्त साक्ष्य मिले। इसके बाद निगरानी अदालत से गिरफ्तारी वारंट प्राप्त कर लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी की तलाश की जा रही थी। ईओयू की टीम ने कोडरमा पहुंचकर उसे गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों का मानना है कि इस कार्रवाई से नोटबंदी के दौरान हुए इस कथित वित्तीय नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों और लेनदेन के व्यापक दायरे का खुलासा हो सकता है। आरोपी से गहन पूछताछ जारी है।

निर्वस्त्र होकर मंदिर पहुंची, मूर्ति लेकर तालाब में कूदी महिला इंजीनियर

-सॉफ्टवेयर इंजीनियर तेजस्विनी की मौत के मिले नए सुराग

हैदराबाद (एजेंसी)। पीरजादीगुड़ा के एक तालाब में मिले सॉफ्टवेयर इंजीनियर तेजस्विनी के शव मामले में पुलिस जांच में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। पुलिस के अनुसार, एक मंदिर के सीसीटीवी फुटेज में तेजस्विनी को मंदिर परिसर में जाते हुए देखा गया है। जांच में सामने आया है कि वह मंदिर से एक मूर्ति लेकर तालाब की ओर गई थी। पुलिस अब इस पूरे घटनाक्रम के पीछे की वजहों का पता लगाने में जुटी है। प्रारंभिक जांच के मुताबिक, तेजस्विनी कपड़े उतारकर मंदिर पहुंची और वहां से अण्मावारू की मूर्ति उठाई। इसके बाद वह मूर्ति लेकर तालाब की ओर चली गई। पुलिस का कहना है कि तालाब में उसके कूदने का कोई प्रत्यक्ष सीसीटीवी फुटेज नहीं मिला है। फिलहाल तालाब में मूर्ति की तलाश की जा रही है। पुलिस का मानना है कि मूर्ति मिलने से जांच को महत्वपूर्ण दिशा मिल सकती है। जांच के दौरान तेजस्विनी के निजी जीवन से जुड़ी कुछ जानकारियां भी सामने आई हैं। पुलिस के अनुसार, वह जिस फ्लैट में किराए पर रह रही थी, उसका किराया काफी अधिक था। वह रोजाना करीब 3500 रुपये का भुगतान करती थी, जो महीने में एक लाख रुपये से अधिक बैठता है। जिस अपार्टमेंट में वह रहती थी, उसकी ऊपरी मंजिलों पर लॉज संचालित होने की जानकारी भी मिली है। पुलिस ने पूरे परिसर की जांच की है और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस इस मामले में आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए कई पहलुओं की जांच कर रही है। इसमें पैसों के लेनदेन, आसपास रहने वाले लोगों की भूमिका और अन्य परिस्थितियों को शामिल किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि तेजस्विनी ने इतना बड़ा कदम क्यों उठाया। पुलिस ने तेजस्विनी की मां अरुणा से भी पूछताछ की है। जांच अधिकारी घटनाक्रम से जुड़े सभी साक्ष्यों को जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। फिलहाल मामले में किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले पुलिस सभी संभावित कारणों की पड़ताल कर रही है।

राहुल-खरगे ने पीएम मोदी को लिखी चिट्ठी कहा- चुप्पी से काम नहीं चलेगा

अयोध्या के राम मंदिर में हुई चोरी का मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र से पहले राम मंदिर चंदे को लेकर सियासी विवाद तेज हो गया है। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तथा राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संयुक्त पत्र लिखकर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े कथित वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों पर सवाल उठाए हैं। दोनों नेताओं ने मामले में प्रधानमंत्री की चुप्पी को लेकर भी आपत्ति जताई और जवाबदेही तय करने की मांग की है।

कांग्रेस नेताओं ने अपने पत्र में कहा कि राम मंदिर के लिए देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालुओं ने श्रद्धा और विश्वास के साथ दान दिया है। ऐसे में यदि चंदे या ट्रस्ट के वित्तीय प्रबंधन को लेकर कोई आरोप सामने आते हैं तो उनकी निष्पक्ष जांच जरूरी है।

उन्होंने कहा कि ऐसे गंभीर मामलों में सरकार की ओर से स्पष्ट जवाब आना चाहिए और जनता को वास्तविक स्थिति की जानकारी मिलनी चाहिए। राहुल गांधी और खरगे ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोपों की जांच की मांग करते हुए कहा कि ट्रस्ट से जुड़े सभी वित्तीय मामलों की स्वतंत्र और व्यापक समीक्षा होनी चाहिए। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि मंदिर निर्माण से जुड़ी आस्था और श्रद्धालुओं के विश्वास को बनाए रखने के लिए पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता जरूरी है। दोनों नेताओं ने प्रधानमंत्री से मांग की है कि जांच केवल दस्तावेजों और खातों तक सीमित न रहे, बल्कि मंदिर के लिए मिले सभी प्रकार के दान, जिसमें नकद राशि, सोना, चांदी और अन्य चढ़ावे शामिल हैं, उनके प्रबंधन की भी विस्तृत जांच की जाए।कांग्रेस ने यह भी मांग की है कि जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए और ट्रस्ट के सभी खातों की जानकारी आम लोगों के सामने रखी जाए। पार्टी का कहना है कि इससे श्रद्धालुओं को यह स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी कि उनके द्वारा दिए गए दान का उपयोग किस तरह किया गया।संसद के मानसून सत्र से ठीक पहले यह मुद्दा उठाकर कांग्रेस ने संकेत दिया है कि वह सदन में इसे प्रमुखता से उठाने की तैयारी में है। वहीं, इस मामले पर आगे राजनीतिक बहस तेज होने की संभावना है। कांग्रेस की मांग है कि धार्मिक आस्था से जुड़े इस विषय पर पूरी पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।

नाराज विपक्ष ने पहले किया बहिष्कार फिर सर्वदलीय बैठक में हुए शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र से पहले आयोजित सर्वदलीय बैठक उस समय राजनीतिक विवाद का केंद्र बन गई.जब केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से अलग होकर नए संसदीय समूह में शामिल हुए 20 बागी सांसदों को भी बैठक में आमंत्रित किया। सरकार के इस फैसले का विपक्षी दलों ने विरोध किया. सरकार द्वारा विपक्ष की मांग नहीं मानने पर बैठक का बहिष्कार भी किया लेकिन कुछ देर बाद ही बैठक में शामिल हुआ। विपक्षी दलों का कहना था, बागी सांसदों की मान्यता और दलबदल से जुड़े मामले अभी पूरी तरह विवादमुक्त नहीं हैं। ऐसे में उन्हें सर्वदलीय बैठक में आमंत्रित करना संसदीय परंपराओं के विपरीत है. इससे मूल राजनीतिक दल के अधिकारों की अनदेखी होती है। विपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार राजनीतिक लाभ के लिए संसदीय प्रक्रियाओं का मनमाने तरीके से उपयोग कर रही है। दूसरी ओर, सरकार का कहना है. जिन सांसदों ने अलग संसदीय समूह के रूप में मान्यता का दावा किया है.उन्हें चर्चा में शामिल करना संसदीय संवाद की प्रक्रिया का हिस्सा है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सभी दलों से संसद के सुचारु संचालन में सहयोग की अपील की। सर्वदलीय बैठक का उद्देश्य मानसून सत्र के विधायी एजेंडे और विभिन्न राजनीतिक दलों के मुद्दों पर चर्चा करना था. टीएमसी के बागी सांसदों के निमंत्रण ने बैठक से पहले ही सियासी माहौल गर्मा दिया। माना जा रहा है कि इस विवाद का असर मानसून सत्र की कार्यवाही पर सत्र शुरू होने के साथ ही पड़ना तय है।

जम्मू-कश्मीर में एक सप्ताह में दूसरा संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन बरामद

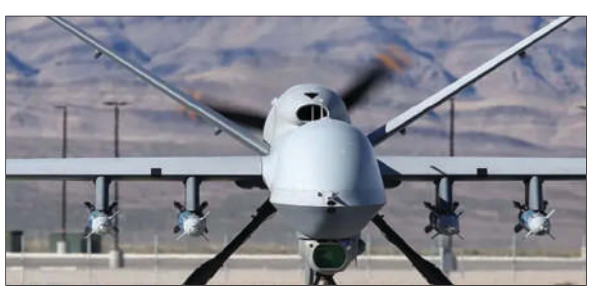

-सांबा जिले के खेतों से मिला ड्रोन फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया, सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में सुरक्षा बलों ने एक संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन बरामद किया है। पिछले एक सप्ताह के भीतर इस तरह का दूसरा ड्रोन मिलने से सीमा पार से होने वाली संदिग्ध गतिविधियों को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी गई है और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है।

अधिकारियों के अनुसार, टेरिटोरियल आर्मी के जवानों ने शनिवार देर रात पुरमंडल क्षेत्र के सांगर गांव के खेतों में तलाशी अभियान के दौरान संदिग्ध ड्रोन बरामद किया। प्रारंभिक जांच के बाद ड्रोन को कब्जे में लेकर फोरेंसिक परीक्षण के लिए भेज दिया गया है, ताकि उसके उत्पनादन क्षेत्र, तकनीकी क्षमता और संभावित उद्देश्य का पता लगाया जा सके। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि हाल के दिनों में लगातार ड्रोन मिलने की घटनाएं सीमा पार से घुसपैठ, हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी अथवा खुफिया गतिविधियों से जुड़ी हो सकती हैं। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक ड्रोन के माध्यम से किसी सामग्री की आपूर्ति या किसी विशेष मिशन की पुष्टि नहीं की है।

देवक गांव से पहले ही बरामद हो चुका एक ड्रोन

इससे पहले 14 जुलाई को जम्मू क्षेत्र के देवक गांव के पास एक खुले मैदान से भी एक संदिग्ध ड्रोन बरामद किया गया था। एक सप्ताह के भीतर दूसरी बरामदगी ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। इसके मद्देनुसार सीमा से सटे इलाकों में गश्त, निगरानी और तलाशी अभियान तेज कर दिए गए हैं। सुरक्षा बलों ने स्थानीय लोगों से भी अपील की है कि यदि उन्हें किसी संदिग्ध उड़ने वाली वस्तु या गतिविधि की जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस या सुरक्षा एजेंसियों को सूचित करें।

टीएमसी में सियासी घमासान के बीच 'शहीद दिवस' पर बढ़ा तनाव

तीन गुट अलग-अलग करेंगे कार्यक्रम

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर जारी सियासी संघर्ष अब 'शहीद दिवस' कार्यक्रम तक पहुंच गया है। पार्टी के गठन के बाद पहली बार टीएमसी तीन गुटों में बंट चुकी है और हर गुट खुद को पार्टी की असली राजनीतिक विरासत का उत्तराधिकारी बता रहा है। ऐसे में 21 जुलाई को मनाए जाने वाले 'शहीद दिवस' को लेकर राज्य में राजनीतिक हलचल और सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ गई हैं। टीएमसी के गठन के बाद से हर वर्ष 21 जुलाई को कोलकाता के सेंट्रल एवेन्यू में बड़ी रैली आयोजित की जाती रही है। हालांकि इस बार पहली बार वहां कोई कार्यक्रम नहीं होगा। प्रशासन ने मध्य कोलकाता के कई इलाकों में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है। यह आदेश 2 जुलाई से 30 अगस्त तक प्रभावी रहेगा। पुलिस का कहना है कि खुफिया सूचनाओं के आधार पर विभिन्न राजनीतिक कार्यक्रमों के दौरान हिंसा और कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका है, इसलिए एहतियाती कदम उठाए गए हैं। टीएमसी में यह संकट विधानसभा चुनाव में हार के बाद और गहरा गया। विपक्ष के नेता रिताब्रता बनर्जी के नेतृत्व में 80 में से 60 से अधिक विधायकों ने अलग गुट बनाकर खुद को 'असली टीएमसी' घोषित कर दिया। इसके बाद पार्टी के 29 लोकसभा सांसदों में से 20 सांसद एक अन्य राजनीतिक दल में शामिल हो गए। हालात तब और बिगड़ गए जब चार राज्यसभा सांसदों ने इस्तीफा दे दिया, जिनमें से तीन बाद में भाजपा में शामिल हो गए। दूसरी ओर, ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट को अब राजनीतिक हलकों में 'कालीघाट तृणमूल' के नाम से भी जाना जाने लगा है। इस बीच, कलकत्ता हाईकोर्ट ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट को बिड़ला तारामंडल के पास दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक 'शहीद दिवस' कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति दी है। अदालत ने इस कार्यक्रम में अधिकतम 2,500 लोगों की मौजूदगी की सीमा तय करते हुए पुलिस को सुरक्षा के व्यापक इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, रिताब्रता बनर्जी का गुट मेयो रोड पर गांधी प्रतिमा के सामने अपना कार्यक्रम करेगा। राज्य कांग्रेस भी उसी दिन शहीद मीनार के निकट अपना आयोजन करेगी, जबकि एक अन्य दल ने भी 'शहीद दिवस' मनाने की घोषणा की है, हालांकि कार्यक्रम स्थल की जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। ऐसे में 21 जुलाई को कोलकाता में कई समानांतर राजनीतिक आयोजन होने से सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हैं।

गाली-गलौज या अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना हमेशा अश्लीलता नहीं होती : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि गाली-गलौज या अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना हमेशा अश्लीलता के दायरे में नहीं आता है। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि कोई शब्द तभी अश्लील माना जाएगा, जब वह कामुकता को बढ़ावा देने वाला हो या लोगों को भ्रष्ट करने की प्रवृत्ति रखता हो। कोर्ट ने यह टिप्पणी तमिलनाडु के एक मामले में सुनवाई करते हुए की। आरोपी मणि को जमीन विवाद के दौरान मां की गाली देने के लिए अश्लीलता के आरोप में दोषी ठहराया गया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अगस्त 2017 में जमीन विवाद को लेकर आरोपी ने शिकायतकर्ता के साथ गाली-गलौज की थी। पीड़ित का आरोप था कि आरोपी ने जातिसूचक शब्द भी कहे। बाद में घर से हथियार लाकर हमला कर दिया, जिससे उसकी नाक की हड्डी टूट गई। सुप्रीम कोर्ट ने अश्लीलता और आपराधिक धमकी के आरोपों से आरोपी को बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि गाली देने से किसी को परेशानी हुई, यह साबित नहीं हुआ। हालांकि, शिकायतकर्ता को गंभीर चोट पहुंचाने के मामले में उसकी सजा बरकरार रखी है। आरोपी की उम्र करीब 70 साल होने और स्वास्थ्य स्थितियों को देखते हुए कोर्ट ने उसकी सजा को घटाकर कोर्ट उठने तक की सजा दी। साथ ही, उसे 2 महीने के अंदर 50,000 रुपए का जुर्माना भरने का निर्देश दिया है।

बाबा रामदेव ने कुमार विश्वास को उत्तराधिकारी बनने की दी चुनौती

- कवि ने भी भर दी हामी

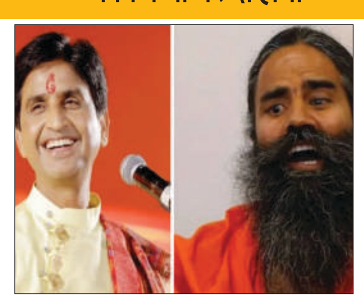

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाबा रामदेव और कवि कुमार विश्वास के बीच हंसी-मजाक और दोस्ताना नोकझोंक अक्सर देखने को मिलती है। अब एक कार्यक्रम में दोनों के बीच ऐसा ही दिलचस्प संवाद हुआ, जिसमें बाबा रामदेव ने मजाकिया अंदाज में कहा कि कुमार विश्वास की नजर पतंजलि पर है और वह इसके उत्तराधिकारी बनना चाहते हैं। इस पर कुमार विश्वास ने भी अपने अंदाज में जवाब दिया और बाबा की शर्त पूरी करने की बात कह दी।

दोनों के बीच यह बातचीत दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित फिल्म 'रामायणम' के प्री-ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम के दौरान हुई। कार्यक्रम में कई फिल्मी हस्तियों और साधु-संतों की मौजूदगी रही। मंच पर बाबा रामदेव और कुमार विश्वास आमने-सामने आए तो दोनों के बीच हल्के-फुल्के अंदाज में बातचीत शुरू हो गई। बाबा रामदेव ने मजाक करते हुए कहा कि कुमार विश्वास की नजर हमेशा इसी पर रहती है कि उन्हें पतंजलि का उत्तराधिकारी बनना है। इस पर कुमार विश्वास ने भी चुटकी लेते हुए कहा कि उन्होंने कभी बाबा से उन्हें गोद लेने की बात कही थी। तब बाबा ने कहा था कि अगर गोद लिया तो सुबह चार बजे उठकर योग करना होगा। कुमार विश्वास ने जवाब देते हुए कहा कि जिसका भविष्य इतना बड़ा हो, वह देर तक सोएगा क्यों। इसके बाद बाबा रामदेव ने कुमार विश्वास के सामने एक शर्त रख दी। उन्होंने मंच पर नौली क्रिया करके दिखाई और कहा कि अगर वह इसे सीख लेते हैं तो उत्तराधिकारी बनने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। कुमार विश्वास ने भी मजाकिया अंदाज में कहा कि वह इसके लिए तैयार हैं और इसे सीख लेंगे। गौरतलब है कि पतंजलि समूह का कारोबार पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ा है। पतंजलि फूड्स ने वित्त वर्ष 2025-26 में पहली बार 40 हजार करोड़ रुपये से अधिक का सालाना परिचालन राजस्व दर्ज किया है। कंपनी के कारोबार में एफएमसीजी क्षेत्र की हिस्सेदारी भी महत्वपूर्ण रही है। हालांकि मंच पर हुई यह बातचीत पूरी तरह मजाक और दोस्ताना माहौल में हुई, लेकिन दोनों हस्तियों के बीच यह संवाद कार्यक्रम का आकर्षण बन गया।

सुप्रिया 2 सप्ताह तक ना कुछ बोलेंगी, न राजनीति करेंगी

-संसद सत्र से पहले सुले का वॉयस रेस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से ठीक पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) की सांसद सुप्रिया सुले ने स्वास्थ्य कारणों से खुद को राजनीतिक गतिविधियों और मीडिया से दूर रखने का फैसला किया है। बारामती से सांसद सुप्रिया सुले ने बताया कि डॉक्टरों की सलाह पर वह अगले एक से दो सप्ताह तक वॉयस रेस्ट पर रहेंगी। इस दौरान वह न तो मीडिया से बातचीत करेंगी, न प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगी और न ही किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में भाषण देंगी।

सुप्रिया सुले ने बताया कि गले और आवाज में परेशानी के कारण उन्होंने विशेषज्ञ डॉक्टर से सलाह ली। जांच में गले में हल्की सूजन पाई गई, जिसके बाद उन्हें लंबे समय तक बोलने, भाषण देने और साक्षात्कार से बचने की सलाह दी गई है। उन्होंने कहा कि इस दौरान वह वॉयस थेरेपी भी लेंगी और मीडिया तथा समर्थकों से सहयोग की अपील की है।

स्वास्थ्य कारणों के चलते सुप्रिया सुले विपक्षी गठबंधन की उस अहम बैठक में भी शामिल नहीं हो पाएंगी, जिसमें संसद के मानसून सत्र के दौरान सरकार के खिलाफ रणनीति तैयार करने और विभिन्न मुद्दों पर विपक्ष की एकजुटता को लेकर चर्चा होनी है। सुप्रिया सुले का यह फैसला ऐसे समय आया है जब वह कई राजनीतिक मुद्दों को लेकर चर्चा में थीं। हाल ही में उन्होंने महिला आरक्षण से जुड़े प्रस्तावित परिसीमन विधेयक को लेकर अपना रुख स्पष्ट किया था। उन्होंने कहा था कि उनकी पार्टी विधेयक का अध्ययन करेगी और यदि इसमें सभी राज्यों के लिए लोकसभा सीटों में समान वृद्धि की व्यवस्था होगी तो समर्थन पर विचार किया जा सकता है। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में इस विधेयक को लेकर बहस तेज हो गई थी।

इसके अलावा महाराष्ट्र की राजनीति में पवार परिवार और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों गुटों के बीच संभावित सुलह को लेकर भी चर्चाएं चल रही हैं। राजनीतिक गलियारों में ऐसी अटकलें हैं कि शरद पवार गुट और अजित पवार गुट के बीच किसी समझौते की संभावना बन सकती है। हालांकि, इन चर्चाओं की अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मानसून सत्र में सरकार कई महत्वपूर्ण विधायी कदम उठाने की तैयारी में है। इनमें महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़ने वाला प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयक भी शामिल है। ऐसे समय में सुप्रिया सुले का कुछ समय के लिए सक्रिय राजनीति से दूर रहना विपक्षी रणनीति के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया है कि स्वास्थ्य कारणों से लिया गया यह फैसला अस्थायी है और वह जल्द ही सक्रिय भूमिका में लौटेंगी।

क्या इस बार भी संसद का सत्र हंगामा और स्थगन की भेंट चढ़ जाएगा: मायावती

राम मंदिर चढ़ावा चोरी, बंगाल चुनाव के बाद हालात, गर्भवती महिलाओं की मौत पर जताई चिंता

लखनऊ (एजेंसी)। संसद का मॉनसून सत्र सोमवार यानी 20 जुलाई से शुरू हो रहा है। इससे पहले बसपा सुप्रीमो मायावती ने पश्चिम बंगाल से लेकर राजस्?थान तक के मुद्दों पर बीजेपी पर निशाना साधा है। उन्?होंने राम मंदिर चढ़ावा चोरी, पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद के हालात और राजस्?थान में गर्भवती महिलाओं की मौत मामले पर चिंता जताई। रविवार सुबह मायावती ने अपने एक्स अकाउंट पर सात पॉइंट में लंबा चौड़ा पोस्?ट किया।

उन्?होंने लिखा- अब जबकि संसद का मॉनसून सत्र 20 जुलाई से शुरू हो रहा है। एक बार फिर यह देश और आमजन की चिंता है कि क्या इस बार भी फिर से संसद का सत्र हंगामा व स्थगन आदि की भेंट चढ़ जाएगा या फिर जबरदस्त महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, महिला असुरक्षा, अहम परीक्षाओं के भी पेपरलीक आदि से जुड़े देश के ज्वलन्त मुद्दों से उत्पन्न उत्तेजित, आक्रोशित व आन्दोलित माहौल को शान्त करने व इनके संतोषजनक समाधान के लिए गंभीरता दिखाई जाएगी।

मायावती ने लिखा- वैसे खासकर अयोध्या श्रीराम मन्दिर में चढ़ावा की चोरी, हेराफेरी व गबन आदि को लेकर व्यापक जन आक्रोश ने भी यूपी व देश को काफी झकझोर कर रख दिया है और लोग, धर्म का चुनावी स्वार्थ के लिए राजनीतिकरण करने वालों को इसके लिए कठघरे में खड़ा करके, उनसे दिल दुखाने की जवाबदेही मांग रहे हैं, जिसकी गूंज सड़कों से लेकर अदालत तक में है और संसद में भी यह मुद्दा गर्म होगा, जिसपर लोगों की पैनी नजर है।

बसपा सुप्रीमो ने लिखा- इतना ही नहीं बंगाल में विधानसभा आमचुनाव के बाद के हालात्, राजस्थान में सरकार की लापरवाही के कारण गर्भवती महिलाओं की मौत समेत कई राज्यों में बढ़ती महिला असुरक्षा आदि भी गंभीर मुद्दे हैं। उन्होंने लिखा- भारत की अर्थव्यवस्था व यहां के जनजीवन को बुरी तरह से प्रभावित करती हुई अमेरिका-इजराइल का ईरान के विरुद्ध लगातार युद्ध और रुपया का अवमूल्यण आदि देश व जनहित के ऐसे ख़ास मुद्दे हैं जिनपर राजनीतिक द्वेष, स्वार्थ व आरोप-प्रत्यारोप की संकीर्णता/वैमनस्य को त्यागकर सत्ता और विपक्ष दोनों को एकजुट होकर अच्छा उपाय ढूंढ कर सराहनीय कार्य करना होगा, वरना 140 करोड़ की जनसंख्या वाले अपने देश में बहुजनों का जीवन यहां और भी बुरे दिन वाला बनकर उनका भविष्य अधर में लटकायेगा, जिसकी आशंका भी व्यक्त की जा रही है।

अतः देश को त्रस्त करने वाली इन भारी चुनौतियों व उसके प्रति चेतावनियों को ध्यान में रखकर संसद के मानसून सत्र को, बिना किसी उत्तेजना, रोष व विद्वेष के, सुचारू, शान्तिपूर्ण एवं स्वस्थ्य लोकतांत्रिक परम्परा के मुताबिक चलना सुनिश्चित किया जाना चाहिए। बसपा प्रमुख ने कहा कि संसद को भी इन ज्वलन्त राष्ट्रीय मुद्दों पर पूरी तरह से गंभीर व संवेदनशील होना जरूरी है और इसकी शुरूआत अगर संसद के वर्तमान मानसून सत्र से ही हो तो यह बेहतर ही होगा। जनहितैषी गुड गवर्नेंस के लिए संसद का प्रभावी होना जरूरी। जय भीम, जय भारत।

सख्त सुरक्षा के बीच संपन्न हुई जेएफडब्लूसीई परीक्षा, 11 केंद्रों पर तीन पालियों में हुई परीक्षा

सुरक्षा के कड़े इंतजामः परीक्षा के लिए 14 स्टैटिक, 4 उड़नदस्ता व 11 गश्ती दंडाधिकारी प्रतिनियुक्त

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा - 2024 रविवार को साहेबगंज जिला मुख्यालय के 11 परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा और प्रशासनिक निगरानी के बीच शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त माहौल में संपन्न हुई। परीक्षा तीन पालियों में आयोजित की गई, जिसके लिए जिला प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था की थी। वहीं परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए 25 परीक्षा पर्यवेक्षक, 14 स्टैटिक दंडाधिकारी, 11 गश्ती दंडाधिकारी, चार उड़नदस्ता दल तथा दो स्ट्रांग रूम दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई थी। सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारियों की तैनाती रही, जिससे विधि-व्यवस्था बनाए रखने के साथ किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके। वहीं उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दूबे ने परीक्षा के दौरान विभिन्न केंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने केंद्राधीक्षकों और प्रतिनियुक्त अधिकारियों को आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन करते हुए निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से परीक्षा संपन्न कराने के निर्देश दिए। वहीं जिले में संध्या कॉलेज, संत जोसेफ अकादमी, मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय पोखरिया, संत जेवियर विद्यालय (हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम), अपग्रेड नगर पालिका गर्ल्स हाई स्कूल, पूर्व रेलवे हाई स्कूल, राजकीय कन्या मध्य विद्यालय, राजस्थान इंटर स्कूल, पब्लिक हाई स्कूल तथा साहिबगंज कॉलेज सहित कुल 11 केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की गई। वहीं परीक्षा संपन्न होने के बाद उपायुक्त ने प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों, केंद्राधीक्षकों, शिक्षकों, कर्मचारियों तथा सहयोग करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के समन्वित प्रयास से परीक्षा शांतिपूर्ण, पारदर्शी और सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

पुलिस ने दो अलग-अलग मामले में तीन को गिरफ्तार कर भेजा जेल

तालझारी (बिभा)। तालझारी थाना पुलिस ने दो अलग अलग मामले मे तीन व्यक्ति को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। जिसकी जानकारी तालझारी थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय ने देते हुए बताया कि थाना कांड संख्या 111/26 के अभियुक्त मोतीझरना झरना निवासी शेख अफरीदी व मोहम्मद अफरोज को सरकारी कार्य में बाधा डालने एवं मारपीट मामले में प्राथमिक अभियुक्त थे। कहा दोनों को गिरफ्तार कर थाना लाया गया। वहीं एसटी एससी के वारंटी थाना क्षेत्र फतेहपुर बालापोखर निवासी चैता मंडल को भी गिरफ्तार कर थाना लाया गया। वहीं तीनों का शाररिक जांच के उपरांत न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस दौरान पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

बीपीओ ने किया सीआरपी के साथ सप्ताहिक समीक्षा, दिए दिशा-निर्देश

बिभा संवाददाता

राधानगर । राधानगर प्रखंड संसाधन केंद्र उधवा में बीपीओ अटल बिहारी भगत की अध्यक्षता में सभी सीआरपी की सप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान बीपीओ अटल बिहारी भगत ने उपस्थित सभी सीआरपी के साथ बारी-बारी से संकुल वार समीक्षा कर आवश्यक दिशा- निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकों की उपस्थिति,लेशन प्लान फॉर ऑल टीचर, अपार आईडी,टेस्ट बुक डिस्ट्रीब्यूशन, रेल एसए-1 व एसए-2, प्रशांत एप,ई-कल्याण पोर्टल पर छात्रवृत्ति हेतु आवेदन,नवोदय परीक्षा हेतु ऑनलाइन आवेदन,विद्यालय प्रबंधन समिति पुनगर्ठन, एमडीएम अद्यतन स्थिति मासिक उपयोगिता,एमडीएम एसएमएस एवं तिथि भोजन आदि की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान बीपीओ ने उपस्थित सभी सीआरपी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मौके पर सीआरपी बाबूलाल मंडल, अशोक पाल, तपन मंडल, विजय मंडल, द्विजेंद्र मंडल, रतन, विशेष प्रशिक्षक कंचन कुमारी, एमआईएस प्रखंड समन्वयक गुलाम असर्फी सहित अन्य मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस ने एक नामजद आरोपित को गिरफ्तार कर भेजा जेल

उधवा(बिभा) । राधानगर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के इंग्लिश बाबूटोला में छापेमारी कर एक नामजद आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपित नईफुल शेख को पुलिस ने रविवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। इस संदर्भ में थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने बताया कि राधानगर थाना कांड संख्या 193/26 धारा - 316(2)/318(2)/ 3(5) बीएनएस के प्राथमिकी आरोपित इंग्लिश बाबूटोला निवासी नईफुल शेख को गिरफ्तार किया गया है। उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

केंद्रीय कारा दुमका में जेल अदालत सह चिकित्सा शिविर का आयोजन

दुमका(बिभा) : प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका, सुधांशु कुमार शशि के आदेशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका द्वारा आज केंद्रीय कारा, दुमका में जेल अदालत सह चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बंदियों को त्वरित न्यायिक सहायता उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य की जांच एवं आवश्यक चिकित्सीय परामर्श प्रदान करना था। इस अवसर पर जेल अदालत के माध्यम से बंदियों की समस्याओं एवं लंबित मामलों से संबंधित विषयों पर विचार-विमर्श किया गया तथा उन्हें निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी दी गई। साथ ही चिकित्सा शिविर में चिकित्सकों की टीम द्वारा बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यक दवाओं का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण एवं विभिन्न संक्रामक एवं असंक्रामक रोगों की रोकथाम के संबंध में जागरूकता भी प्रदान की गई। चिकित्सकों ने बंदियों को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह दी। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव, विवेक कुमार ने बताया कि कारागार में निरुद्ध व्यक्तियों को संविधान एवं विधि द्वारा प्रदत्त अधिकारों की जानकारी देना तथा उन्हें आवश्यक विधिक सहायता उपलब्ध कराना प्राधिकार की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से समय-समय पर जेल अदालत एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। कार्यक्रम में न्यायिक पदाधिकारीगण, चिकित्सा पदाधिकारी, लीगल एड डिफेंस काउंसिल, कारा प्रशासन के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में बंदी उपस्थित थे। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे बंदियों के कल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

जेपीएससी में कथित धांधली के विरोध में भाजपा युवा मोर्चा का मशाल जुलूस

देवघर(बिभा)। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) में कथित अनियमितताओं और धांधली के आरोपों को लेकर भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा ने रविवार को देवघर में मशाल जुलूस निकाला। जुलूस वीर कुंवर सिंह चौक से शुरू होकर टावर चौक तक पहुंचा, जिसमें बड़ी संख्या में भाजपा युवा मोर्चा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान कार्यकताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। मौके पर भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष आशीष दुबे ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पहले गिट्टी, बालू और जमीन से जुड़े मामलों में घोटाले की चर्चा होती रही, वहीं अब युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जेपीएससी में धांधली कर सीटों की खरीद-फरोख्त की जा रही है, जिससे सरकार की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। आशीष दुबे ने कहा कि भाजपा पारदर्शिता और निष्पक्ष व्यवस्था की पक्षधर है, जबकि वर्तमान सरकार में पारदर्शिता का अभाव है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में भ्रष्टाचार और लूट-खसोट का माहौल बना हुआ है। उन्होंने कहा कि जेपीएससी में कथित घोटाले के विरोध और निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर यह मशाल जुलूस आयोजित किया गया।

एसआईआर की सफल क्रियान्वयन को लेकर वॉलेंटियर को दिया गया प्रशिक्षण

मतदाता सूची के गणना प्रपत्रों के सत्यापन को लेकर एसडीओ ने दिए आवश्यक दिशा निर्देश

बिभा संवाददाता

उधवा । उधवा प्रखंड सभागार कक्ष में एसआईआर की सफल क्रियान्वयन को लेकर सभी वॉलेंटियर के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक सह प्रशिक्षण आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसडीओ सह निर्वाचक निबंधक पदाधिकारी सदानंद महतो ने किया। बैठक सह प्रशिक्षण में प्रखंड के सभी वालंटियर शामिल हुए। जानकारी के अनुसार बैठक के दौरान आगामी 22 जुलाई को आयोजित होने वाली बीएलओ, बीएलए-2 एवं चुनाव पाठशाला की तृतीय बैठक की कार्यवाही,प्रस्तावों तथा विभिन्न अनुलग्नकों के आधार पर आगे की रणनीति तैयार करने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। इस दौरान एसडीओ सदानंद महतो ने कहा है मतदाता सूची के गणना प्रपत्र के संग्रहण की वर्तमान स्थिति यानि मृत, स्थानांतरित, लापता, डुप्लिकेट आदि की सूचियों और उनके सत्यापन को लेकर दिशा - निर्देश दिया गया। वहीं आगे वॉलेंटियरों को उनके क्षेत्रों में शेष गणना प्रपत्र के संग्रहण, जागरूकता तथा असंग्रहणीय सूचियों की पुष्टि में सहयोग देने व सक्रिय सहयोग करने को लेकर निर्देश दिए गए। मौके पर बीडीओ उधवा जयंत कुमार, प्रतिनियुक्त निर्वाचन सहायक अब्दुस सलाम, बाबूधान हेंब्रम, देवाशीष साहा, शिक्षक सह वॉलेंटियर मो. साईम शेख, मो. रफीक, मनोवर हुसैन, मुबारक हुसैन, मनीर शेख, नव कुमार सिन्हा, मोजिबुर रहमान सहित अन्य मौजूद थे।

शादी करने के नियत से नाबालिग लड़की के अपहरण मामले में आरोपित गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

उधवा । राधानगर थाना क्षेत्र के दक्षिण सरफराजगंज पंचायत के मनिहारी टोला में शादी करने के नियत से नाबालिग लड़की के अपहरण करने का मामला सामने आया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार अपहृता नाबालिग लड़की के परिजन के बयान पर राधानगर थाना में प्राथमिकी दर्ज किया गया। इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने छापेमारी कर नामजद आरोपित अभिनंदन कुमार मंडल को गिरफ्तार कर लिया। अपहृता लड़की के परिजन राधानगर थाना में लिखित आवेदन देकर आरोप लगाया है कि शादी करने के नियत से उत्तरी बेगमगंज पंचायत के खुटहरी टोला निवासी अभिनंदन कुमार मंडल ने नाबालिग लड़की का अपहरण कर लिया है। मामले को लेकर पुलिस ने पीड़िता के बयान पर थाना कांड संख्या 259/26 धारा-87/96/351(2)/3(5)/ बीएनएस के तहत अभिनंदन कुमार मंडल के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई। इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने छापेमारी कर उक्त कांड के नामजद आरोपित अभिनंदन कुमार मंडल को गिरफ्तार कर लिया। उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

लाखों के जेवरात चोरी का खुलासा, आरोपित गिरफ्तार

चतरा। इटखोरी बाजार में ज्वेलरी व्यवसायी दिलीप सोनी की बाइक की डिक्की से करीब 60 लाख रुपये मूल्य के जेवरात चोरी मामले का चतरा पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने ओडिसा के जाखापुर थाना क्षेत्र के दशमनिया गांव निवासी दीपक प्रधान को गिरफ्तार किया है। वह कुख्यात गुलगुलिया गिरोह का सक्रिय सदस्य है। मामले की जानकारी एसपी अनिमेष नैथानी ने प्रेस वार्ता में दी। पुलिस जांच में पता चला कि आरोपित ने घटना से पहले कई दिनों तक व्यवसायी की दुकान की रेकी की थी। वह ग्राहक बनकर दुकान पहुंचा और चोरी का सोना सस्ते दाम में बेचने का झांसा देकर व्यवसायी की गतिविधियों की जानकारी जुटाई। इसके बाद बाइक की डिक्की से जेवरात चोरी कर लिए। एसपी ने बताया कि गिरोह का सरगना उड़ीसा का आकाश प्रधान है। गिरोह के सदस्यों को हैदराबाद में डिक्की खोलने, रेकी करने और वारदात के बाद फरार होने का विशेष प्रशिक्षण दिया जाता था। प्रारंभिक जांच में आरोपी के पत्थलगड़ा के नावाडीह और जोरी में भी ज्वेलरी कारोबारियों से छिनतई की घटनाओं में शामिल होने की बात सामने आई है। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है।

शिक्षा ही लोगों को मंजिल तक ले जाती है : संजीव कुमार यादव

बिभा संवाददाता

उधवा । उधवा प्रखंड क्षेत्र के सरस्वती शिशु मंदिर उधवा में शनिवार को अभिभावक सह गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं के अभिभावकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय के सचिव जयप्रकाश मंडल उर्फ विजय,विद्यालय के कोषाध्यक्ष कुंदन राज उर्फ लालू,उपाध्यक्ष प्रभास घोष,विद्यालय के प्रधानाचार्य संजीव कुमार यादव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। वहीं साहेबगंज के पूर्व विभाग कार्यवाह स्व. विरेन्द्र प्रसाद यादव के निधन पर उपस्थित शिक्षकों व अभिभावकों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। तत्पश्चात शिक्षकों ने अभिभावकों के साथ विभिन्न विषयों पर वातालर्प किया। जिसमें छात्र-छात्राओं का विकास एवं उनके दिनचर्या,पठन-पाठन, शारीरिक एवं मानसिक विकास हेतु सभी अभिभावक एवं शिक्षक मिलकर चिंतन मंथन किया। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य संजीव कुमार यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि अपने बच्चों को प्रतिदिन ससमय अनुसार विद्यालय भेजें। उन्होंने कहा कि शिक्षा के बिना कोई व्यक्ति आगे नहीं बढ़ सकता है। कहा कि शिक्षा ही लोगों को मंजिल तक ले जाती है। मौके पर शिक्षक वेद प्रकाश साहा, रोहित कुमार साहा, प्रीतम कुमार साहा, विश्वजीत कुमार दास, मानू घोष, कालू कुमार रजक, पंचानंद यादव, स्नेहा कुमारी, सुप्रिया कुमारी, अभिभावक चंदन साहा, जितेन्द्र यादव, संजय आर्य, सोनी देवी, राजा स्वर्णकार सहित अन्य मौजूद थे।

सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह आयोजित कर सहायक अध्यापक को दी गयी भावभीनी विदाई

बिभा संवाददाता

उधवा। उधवा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत यूपीएस रहीम हाजी टोला के सहायक अध्यापक सह शिक्षक संघ के प्रखंड अध्यक्ष मो. सेराजुल हक बीते 31 मई को सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय गड़ल्ली में शनिवार को झारखंड राज्य प्रशिक्षित शिक्षक संघ की ओर से विदाई समारोह आयोजित कर उन्हें फूल-माला, शॉल ओढ़ाकर एवं उपहार देकर भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक मो. साईम शेख ने किया। इस दौरान प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी उधवा अटल बिहारी भगत ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि विगत वर्ष 2003 में मो. सेराजुल हक ने पारा शिक्षक के रूप में योगदान किया था। उन्होंने कहा कि करीब 23 वर्षों तक उन्होंने विद्यालय में सेवा दी है। उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि वे अपने कार्य के प्रति हमेशा सक्रिय रहते थे। वहीं प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी बरहरवा दीपक कुमार मंडल ने संबोधित करते हुए कहा कि सरकारी सेवा में 60 वर्ष पूर्ण होने के बाद सभी को सेवानिवृत्त होना पड़ता है। सेवानिवृत्त होना एक सरकारी प्रक्रिया है। जो इस प्रक्रिया से सभी सरकारी कर्मियों को गुजरना पड़ता है। उन्होंने कहा कि वे व्यवहार के धनी व्यक्ति है। वहीं कांग्रेस के जिला महासचिव ऐनुल हक अंसारी ने कहा कि शिक्षक मो. सेराजुल हक कार्य के प्रति हमेशा सक्रिय रहते थे। उन्होंने कहा कि वे व्यवहार के मिलनसार व धनी व्यक्ति है। उन्होंने उनके स्वस्थ व उज्जवल भविष्य की कामना की। अंत में सेवानिवृत्त सहायक अध्यापक मो. सेराजुल हक संबोधित करने के दौरान भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि सभी शिक्षकों ने उन्हें भरपूर सहयोग किया है। उन्होंने सभी पदाधिकारी एवं शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। सभी ने उनके स्वस्थ व उज्जवल भविष्य की कामना की। मौके पर पूर्व बीआरपी बैद्यनाथ ठाकुर, बीआरपी समसुल कबीर, इंतखाब आलम, सीआरपी बाबूलाल मंडल, अशोक पाल, विजय मंडल, द्विजेंद्र मंडल, शिक्षक बासुदेव मंडल जिब्राईल अली, इरफान अली, हुमायूं कबीर, अब्दुल रज्जाक, नव कुमार सिन्हा, बदरूद्दीन शेख, अताउर रहमान, मनोवर हुसैन, तोहीद आलम, कौशर अली सहित अन्य मौजूद थे।

मंडल कारा में लगी जेल अदालत, बंदियों को मिला कानूनी सहारा और स्वास्थ्य जांच की सुविधा

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । साहेबगंज मंडल कारा में रविवार को बंदियों के अधिकारों, स्वास्थ्य और पुनर्वास को केंद्र में रखते हुए मासिक जेल अदालत, स्वास्थ्य शिविर एवं विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष अखिल कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। वहीं शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत ने बंदियों को उनके संवैधानिक एवं विधिक अधिकारों की जानकारी देते हुए बताया कि जिन बंदियों के पास अधिवक्ता नहीं हैं, उन्हें निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने एनएएलएसए की 'एसपीआरयुएचए योजना-2025' के तहत कानूनी सहायता, परामर्श, पुनर्वास और रिहाई के बाद रोजगारोन्मुख अवसरों से जोड़ने की पहल की जानकारी दी। साथ ही बंदियों के परिजनों को विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया भी समझाई गई। कार्यक्रम के दौरान बंदियों को सकारात्मक सोच के साथ समाज की मुख्यधारा में लौटने, आत्मनिर्भर बनने और भविष्य में अपराध से दूर रहकर सम्मानजनक जीवन जीने के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने कहा कि विधिक सेवा का उद्देश्य केवल मुकदमों में सहायता देना नहीं, बल्कि बंदियों का सामाजिक पुनर्वास सुनिश्चित करना भी है। इस अवसर पर आयोजित स्वास्थ्य शिविर में चिकित्सकों ने बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया। वहीं, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल अरविन्द गोयल एवं उनकी टीम ने ऐसे बंदियों की पहचान की, जिन्हें अब तक अधिवक्ता उपलब्ध नहीं हो सके हैं। ऐसे मामलों में शीघ्र निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू की गई। साथ ही बंदियों को उनके लंबित मामलों की अद्यतन स्थिति से भी अवगत कराया गया, ताकि वे अपने मुकदमों की प्रगति की जानकारी प्राप्त कर सकें।

नशे के खिलाफ युवाओं की रचनात्मक जंग, साहेबगंज में 'नशा मुक्ति युवा-विकसित भारत' अभियान शुरू

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । युवाओं को नशामुक्त भारत के निर्माण और विकसित भारत-2047 के विजन से जोड़ने के उद्देश्य से माय भारत केंद्र, साहेबगंज युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार ने 'नशा मुक्ति युवाझविकसित भारत' अभियान के अगले चरण की शुरूआत की है। अभियान के तहत जिले के 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को अपनी रचनात्मक प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। वहीं जिला युवा अधिकारी सौरव पांडे ने बताया कि इच्छुक युवा 21 जुलाई 2026 तक माय भारत पोर्टल पर पंजीकरण कर सकते हैं। प्रतियोगिताएं जिला, राज्य और राष्ट्रीय तीन स्तरों पर आयोजित होंगी। जिला स्तर के विजेता 28 जुलाई से 5 अगस्त तक राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे, जबकि राज्य स्तर के चयनित प्रतिभागियों को 14 अगस्त 2026 को राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। वहीं अभियान के तहत लोकगीत, फोक सॉन्ग, नृत्य, नुक्कड़ नाटक, माइम एक्ट, पेंटिंग, वाद-विवाद, शॉर्ट फिल्म/रील मेकिंग, स्लोगन लेखन और स्लैम कविता लेखन जैसी रचनात्मक विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। वहीं प्रतिभागी अपनी प्रस्तुति हिंदी, अंग्रेजी या क्षेत्रीय भाषा में दे सकते हैं। प्रत्येक प्रतिभागी केवल एक विधा में ही हिस्सा ले सकेगा।

प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए माय भारत पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य है। साथ ही प्रतिभागियों को अपनी रचनात्मक प्रस्तुति पोर्टल पर अपलोड करनी होगी।

जिला युवा अधिकारी ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य युवाओं की कला, संस्कृति, संगीत, कहानी और डिजिटल रचनात्मकता के माध्यम से समाज में नशा मुक्ति का संदेश पहुंचाना तथा युवाओं को सकारात्मक सामाजिक बदलाव का वाहक बनाना है।

20 लाख के इनामी नक्सली रविंद्र गंझू की निशानदेही पर एके-56, मैगजीन और 90 गोलियां बरामद

बिभा संवाददाता

लातेहार। झारखंड के लातेहार जिले में पुलिस ने 20 लाख रुपये के इनामी माओवादी और प्रतिबंधित संगठन के रीजनल कमेटी सदस्य रविंद्र गंझू की निशानदेही पर एक एके-56 राइफल, दो मैगजीन और 90 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। हथियारों को चंदवा थाना क्षेत्र के बांझीटोला गांव में बरगद के पेड़ के नीचे मिट्टी में छिपाकर रखा गया था।

रविवार को आयोजित प्रेसवार्ता में पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) संदीप कुमार गुप्ता ने बताया कि रविंद्र गंझू को 12 जुलाई को चंदवा थाना क्षेत्र के बांझीटोला गांव से गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के बाद न्यायालय से रिमांड पर लेकर उससे गहन पूछताछ की गई, जिसमें उसने संगठन के हथियारों के ठिकाने सहित कई महत्वपूर्ण जानकारियां पुलिस को दीं।

डीएसपी ने बताया कि पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने रविंद्र गंझू की निशानदेही पर छापेमारी अभियान चलाया। अभियान के दौरान बरगद के पेड़ के नीचे मिट्टी में छिपाकर रखी गई एक स्वचालित एके-56 राइफल, दो मैगजीन, 90 जिंदा कारतूस तथा एक पाउच बरामद किया गया।

उन्होंने बताया कि पूछताछ में मिले इनपुट के आधार पर पुलिस लगातार आगे की कार्रवाई कर रही है। रविंद्र गंझू के नेटवर्क, उसके सहयोगियों तथा संगठन के अन्य ठिकानों के संबंध में भी जांच जारी है। पुलिस को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में इस मामले में और भी महत्वपूर्ण सफलताएं मिल सकती हैं।

डीएसपी संदीप कुमार गुप्ता ने बताया कि रविंद्र गंझू झारखंड के विभिन्न जिलों में नक्सली हिंसा, हथियारबंद हमलों और अन्य उग्रवादी गतिविधियों से जुड़े 150 से अधिक मामलों में आरोपित है। उस पर 20 लाख रुपये का इनाम घोषित था और वह लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों की तलाश में था।

उन्होंने कहा कि रविंद्र गंझू की गिरफ्तारी और उसके बाद हुई हथियारों की बरामदगी नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी उपलब्धि है। पुलिस का दावा है कि उसकी गिरफ्तारी के बाद लातेहार जिले में नक्सली नेटवर्क लगभग समाप्त हो गया है। हालांकि, पुलिस शेष सक्रिय तत्वों की तलाश और नक्सली नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करने के लिए अभियान लगातार जारी रखे हुए है।

जेएसएससी की परीक्षा में शामिल हुए 5202 अभ्यर्थी, 13758 अनुपस्थित

रामगढ़। जिले में झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की ओर से आयोजित क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन रविवार को रामगढ़ जिले के 30 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं कदाचार मुक्त वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। परीक्षा के सफल आयोजन को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की व्यापक सुरक्षा एवं प्रशासनिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं। इस परीक्षा में दोनों पालियों में मात्र 5202 अभ्यर्थी शामिल हुए, जबकि 13758 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा के प्रथम और द्वितीय पाली में कुल 9480 अभ्यर्थियों में से 2603 अभ्यर्थी उपस्थित थे, जबकि 6877 अभ्यर्थी अनुपस्थित थे। वहीं, तृतीय पाली में कुल 9480 अभ्यर्थियों में से 2599 अभ्यर्थी उपस्थित रहे और 6881 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

पहली बारिश से ही हाड़मलामा सड़क पर कलभट पर सड़क टूटा, ग्रामीणों को सता रही चिंता

बिभा संवाददाता

खूँटी । इस बरसात का पहली बार जिले में रविवार को मुसलाधार हुई। जिससे पसदी बरसात में ही कई विकास योजनाओं के गुणवत्ता का पोल खोलकर रख दिया। जिसमें अड़की प्रखंड के हड़मलामा गांव जानेवाला सड़क का कलभट पुल बारिश का पानी से डह गया । हालांकि सड़क के किनारे ढहने से दो चक्का वाहन आवागमन कर सकता है लेकिन सड़क के ढह जाने से गुणवत्ता पर सवाल उठने लगा है। वहीं सड़क के ढहने से आवागमन में दुर्घटना का खतरा का भी सम्भावना बढ़ गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, हड़मलामा गांव तक जानेवाला यही एक मार्ग है। और इस सड़क से ही तुबिद, मुचिया, कटुई, चलकद आदि अनेक गाँव के लोग इसी मार्ग से आवागमन करते हैं। जिस सड़क के ढह जाने से आवागमन प्रभावित हो सकता है । वहीं अभी पहली बारिश में ही सड़क टूट जाने से लोगों को चिंता सताने लगी है। वहीं ग्रामीणों ने सड़क को जल्द मरम्मत कराने की मांग की है। ताकि आवागमन पूरी तरह बाधित होने से बच सके ।

मारवाड़ी युवा मंच ने 101 पौधे लगाकर दिया हरित भविष्य का संदेश

बिभा संवाददाता

खूँटी। तोरपा प्रखंड अंतर्गत डोड़मा मौजा स्थित प्रवीण जैन के क्रशर प्लांट परिसर में रविवार को मारवाड़ी युवा मंच, खूंटी नगर शाखा ने पौधारोपण कार्यक्रम किया गया। मौके पर, फलदार और इमारती लकड़ी के कुल 101 पौधे लगाए और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में समाज की वरिष्ठ सदस्या एवं समाजसेविका सुशीला देवी ने पर्यावरण संरक्षण को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर बच्चों ने भी पौधारोपण में उत्साहपूर्वक भाग लेकर पौधे लगाए।

कार्यक्रम की संयोजिकाओं निक्की जैन, प्रियंका जैन, रश्मि जैन एवं रिंकू जैन ने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है। यदि प्रत्येक व्यक्ति एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल का संकल्प ले, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण मिल सकता है।

मंच के अध्यक्ष राजेश कुमार मिश्रा ने कहा कि एक पौधा भविष्य की पीढ़ियों के लिए स्वस्थ जीवन और सुरक्षित पर्यावरण का आधार है। उन्होंने सभी लोगों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लेने की अपील की।

कार्यक्रम को सफल बनाने में मंच के पूर्व अध्यक्ष उदय लाल भाला, अंकित जैन, सचिव गौरव जैन, कोषाध्यक्ष प्रिंस अग्रवाल, नूपुर अग्रवाल, मुकुल पिपुरिया, शिल्पी अग्रवाल, पूजा जैन एवं अशोक जैन सहित मंच के अन्य सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा। सभी ने वृक्षारोपण अभियान को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई।

संक्षिप्त खबरें

लगातार बारिश से मकान ढहा, शीघ्र राहत व मुआवजे की मांग

खूंटी (बिभा)। जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण जरियागढ़ के कई मकान प्रभावित हुए हैं। जिसका अवलोकन करने रविवार को भाजपा के कार्यकताओं ने घर घर जाकर अवलोकन किया । जिसमें पुरोहित अम्बिका प्रसाद शर्मा का मकान भी क्षतिग्रस्त होकर ढह गया। घर क्षतिग्रस्त हो जाने से परिवार को किसी मुश्किल हो गया है। वहीं जर्जर भवन होने से खतरा भी मंडराने लगा है। जिसकी जानकारी मिलने पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष विनय गुप्ता, भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष सीमा देवी तथा भाजपा सोशल मीडिया प्रभारी जगरनाथ साहू ने क्षतिग्रस्त मकान का निरीक्षण कर पीड़ित परिवार का हालचाल जाना। निरीक्षण के दौरान भजयुमो मंडल अध्यक्ष विनय गुप्ता ने मौके से ही संबंधित प्रशासनिक पदाधिकारी से दूरभाष पर संपर्क कर घटना की जानकारी दी। उन्होंने पीड़ित परिवार को शीघ्र सरकारी सहायता, उचित मुआवजा उपलब्ध कराने तथा आवश्यकता के अनुरूप प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास स्वीकृत करने की मांग की। भाजपा नेताओं ने कहा कि लगातार बारिश से प्रभावित परिवार आर्थिक और मानसिक संकट से गुजर रहा है। ऐसे में प्रशासन को तत्काल सर्वेक्षण कर राहत सामग्री, आर्थिक सहायता और सुरक्षित आवास की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने जिला प्रशासन से मानवीय संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई करने की अपील की, ताकि पीड़ित परिवार को जल्द राहत मिल सके।

तोरपा का एक मुहल्ला पहली बारिश में ही पानी से भरा

तोरपा(बिभा) । मुख्य पथ स्थित नगर भवन के पीछे के मुहल्ले में लबालब पानी से भर गया। इससे लोगों का आवागमन बाधित तो हो ही गया लेकिन घरों में पानी घुसने लगा है। स्थानीय महेश प्रसाद सिंह ने बताया कि भेलकी टोंगरी, संत जोसेफ महाविद्यालय , हाता सिरूम टोली व हिल चौक सभी जगह का बरसाती पानी मुख्य पथ पर एक पुलिया से बहते हुए नदी तक जाती है। मगर पुलिया के ठीक पहले एक परिवार के द्वारा दिवाल दे दिये जाने से पानी आगे नहीं बह पा रहा है। जिसके कारण पानी मुहल्ले में ही जमा हो जाता है। जिसके कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मुहल्ले के लोगों ने पानी ? निकासी के लिए प्रशासन से मांग की है । ताकि जल जमाव न हो और सुलभ आवासन और आवागमन मार्ग भी सुलभ हो सके । साथ ही , गंदा पानी के कारण पनपने वाला बिमारी से बचा जा सके ।

आभूषण दुकान चोरी मामले में स्वर्णकार संघ ने की शीघ्र खुलासे की मांग

तोरपा(बिभा) । तोरपा बाजार स्थित एक आभूषण दुकान में हुई करीब 10 लाख रुपये मूल्य के आभूषण एवं अन्य सामान की चोरी के मामले को लेकर खूंटी जिला स्वर्णकार संघ ने पुलिस प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। शनिवार को संघ के अध्यक्ष प्रशांत लाल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल तोरपा थाना पहुंचा और थाना प्रभारी मनीष कुमार से मुलाकात कर चोरी की घटना का जल्द खुलासा करने तथा अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि शुक्रवार की रात चार अज्ञात नकाबपोश चोरों ने बाजार स्थित आभूषण दुकान को निशाना बनाया। इस घटना से व्यापारियों में भय और असुरक्षा का माहौल है। संघ ने चोरी गए आभूषणों की बरामदगी, दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई तथा बाजार क्षेत्र में रात्रि गश्ती बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने की मांग की। इस पर थाना प्रभारी मनीष कुमार ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज सहित अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर अपराधियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि जल्द ही मामले का खुलासा कर आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में महामंत्री बाबू सोनी, कोषाध्यक्ष देवेंद्र प्रसाद सोनी, संतोष लाल, पंचम कुमार सोनी, सुमित लाल, गणेश सोनी, सुनील सोनी, सुलेन्द्र सोनी सहित स्वर्णकार संघ के कई सदस्य उपस्थित थे।

पातर मुंडा समाज ने 40 मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान, शिक्षा के प्रति जागरूकता का दिया संदेश

बिभा संवाददाता

बुण्डू । पातर मुंडा समाज, बुण्डू की ओर से रविवार को अरुणालय बैंक्वेट हॉल में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का उद्देश्य समाज के बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना तथा शिक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश देना था। कार्यक्रम में तमाड़, सिल्ली और ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के पातर मुंडा समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

समारोह में मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले कुल 40 विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र, मेडल, मोमेंटो, शॉल, कॉपी, पेन एवं पुस्तकें देकर सम्मानित किया गया।

मैट्रिक परीक्षा में खुशबू कुमारी ने 95.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि इंटरमीडिएट में प्रतिमा कुमारी ने 86.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। दोनों प्रतिभाओं को विशेष पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व शिक्षक एवं समाजसेवी शिवेश्वर सिंह मुंडा ने की, जबकि संचालन शिक्षक एवं समाजसेवी राकेश पातर ने किया। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा ही समाज के सर्वांगीण विकास का सबसे सशक्त माध्यम है। ऐसे सम्मान समारोह विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाने के साथ अन्य बच्चों को भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हैं।

समारोह को सफल बनाने में पूर्व शिक्षक एवं समाजसेवी हिकीम मुंडा, सत्येंद्र मुंडा, शंभु शरण मुंडा, लालमोहन मुंडा, नन्दलाल मुंडा, कवीन्द्र मुंडा, लक्ष्मण मुंडा, जय निताई पातर, देवनारायण मुंडा, विमल पातर, गुरुदेव मुंडा, रामजीवन पातर, कन्हाई पातर, जितेंद्र मुंडा, अमन मुंडा, प्रशांत मुंडा, धनंजय मुंडा, सोमा पातर, विपिन मुंडा, मनोहर मुंडा, सुशील मुंडा, भुवनेश्वर मुंडा, सूरज मुंडा, मृत्युंजय पातर, लोधे मुंडा, सीता देवी, छाया देवी सहित समाज के अनेक सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा। समारोह में बड़ी संख्या में अभिभावक, छात्र-छात्राएं एवं समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

साउथ प्वाइंट पब्लिक स्कूल में किया गया झारखण्ड संयुक्त राष्ट्र मॉडल सम्मेलन का आयोजन

बिभा संवाददाता

बुण्डू । सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, हर परिस्थिति में मेहनत के बल पर सफलता की ओर अग्रसर रहना ही विद्यार्थियों का उद्देश्य होना चाहिए। यह बातें साउथ प्वाइंट पब्लिक स्कूल, बुंडू में दो दिवसीय झारखंड मॉडल ₹संयुक्त राष्ट्र मॉडल सम्मेलन 2026 के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित तमाड़ विधायक विकास कुमार मुंडा ने कही।

साउथ प्वाइंट के सभागार में आयोजित समापन समारोह में झारखंड मॉडल ₹संयुक्त राष्ट्र मॉडल सम्मेलन के दूसरे दिन छात्रों ने वाद विवाद किया। मौके पर प्रतिभागियों ने अपने वाकपटुता के बल पर अपनी बातों को मजबूती से रखा। ₹संयुक्त राष्ट्र मॉडल सम्मेलन में विद्यालय के प्राचार्य ने मुख्य अतिथि से सम्मान प्राप्त करने के बाद कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों का देश-विदेश के मुद्दों से जुड़ाव बढ़ता है। वाचन शैली प्रभावशाली बनाती है। प्रतिभागी विद्यार्थियों में आनवी महानंदी, वीर बिरसा सेन, हर्षित कुमार महतो, ललिता कुमारी, हर्ष राज हर्षित मिश्रा, जैनब आयशा, दिव्यांशु कुमार साहू, उत्सव कुमार ठाकुर, अक्षरा कुमारी, सुहाना कुमारी, लक्ष्य जैन, दीपिका कुमारी, आयुष्मान दत्ता, गौरव तिवारी, झिनुक लायेक, पुनम कुमारी, शानू प्रिया, प्राची झा, आरव जायसवाल, अर्जुन जायसवाल को सम्मानित किया गया।

डैम में नहाने के दौरान डूबे किशोर का शव बरामद

पूर्वी सिंहभूम। एमजीएम थाना क्षेत्र स्थित छोटा बांकी डैम में रविवार शाम डूबे 16 वर्षीय किशोर राहुल का शव करीब छह घंटे तक चले सर्च अभियान के बाद बरामद कर लिया गया। राहुल जेम्को का रहने वाला था। शव मिलने की सूचना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया, जबकि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार राहुल रविवार शाम अपने कुछ दोस्तों के साथ छोटा बांकी डैम में नहाने गया था। इसी दौरान वह गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। दोस्तों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन वह देखते ही देखते पानी में लापता हो गया। घटना की सूचना मिलते ही उसके परिजन और एमजीएम थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

बरसात का मौसम, इंटरनेट समस्या के बीच दुर्गम इलाका में किया जा रहा है एसआईआर कार्य

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के अड़की प्रखंड क्षेत्र के तिरला पंचायत अंतर्गत कई गाँवों में इंटरनेट काम नहीं करने के कारण एसआईआर का काम के लिए बुथ स्तरीय पदाधिकारी, सुपरवाइजर के साथ लोगों को भी पहाड़ों और ऊंचे स्थानों में जाना पड़ रहा है। तिरला पंचायत के कई ऐसे दुर्गम गाँव जहाँ न नेट पकड़ता है और न ही टावर पकड़ता है। ऐसे बीहड़ इलाकों में भी मतदाता पुनरीक्षण कार्य किया जा रहा है। लेकिन जहाँ न नेट हो न ही मोबाईल टावर तो वैसे जगहों में बुथ स्तरीय पदाधिकारियों को काम करना एक चुनौती का विषय बन गया है। वैसे में भी लोगों का एसआईआर प्रक्रिया ओनलाइन करना बड़ी मुसीबत बन गयी है। इस कार्य के लिए लोगों को गांव से बाहर निकलना पड़ा रहा है। और वैसे समय में एक तो खेती बारी का समय तो दूसरी ओर बारिश का मौसम । वहीं लोग पेड़ के नीचे मतदाता पुनरीक्षण कार्य ओनलाइन करने बैठ जाते हैं। जबकि इस मौसम मुकेश तै बारिश का भय और दूसरा वज्रपात के खतरे का अंदेशा। इसी दरम्यान आगामी 29 जुलाई तक पुनरीक्षण कार्यक्रम को ऑनलाइन सम्पादित कर देना लोगों के लिए चुनौती बना हुआ है।

रविवार को तिरला पंचायत के कंडेर बुथ के लोगों को पेड़ के नीचे बुथ स्तरीय पदाधिकारी ने सुपरवाइजर बिरेंद्र राय सिंह की उपस्थिति में कराये। जो अभी इसी प्रकार कार्य आगामी 29 जुलाई तक चलेगा ।

सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी और दिल्ली पुलिस की बर्बरता के खिलाफ सीएमपीडीआई गेट पर सीटू ने किया विरोध प्रदर्शन

बिभा संवाददाता

रांची : दिल्ली में जंतर मंतर पर 20 दिनों से अनशनरत सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी और आंदोलनकारी छात्र युवाओं पर दिल्ली पुलिस की बर्बरता के खिलाफ के और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर शनिवार को सेन्टर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन (सीटू) ने कांके रोड स्थित सीएमपीडीआई गेट के सामने विरोध प्रदर्शन किया। उक्कळव के कार्यकताओं के साथ-साथ सीएमपीडीआई के मयूरी हॉल में 17 - 19 जुलाई तक चल रहे सीटू की अखिल भारतीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में भाग ले रहे राष्ट्रीय अध्यक्ष सुदीप दत्ता और महासचिव एलामरम करीम के साथ सभी कार्यकारिणी सदस्य भी शामिल शामिल थे।

सीटू नेताओं ने जलवायु कार्यकर्ता एवं शिक्षाविद सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी का कड़ी निंदा करते हुए कहा कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा की मांग को लेकर पिछले 20 दिनों से नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। केन्द्र सरकार द्वारा उनकी मांगों पर विचार करने और वार्ता करने के बजाय मोदी सरकार की तानाशाही पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है।साथ ही आंदोलन में शामिल छात्रों पर बर्बरतापूर्ण लाठीचार्ज किया गया है। जो लोकतांत्रिक अधिकारों पर सीधा हमला है। वांगचुक का स्वास्थ्य गंभीर रूप से बिगड़ गया है। उनका लगभग 9 किलोग्राम वजन कम हो चुका है और उनके रक्त में शर्करा (ब्लड शुगर) का स्तर लगातार गिर रहा है। कार्यसमिति उनके स्वास्थ्य के प्रति भाजपा सरकार की असंवेदनशीलता और देश के करोड़ों विद्यार्थियों के जीवन एवं भविष्य से जुड़े गंभीर प्रश्नों की लगातार अनदेखी की कड़ी निंदा करती है।

इस आंदोलन को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के साथ साथ अनेक वामपंथी छात्र एवं युवा संगठनों का समर्थन प्राप्त है। यह आंदोलन राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) में व्याप्त संरचनात्मक भ्रष्टाचार और उसकी लगातार विफलताओं के खिलाफ है। नीट प्रश्नपत्र लीक तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक की घटनाएं वर्तमान शासन के तहत परीक्षा एवं भर्ती प्रणाली के लगातार पतन का प्रतीक बन चुकी हैं। बढ़ती बेरोजगारी के दौर में इन घोटालों ने लाखों विद्यार्थियों और नौकरी के अभ्यर्थियों के सपनों को तोड़ा है तथा युवाओं के बीच व्यापक अविश्वास और असंतोष पैदा किया है। इस संकट का जड़ जनविरोधी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में निहित है। यह नीति शिक्षा के व्यावसायीकरण, केंद्रीकरण और निजीकरण को बढ़ावा देती है, सार्वजनिक निवेश को कम करती है तथा कोचिंग माफियाओं और मुनाफाखोरी के लिए नए अवसर पैदा करती है। यह गरीब एवं वंचित तबकों के विद्यार्थियों को शिक्षा से बाहर धकेलती है और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को देश की विशाल आबादी की पहुंच से दूर करती है। आंदोलन के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए और वांगचुक की गिरफ्तारी के खिलाफ सीटू ने 20 जुलाई को देशव्यापी प्रदर्शन का आह्वान किया है। प्रदर्शन में सीटू के राज्य महासचिव विश्वजीत देव, कोल फेडरेशन के महासचिव डी डी रामानंदन, एनसीईओए के महासचिव आर पी सिहं, प्रकाश विप्लव, संजय पासवान, झारखंड राज्य किसान सभा के महासचिव सुफल महतो, झारखंड राज्य किसान सभा के राज्य संयुक्त सचिव मदुवा कच्छप,आदिवासी मंच के प्रफुल्ल लिंडा, सुखनाथ लोहरा, एडवा महासचिव वीणा लिंडा, सीटू राज्य कार्यकारी अध्यक्ष भवन सिंह, सीटू जिला सचिव प्रतीक मिश्रा,अनिर्बान बोस सहित सैकड़ों की संख्या में सीटू नेता व कार्यकर्ता शामिल थे।

आदिवासी महिला की मौत मामले में मुख्यमंत्री से उच्चस्तरीय जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग

बिभा संवाददाता

खूँटी । विगत दिनों खूंटी प्रखंड के बगडू गाँव निवासी आदिवासी महिला स्व. बुधन पूर्ति की बिरसा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च सेंटर (बिम्स), खूंटी में कथित चिकित्सीय लापरवाही से हुई मौत के मामले को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र भेजकर उच्चस्तरीय, निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच कराने की मांग की गई है। पत्र में कहा गया है कि यह घटना केवल एक परिवार की व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था की जवाबदेही, संवेदनशीलता और आदिवासी समाज के प्रति संवैधानिक दायित्वों से जुड़ा गंभीर मामला है।

पत्र में आरोप लगाया गया है कि उपचार के दौरान स्व. बुधन पूर्ति को कथित रूप से गलत रक्त समूह का रक्त चढ़ा दिया गया, जिसके कारण उनकी मृत्यु हो गई। यदि यह तथ्य सही पाए जाते हैं, तो यह गंभीर चिकित्सीय लापरवाही का मामला है और दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। साथ ही पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग भी की गई है। पत्र में कहा गया है कि झारखंड की बड़ी आबादी आदिवासी और सुदूरवर्ती क्षेत्रों में निवास करती है, जहां गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना राज्य की प्राथमिक जिम्मेदारी है। ऐसी घटनाएं लोगों का स्वास्थ्य व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं पर से विश्वास कमजोर करती हैं। इसमें अक्टूबर 2025 में पश्चिमी सिंहभूम में थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को एचआईवी संक्रमित रक्त चढ़ाए जाने की घटना का भी उल्लेख करते हुए स्वास्थ्य व्यवस्था में संस्थागत सुधार की आवश्यकता जताई गई है।

मुख्यमंत्री से आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने, रक्ताधान जैसी जीवनरक्षक प्रक्रियाओं की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने तथा सरकारी एवं निजी अस्पतालों की जवाबदेही तय करने के लिए ठोस एवं स्थायी व्यवस्था विकसित करने का आग्रह किया गया है।

30 की हुई स्मृति मंधाना

बल्ले से लिख रही हैं भारतीय महिला क्रिकेट की नई कहानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना आज 30 साल की हो गई हैं। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, शानदार रिकॉर्ड और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर उन्होंने भारतीय महिला क्रिकेट को नई पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई है।

भारतीय महिला क्रिकेट की लोकप्रियता पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी है। आज महिला टीम के मुकाबलों में स्टेडियम दर्शकों से भरने लगे हैं और टीवी व डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी बड़ी संख्या में लोग मैच देखते हैं। इस बदलाव के पीछे जिन खिलाड़ियों का सबसे बड़ा योगदान माना जाता है, उनमें भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान और स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना का नाम सबसे आगे आता है। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, शानदार तकनीक और निरंतर प्रदर्शन के दम पर स्मृति मंधाना ने न केवल भारतीय टीम को कई यादगार जीत दिलाई हैं, बल्कि महिला क्रिकेट को नई पहचान भी दिलाई है। लोकप्रियता के मामले में वह देश के कई पुरुष क्रिकेटरों को भी कड़ी टक्कर देती हैं। मैदान पर अक्सर फैंस के बीच 'मंधाना... मंधाना...' के नारे उनकी बढ़ती लोकप्रियता की गवाही देते हैं।

बचपन से ही क्रिकेट से जुड़ाव

स्मृति मंधाना का जन्म 18 जुलाई 1996 को मुंबई में हुआ था। उनका परिवार पहले से ही क्रिकेट से जुड़ा रहा है। उनके पिता और भाई दोनों क्रिकेट खेल चुके हैं। इसी माहौल ने स्मृति को भी क्रिकेट की ओर प्रेरित किया। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि उनके पिता को बाएं हाथ के बल्लेबाज बेहद पसंद थे, इसलिए उन्होंने भी बाएं हाथ से बल्लेबाजी करना शुरू किया। महज नौ साल की उम्र में उन्हें महाराष्ट्र की अंडर-15 टीम में जगह मिल गई थी, जबकि 11 साल की उम्र में वह राज्य की अंडर-19 टीम का हिस्सा बन गईं।

तीनों फॉर्मेट में शानदार रिकॉर्ड

करीब 13 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर में स्मृति मंधाना ने तीनों फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन किया है।

टेस्टः 9 मैच, 788 रन, 2 शतक, 5 अर्धशतक

वनडेः 120 मैच, 5,411 रन, 14 शतक, 35 अर्धशतक

टी20 अंतरराष्ट्रीयः 171 मैच, 4,538 रन, 1 शतक, 35 अर्धशतक

उनकी आक्रामक बल्लेबाजी भारतीय टीम को कई महत्वपूर्ण मुकाबलों में जीत दिला चुकी है।

फाइनल में यामागुची को हराया

पीवी सिंधु ने जापान ओपन जीतकर रचा इतिहास

जीतने वाली पहली भारतीय बनी

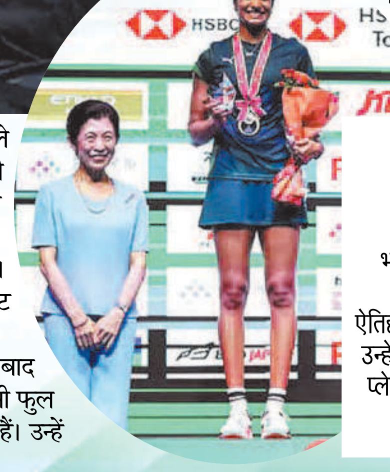

टोक्यो (एजेंसी)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने जापान ओपन सुपर-750 बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया है। वे यह टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय बनी हैं।31 साल की सिंधु ने रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में जापान की अकाने यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया। यह मैच 50 मिनट तक चला।

सिंधु 4 साल बाद यामागुची को किसी फुल मैच में हरा सकी हैं। उन्हें पिछली जीत थाईलैंड ओपन में 2022 में मिली थी। पिछले साल मलेशिया ओपन में यामागुची रिटायर हर्ट हो गई थीं।

एस. जयशंकर ने भी दी शुभकामनाएं

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी सिंधु को बधाई देते हुए लिखा, पीवी सिंधु को 2026 जापान ओपन महिला एकल खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनने पर हार्दिक बधाई। हमें आप पर गर्व है।

2019 के बाद पहला बड़ा खिताब जीतीं

सिंधु ने 2 साल बाद कोई खिताब जीता है।उन्होंने 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीता था।वे 2022 में सिंगापुर ओपन सुपर 500 में चैंपियन बनी थीं।यह सिंधु के करियर का पहला सुपर-750 खिताब है।2019 वर्ल्ड चैंपियनशिप जीतने के बाद यह उनका सबसे बड़ा इंटरनेशनल खिताब है।

सेमीफाइनल में चेन यू फेई चोटिल होकर बाहर हुई- सेमीफाइनल में चीन की चेन यू फेई हैम्स्ट्रिंग चोट के कारण रिटायर्ड हर्ट हो गई।उस समय सिंधु 21-19, 15-10 से आगे थीं।इससे पहले सिंधु ने जापान की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन नोजोमी ओकुहारा चोट के कारण नहीं उतरीं, जिससे सिंधु को वॉकओवर मिला।इससे पहले दूसरे दौर में सिंधु ने चीन की हान यू को 35 मिनट में 21-16, 21-14 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

पीवी सिंधु की ऐतिहासिक जीत पर पूरा देश गर्व महसूस कर रहा है: राजनाथ सिंह

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने जापान ओपन 2026 का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया।इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने उन्हें बधाई देते हुए देश का गौरव बताया।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सिंधु की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, पीवी सिंधु को जापान ओपन 2026 महिला एकल खिताब जीतने पर हार्दिक बधाई।

कॉमनवेल्थ गेम्स में चानू और लवलीना होंगी भारत की ध्वजवाहक

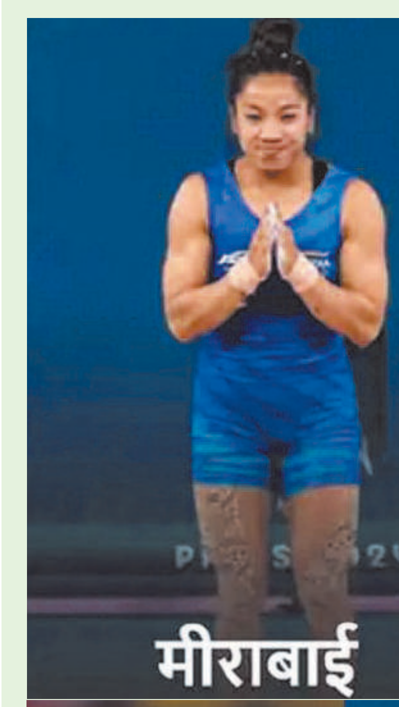

2022 में सिंधु और मनप्रीत ध्वजवाहक थे

बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 के उद्घाटन समारोह में भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु और पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह भारतीय दल के ध्वजवाहक थे। वहीं समापन समारोह में विश्व चैंपियन मुक्केबाज निखत जरीन और टेबल टेनिस के दिग्गज शरत कमल ने तिरंगा थामकर भारतीय दल की अगुआई की।

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक मेडलिस्ट मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स के उद्घाटन समारोह में भारत की ध्वजवाहक होंगी। भारतीय ओलंपिक संघ ने शनिवार को इसकी घोषणा की। इस मल्टी-स्पोर्ट इवेंट का उद्घाटन समारोह 23 जुलाई को आयोजित किया जाएगा। आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि दोनों खिलाड़ियों का यह सम्मान मिलना गर्व की बात है। फिलहाल दोनों खिलाड़ी यूनाइटेड किंगडम में ट्रेनिंग कर रही हैं। चानू ने टोक्यो ओलिंपिक में सिल्वर जीता था मीराबाई चानू 8 अगस्त को 32 साल की हो जाएंगी। वे करीब एक दशक से भारत की प्रमुख वेटलिफ्टर हैं। उन्होंने 2021 टोक्यो ओलंपिक में सिल्वर और 2022 बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीता था। हालांकि वे 2024 पेरिस ओलंपिक में पदक नहीं जीत सकीं, लेकिन ग्लासगो में वे भारत की बड़ी उम्मीद हैं। लवलीना ने टोक्यो में ब्रॉन्ज जीता था

इंग्लैंड ने फुटबॉल वर्ल्ड कप में ब्रॉन्ज जीता

मियामी गार्डन्स (एजेंसी)। इंग्लैंड ने फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के तीसरे स्थान के मैच में फ्रांस को 6-4 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इंग्लैंड ने वर्ल्ड कप इतिहास में अपना दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। टीम 1966 में चैंपियन बनी थी।

इंग्लैंड की जीत के हीरो बुकायो साका रहे, जिन्होंने हैट्रिक लगाई। वहीं, फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने दो गोल करके गोल्डन बूट की रेस में मेसी को पीछे छोड़ दिया। उनके 10 गोल हो गए हैं, जबकि मेसी के 8 गोल हैं।

इतना ही नहीं, एमबाप्पे वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बने। उनके नाम अब 22 विश्व कप गोल हो गए हैं, जबकि लियोनेल मेसी के 21 गोल हैं। हालांकि, आज देर रात होने वाले वर्ल्ड कप फाइनल में मेसी के पास वापसी करने का मौका है।

वर्ल्ड कप के तीसरे स्थान के मैच में पहली बार कुल 10 गोल देखने को मिले। यह वर्ल्ड कप 1982 के बाद सबसे ज्यादा गोल वाला मुकाबला रहा। डेक्लान राइस ने इंग्लैंड के लिए फुटबॉल वर्ल्ड कप इतिहास का दूसरा सबसे तेज (2 मिनट 14 सेकेंड) गोल किया।

साका की हैट्रिक, फ्रांस हारा, एम्बाप्पे गोल्डन बूट की रेस में मेसी से आगे, टूर्नामेंट में 10 गोल

कपिल देव बोले-

रोहित-विराट टीम में परमानेंट नहीं, प्रदर्शन के दम पर ही मिलनी चाहिए जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। 1983 वर्ल्ड कप विजेता कप्तान कपिल देव ने कहा कि टीम इंडिया में किसी भी खिलाड़ी की जगह पक्की नहीं होती। उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे सीनियर खिलाड़ियों को भी जब तक प्रदर्शन कर रहे हैं, तब तक खेलना चाहिए। साथ ही टीम मैनेजमेंट को भविष्य के लिए नए खिलाड़ियों को भी तैयार रखना चाहिए।

कपिल देव ने कहा कि इंटरनेशनल क्रिकेट में टीम में बने रहने का एकमात्र पैमाना प्रदर्शन है। उन्होंने रोहित और विराट के अनुभव की तारीफ करते हुए कहा कि जब तक वे टीम के लिए रन बना रहे हैं और मैच जिता रहे हैं, तब तक उन्हें खेलने का मौका मिलना चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई सीनियर खिलाड़ी फॉर्म से बाहर होता है, तो टीम के पास मजबूत बैकअप तैयार होना चाहिए।रोहित शर्मा और विराट कोहली 2024 टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं। फिलहाल दोनों वनडे और टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए खेल रहे हैं।

संन्यास की अफवाहों के बीच बेफिक्र दिखे रोहित

लॉर्ड्स की बॉलकनी में गंभीर के साथ हंसी-मजाक करते आए नजर

गौतम गंभीर के साथ हंसी-मजाक का वीडियो वायरल

लॉर्ड्स में अभ्यास सत्र से पहले भारतीय टीम के खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ बालकनी में मौजूद थे।इसी दौरान मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कुछ मजाकिया इशारे किए, जिन्हें देखकर रोहित शर्मा अपनी हंसी नहीं रोक पाए।उनके साथ मौजूद सपोर्ट स्टाफ के सदस्य भी ठहाके लगाते नजर आए।यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस इसे काफी पसंद कर रहे हैं।

संन्यास की अफवाहों ने पकड़ा था जोर

दूसरे वनडे के दौरान सोशल मीडिया पर ऐसी खबरें सामने आई थीं कि लॉर्ड्स में खेला जाने वाला तीसरा वनडे रोहित शर्मा के करियर का आखिरी वनडे हो सकता है।हालांकि, इन अटकलों पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने विराम लगा दिया।सैकिया ने स्पष्ट किया कि रोहित शर्मा के संन्यास को लेकर चल रही खबरों में कोई सच्चाई नहीं है।उन्होंने कहा कि जब तक चयनकर्ताओं की योजनाओं में रोहित शामिल हैं, तब तक वह भारतीय टीम के लिए

लंदन (एजेंसी)। संन्यास की अटकलों के बीच रोहित शर्मा के लॉर्ड्स से दो वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। एक वीडियो में वह गौतम गंभीर के साथ हंसी-मजाक करते दिखे, जबकि दूसरे में उन्होंने कहा, 'बाहर क्या चल रहा है, उससे हमको क्या', जिससे उन्होंने बाहरी चर्चाओं को तवज्जो न देने का संदेश दिया। भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले जाने वाले तीसरे और निर्णायक वनडे से पहले टीम इंडिया के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा एक बार फिर चर्चा का केंद्र बन गए हैं। एक ओर उनके वनडे भविष्य को लेकर संन्यास की अटकलें तेज हैं, तो दूसरी ओर सोशल मीडिया पर उनके दो वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं। पहले वीडियो में रोहित शर्मा टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ हंसी-मजाक करते नजर आ रहे हैं, जबकि दूसरे वीडियो में उन्होंने अपने अंदाज में साफ कर दिया कि बाहरी चर्चाओं से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता।

चयनकर्ताओं के बीच हुई थी चर्चा-रिपोर्ट्स के मुताबिक, रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर चयनकर्ताओं के बीच चर्चा जरूर हुई थी और टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर को भी इस पूरी प्रक्रिया की जानकारी थी।

भारत और इंग्लैंड तीसरे वनडे में काली पट्टी बांधकर उतरे खिलाड़ी

महान क्रिकेटर सोबर्स को दी श्रद्धांजलि

लंदन (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने रविवार को लॉर्ड्स में वेस्टइंडीज के महान क्रिकेटर सर गारफील्ड सोबर्स की याद में काली पट्टी बांधी। 89 साल की उम्र में उनका निधन हो गया था। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान और अब तक के सबसे महान क्रिकेटरों में से एक सोबर्स ने शुक्रवार को आखिरी सांस ली। वे अपने 90वें जन्मदिन से 11 दिन दूर थे। भारतीय टीम मैनेजमेंट ने एक पोस्ट में कहा, %टीम इंडिया वेस्टइंडीज के दिग्गज सर गारफील्ड सोबर्स को श्रद्धांजलि देने के लिए काली पट्टी बांध रही है, जिनका शुक्रवार को निधन हो गया। यहां भारत और इंग्लैंड के बीच सीरीज का फैसला करने वाले तीसरे वनडे मैच की शुरुआत से पहले क्रिकेट के मक्का (लॉर्ड्स) में एक मिनट का मौन रखा गया। भीड़ और खिलाड़ियों ने एक साथ खड़े होकर सोबर्स को श्रद्धांजलि दी। भारत के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने खेल की शुरुआत के लिए घंटी बजाई। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने टॉस जीतने के बाद कहा, आज हम पहले बैटिंग करेंगे। पिच अच्छी लग रही है। साकिब महमूद की जगह टंग टीम में वापस आ रहे हैं। रूट ने जिस तरह से बैटिंग की, उससे एक बढ़िया मिसाल कायम हुई है। उम्मीद है कि हम हालात को जल्दी समझ लेंगे। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने टॉस के बाद कहा,हम बॉलिंग करते।

सीआईएसएफ ने कोयला चोरी के खिलाफ कार्रवाई की तेज: तीन हफ्तों में 1.08 करोड़ मूल्य का 1,800 मीट्रिक टन कोयला जब्त

गृह मंत्रालय के 'जीरो कोल लीकेज' अभियान के तहत बल ने बढ़ाई सख्ती; 84 वाहन जब्त, 21 सीधी शिकायतें दर्ज

बिहान भारत

नई दिल्ली : अवैध कोयला खनन, चोरी और परिवहन के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने पिछले तीन हफ्तों के दौरान अपने सुरक्षा घेरे में आने वाले कोयला क्षेत्रों में चलाए गए सघन अभियानों के दौरान लगभग ?1.08 करोड़ मूल्य का 1,798.725 मीट्रिक टन अवैध रूप से खनन किया गया, संग्रहीत या परिवहन किया जा रहा कोयला जब्त किया है।

इस अभियान के दौरान, सीआईएसएफ ने कोयले के अवैध परिवहन में इस्तेमाल होने वाले 84 वाहनों को भी जब्त किया है, जिनमें भारी-भरकम हाईवा ट्रक और संशोधित (मॉडिफाइड) मोटरसाइकिलें शामिल हैं। इसके साथ ही अवैध खनन और कोयला तस्करी में शामिल लोगों के खिलाफ 21 सीधे शिकायत मामले दर्ज किए गए हैं।

यह तेज कार्रवाई 05 जुलाई 2026 को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक के बाद शुरू हुई है। इस बैठक के दौरान गृह मंत्रालय ने देश के कोयला संसाधनों के अवैध निष्कर्षण, चोरी और संगठित लूट को रोकने तथा जीरो कोल लीकेज (शून्य कोयला रिसाव) के लक्ष्य को हासिल करने के लिए केंद्रित और समयबद्ध कदम उठाने के निर्देश दिए थे।

इस अभियान के दौरान हुई प्रमुख बरामदगी में, सीआईएसएफ ने बीसीसीएल, धनबाद से 1,063.91 मीट्रिक टन कोयला जब्त किया। ईसीएल , शीतलपुर से 450.13 मीट्रिक टन कोयला जब्त किया। सीसीएल, रांची और सीएमपी(एच) से 284.715 मीट्रिक टन कोयला जब्त किया।

इस मौजूदा अभियान में एक बड़ा बल गुणक (फोर्स मल्टीप्लायर) खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 के तहत नामित सीआईएसएफ अधिकारियों को प्राप्त बढ़ी हुई वैधानिक शक्तियां हैं। इस अधिनियम की धारा 22, 23बी और 24 के तहत निहित शक्तियां अधिकृत अधिकारियों को सक्षम न्यायालयों के समक्ष सीधे लिखित शिकायतें दर्ज करने, तलाशी लेने और अवैध रूप से खनन किए गए खनिजों के भंडारण के संदिग्ध परिसरों में प्रवेश करने की अनुमति देती हैं, जिससे संगठित कोयला चोरी के खिलाफ प्रवर्तन तंत्र मजबूत हुआ है।

इस नवीनतम अभियान में संवेदनशील स्थानों की पहचान करने और अवैध खनन व परिवहन नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए मानवीय खुफिया जानकारी (ह्यूमन इंटेलिजेंस), सीसीटीवी निगरानी, कोयले की आवाजाही की रियल-टाइम मॉनिटरिंग और समन्वित जमीनी कार्रवाई का संयोजन किया गया है।

84 वाहनों की जब्ती कोयला चोरी के लिए अपनाए जा रहे विभिन्न तरीकों को भी उजागर करती है। भारी वाहनों के अलावा, संशोधित मोटरसाइकिलों का उपयोग अवैध रूप से खनन किए गए कोयले की छोटी मात्रा को अनधिकृत और कठिन निगरानी वाले मार्गों से ले जाने के लिए किया जा रहा है। जब्त किए गए वाहनों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जहां भी आवश्यकता हो, स्थानीय पुलिस को सौंप दिया गया है।

यह चल रहा अभियान कोयला आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) में लीकेज को बंद करने और देश के मूल्यवान खनिज संसाधनों को संगठित आपराधिक नेटवर्क से सुरक्षित रखने के लिए एक समन्वित प्रयास है।

महानिदेशक , सीआईएसएफ ने कहा सीआईएसएफ 'जीरो कोल लीकेज' के उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए कोयला कंपनियों, स्थानीय प्रशासन और अन्य हितधारक एजेंसियों के समन्वय में खुफिया जानकारी आधारित अभियान, तकनीक-सक्षम निगरानी और अपनी वैधानिक शक्तियों का प्रवर्तन जारी रखेगा।

पेसा नियमावली के नाम पर आदिवासियों को ठगा जा रहा है : चम्पाई सोरेन

9 अगस्त को धूमधाम से मनाया जायेगा विश्व आदिवासी दिवस

बिभा संवाददाता

सरायकेला। कांड्रा स्थित फॉरेस्ट गेस्ट हाउस में आदिवासी सांवता सुसार अखाड़ा द्वारा विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर प्रस्तावित वृहत कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन शामिल हुए।

इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि झारखंड का आदिवासी समाज आज धर्मांतरण, घुसपैठ के साथ-साथ अस्तित्व के संकट से जूझ रहा है। यहां आदिवासियों की जमीनों को लुटा जा रहा है, सामाजिक ताने-बाने को चोट पहुंचाई जा रही है, बहु-बेटियों की अस्मिता संकट में है, पाकुड़ समेत कई जिलों में हम अल्पसंख्यक बन चुके हैं, लेकिन सरकार बेपरवाह है। आगामी 9 अगस्त को समाज इन विषयों पर चिंतन करेगा।

राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि झारखंड शायद पहला ऐसा राज्य है, जहाँ पेसा नियमावली के नाम पर आदिवासियों को ठगा गया है। यहाँ ग्राम सभाओं के गठन प्रक्रिया में ही पारंपरिक ग्राम प्रधानों के अलावा वैकल्पिक मार्ग भी खोल दिया गया है। जब अपने घाटों के बालू एवं अपने तालाबों की मछलियों पर ग्राम सभाओं को अधिकार नहीं मिल पाया, तो बाकी का क्या कहें।

पूर्व सीएम ने कहा कि पेसा में ग्राम सभा की ₹अनुमति₹ की जगह ₹सहमति₹ और ₹30 दिनों में स्वतः स्वीकृति₹ जैसे शब्दों का भ्रमजाल बुना गया है, ताकि ग्राम सभा के अधिकार सीमित किए जा सकें। अगर ग्राम सभा ने किसी भी प्रस्ताव को 30 दिनों में स्वीकृत नहीं किया, तो वह अपने आप स्वीकृत मान लिया जाएगा। फिर ग्राम सभा का क्या मतलब है?

कांड्रा के फॉरेस्ट गेस्ट हाउस में आयोजित इस बैठक में आदिवासी सांवता सुसार अखाड़ा के संयोजक रामदास टुडू, मांझी बाबा दारा सिंह सोरेन, सोनाराम मार्डी, राम हांसदा, सुजान हांसदा, पवन हांसदा, मोहन बास्के, पाइतो सोरेन, मनसा राम मुर्मू, बुद्धेश्वर मार्डी, कालीचरण सरदार, प्रधान मार्डी, भोला हेम्ब्रम, भीम हांसदा, साइमल मार्डी, रतन सोरेन समेत बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के साथी शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

कोलकाता से कानपुर सेंट्रल एवं आगरा कैंट के लिए विशेष ट्रेनों का परिचालन

आसनसोल: यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने कोलकाता-कानपुर सेंट्रल तथा कोलकाता-आगरा कैंट के बीच दो जोड़ी विशेष ट्रेनों के परिचालन का निर्णय लिया है। 04157 कानपुर सेंट्रल-कोलकाता विशेष ट्रेन प्रत्येक मंगलवार को 21.07.2026 से 29.09.2026 तक (कुल 13 फेरे) कानपुर सेंट्रल से 08:00 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 04:05 बजे कोलकाता पहुँचेगी। वापसी दिशा में 04158 कोलकाता-कानपुर सेंट्रल विशेष ट्रेन प्रत्येक बुधवार को 22.07.2026 से 30.09.2026 तक (कुल 11 फेरे) कोलकाता से 07:25 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 01:25 बजे कानपुर सेंट्रल पहुँचेगी। पूर्व रेलवे क्षेत्राधिकार में यह ट्रेन दोनों दिशाओं में मार्ग में नैहाटी, बंडेल, बर्द्धमान, दुर्गापुर तथा आसनसोल स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में सामान्य द्वितीय श्रेणी, शयनयान (स्लीपर) तथा वातानुकूलित श्रेणी के कोच उपलब्ध रहेंगे। इसी प्रकार, 01911 आगरा कैंट-कोलकाता विशेष ट्रेन प्रत्येक गुरुवार को 23.07.2026 से 24.09.2026 तक (कुल 10 फेरे) आगरा कैंट से 03:40 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 04:05 बजे कोलकाता पहुँचेगी। वापसी दिशा में 01912 कोलकाता-आगरा कैंट विशेष ट्रेन प्रत्येक शुक्रवार को 24.07.2026 से 25.09.2026 तक (कुल 10 फेरे) कोलकाता से 07:25 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 08:00 बजे आगरा कैंट पहुँचेगी। पूर्व रेलवे क्षेत्राधिकार में यह ट्रेन भी दोनों दिशाओं में मार्ग में नैहाटी, बंडेल, बर्द्धमान, दुर्गापुर तथा आसनसोल स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में सामान्य द्वितीय श्रेणी, शयनयान (स्लीपर) तथा वातानुकूलित श्रेणी के कोच उपलब्ध रहेंगे।

श्रावणी मेला के दौरान बरहनी एवं देवघर के बीच विशेष ट्रेन का परिचालन

आसनसोल: श्रावणी मेला के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे ने बरहनी एवं देवघर के बीच एक अनारक्षित विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। 05028 बरहनीझ्रदेवघर श्रावणी मेला विशेष ट्रेन 28.07.2026 से 29.08.2026 तक प्रतिदिन (कुल 33 फेरे) बरहनी से 15:20 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 13:00 बजे देवघर पहुँचेगी। पूर्व रेलवे के अधिकार क्षेत्र में यह ट्रेन मार्ग में मुंगेर (06:55/07:00 बजे), सुल्तानगंज (08:20/08:25 बजे), भागलपुर (08:55/09:05 बजे), बाराहाट (10:00/10:05 बजे) तथा बांका (10:40/10:45 बजे) स्टेशनों पर रुकेगी। इसी प्रकार, 05027 देवघरझ्रबरहनी श्रावणी मेला विशेष ट्रेन 29.07.2026 से 30.08.2026 तक प्रतिदिन (कुल 33 फेरे) देवघर से 18:45 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 15:15 बजे बरहनी पहुँचेगी। पूर्व रेलवे के अधिकार क्षेत्र में यह ट्रेन मार्ग में बांका (19:38/19:40 बजे), बाराहाट (20:01/20:03 बजे), भागलपुर (20:53/21:03 बजे), सुल्तानगंज (21:25/21:30 बजे) तथा मुंगेर (23:15/23:20 बजे) स्टेशनों पर रुकेगी।

संगम नगरी से आईटी व सिल्क सिटी का सफर आसान बनाएगी प्रयागराज-यशवंतपुर स्पेशल ट्रेन

प्रयागराज : रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गाड़ी सं. 04149/04150 प्रयागराज-यशवंतपुर-प्रयागराज साप्ताहिक विशेष गाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है। यह ट्रेन न केवल यात्रियों के सफर को आरामदायक बनाएगी, बल्कि दो ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध शहरों को आपस में जोड़ेगी। इस ट्रेन के संचालन से तीर्थयात्रियों और पर्यटकों के लिए दोनों शहरों के इन प्रमुख और प्रसिद्ध स्थलों की यात्रा करना बेहद सुगम हो जाएगा, गाड़ी का विवरण निम्नवत है - गाड़ी सं. 04149/04150 प्रयागराज-यशवंतपुर-प्रयागराज (साप्ताहिक) -प्रयागराज से झ प्रत्येक बुधवार दिनांक 05.08.26 से 23.09.26 = 08 फेरे। यशवंतपुर से -प्रत्येक शनिवार दिनांक 08.08.26 से 26.09.26 = 08 फेरे लगायगी।

धनबाद में फिर भू-धंसान, बुद्दू बाबू बंगला बस्ती के छह घर जमींदोज

बिभा संवाददाता

धनबाद। धनबाद के रामकनाली ओपी क्षेत्र स्थित बुद्दू बाबू बंगला बस्ती में रविवार को एक बार फिर भू-धंसान की घटना हुई। लगातार हो रही बारिश के बीच हुए भू-धसान में करीब छह घर पूरी तरह ध्वस्त हो गए। हालांकि, पूर्व में इस इलाके को खाली करा दिए जाने के कारण घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

स्थानीय लोगों के अनुसार यह क्षेत्र लंबे समय से भूमिगत कोयला खनन से प्रभावित रहा है। कुछ महीने पहले भी इसी बस्ती में बड़े पैमाने पर भू-धसान हुआ था, जिसमें कई मकान जमीन में समा गए थे। वहीं, समीप स्थित एक आउटसोर्सिंग खदान में हुए भूस्खलन में छह लोगों की मौत हो गई थी। उस घटना के बाद बीसीसीएल प्रबंधन ने प्रभावित बस्ती को खाली कराकर लोगों के पुनर्वास की प्रक्रिया शुरू की थी। इसी कारण इस बार बड़ा हादसा टल गया।

घटना के बाद अपने पुराने आशियाने को मलबे में तब्दील होते देख विस्थापित परिवार भावुक नजर आए। लोगों ने बताया कि वर्षों की यादें इन घरों से जुड़ी थीं, जिन्हें इस तरह ढहते देख वे काफी दुखी हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि लगातार हो रही बारिश से इलाके में भू-धसान का खतरा अभी भी बना हुआ है। उनका आशंका है कि बस्ती के पास स्थित दो मंदिर तथा कुछ ही दूरी पर बह रही कतरी नदी भी भू-धसान की चपेट में आ सकती हैं। लोगों ने प्रशासन और बीसीसीएल से इलाके की लगातार निगरानी करने तथा आवश्यक सुरक्षा उपाय करने की मांग की है।

शादी का झांसा देकर यौन शोषण व दो लाख की ठगी का आरोपित कोडरमा से गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

कोडरमा। जिले के तिलैया थाना क्षेत्र के मोरियामा गांव से पश्चिम बंगाल पुलिस ने शादी का झांसा देकर यौन शोषण और ठगी के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान मोरियामा निवासी अजय राणा के 24 वर्षीय पुत्र विशाल राणा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, करीब दो वर्ष पहले विशाल राणा की सोशल मीडिया के माध्यम से पश्चिम बंगाल के वर्धमान जिले की एक युवती से दोस्ती हुई थी। समय के साथ दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और यह दोस्ती प्रेम संबंध में बदल गई। आरोप है कि इस दौरान विशाल कई बार युवती से मिला।

पीड़िता की शिकायत के मुताबिक, विशाल ने अपने परिजनों की बीमारी का हवाला देकर अलग-अलग समय पर उससे करीब दो लाख रुपये ले लिए। रुपये लेने के बाद उसने युवती से संपर्क तोड़ दिया और शादी करने से भी इनकार कर दिया। युवती ने वर्धमान थाने में विशाल राणा के खिलाफ शादी का झांसा देकर यौन शोषण और दो लाख रुपये की ठगी का मामला दर्ज कराया था।

गढ़वा में युवक की गोली मारकर हत्या, जंगल से शव और बाइक बरामद

बिभा संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा जिले के भंडरिया-बड़गढ़ मुख्य मार्ग स्थित सालों जंगल में रविवार सुबह अज्ञात अपराधियों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है।

घटना की सूचना मिलते ही भंडरिया थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सुभाष कुमार और बड़गढ़ थाना प्रभारी दीपक मौर्य पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे तथा घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने खून से लथपथ शव को कब्जे में लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भंडरिया पहुंचाया, जहां चिकित्सक डॉ. संजय कुमार ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने घटनास्थल से एक बाइक भी बरामद की है, जिसकी जांच की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार घटना रविवार सुबह करीब 10:30 बजे की है।

स्थानीय लोगों के अनुसार अपराधियों ने युवक की कनपटी पर बेहद करीब से गोली मारी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हालांकि, पुलिस अभी इस संबंध में सभी तथ्यों की जांच कर रही है। मृतक की पहचान के लिए आसपास के थाना क्षेत्रों और ग्रामीणों की मदद ली जा रही है।

पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और हत्या में शामिल अपराधियों की तलाश तेज कर दी गई है। अधिकारियों के अनुसार आपसी रंजिश, लूट, पुरानी दुश्मनी समेत सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले का जल्द खुलासा करने का प्रयास किया जा रहा है।

पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक के परिजनों से मिले बेरमो विधायक

बिभा संवाददाता

धनबाद। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं दिवंगत पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक के निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए बेरमो विधायक सह धनबाद कांग्रेस प्रभारी कुमार जयमंगल सिंह रविवार को हाउसिंग कॉलोनी स्थित उनके आवास पहुंचे। उनके साथ कांग्रेस नेत्री एवं उनकी पत्नी अनुपमा सिंह भी मौजूद थीं। दोनों नेताओं ने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

इस दौरान कुमार जयमंगल सिंह ने कहा कि मन्नान मल्लिक उनके अभिभावक समान थे और कांग्रेस पार्टी में उनकी कमी कभी पूरी नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि उनके पिता स्वर्गीय राजेंद्र सिंह ने मन्नान मल्लिक को इंटक में असंगठित मजदूर प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष बनाया था और जीवनभर उन्होंने मजदूरों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि भविष्य में मन्नान मल्लिक के पुत्रों को भी इंटक में उचित जिम्मेदारी दी जाएगी।

पत्रकारों से बातचीत के दौरान कुमार जयमंगल सिंह ने राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर की सरकार से कथित नाराजगी और चल रहे विवाद पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इस मामले पर विस्तृत जवाब प्रदेश कांग्रेस प्रभारी ही दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि यदि वित्त मंत्री को सरकार के कार्यों या किसी विषय पर आपत्ति है तो उन्हें अपनी बात मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के समक्ष रखनी चाहिए। यदि ऐसा संभव नहीं हो तो प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष या विधायक दल के नेता के समक्ष अपनी बात रखनी चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह विवाद जल्द समाप्त होगा और गठबंधन सरकार बेहतर समन्वय के साथ काम करेगी।

इस अवसर पर कांग्रेस नेत्री अनुपमा सिंह ने भी मन्नान मल्लिक को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके योगदान को याद किया और शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव में गूंजे भक्ति और सेवा के स्वर, स्वामी सदानंद महाराज ने दिया मानव सेवा का संदेश

बिभा संवाददाता

रांची : श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के संस्थापक परम पूज्य डॉ. संत शिरोमणि स्वामी सदानंद महाराज के पावन सानिध्य में रांची के पुंदाग स्थित श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर गुरु पूजन,सत्संग, भजन- कीर्तन तथा आध्यात्मिक प्रवचनों का लाभ प्राप्त किया। महोत्सव का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार एवं पारंपरिक विधि-विधान के साथ गुरु पूजन से हुआ।इसके पश्चात भव्य सत्संग एवं संगीतमय भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान हो उठा। श्रद्धालु गुरु भक्ति एवं भगवान श्री राधा-कृष्ण की आराधना में भाव-विभोर दिखाई दिए।अपने प्रेरणादायी आध्यात्मिक प्रवचन में परम पूज्य डॉ. संत शिरोमणि स्वामी सदानंद महाराज ने गुरु पूर्णिमा के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गुरु केवल ज्ञान देने वाले नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा प्रदान करने वाले पथ-प्रदर्शक होते हैं। गुरु के सान्निध्य में ही मनुष्य आत्मिक उन्नति, संस्कार और सेवा के वास्तविक मार्ग को प्राप्त करता है।उन्होंने कहा कि ट्रस्ट द्वारा संचालित देश के विभिन्न सेवा धामो में निराश्रितजनों की सेवा, गौ सेवा तथा मानव सेवा निरंतर की जा रही है। मानव सेवा और गौ सेवा से बढ़कर कोई पुण्य कार्य नहीं है। समाज का प्रत्येक सक्षम व्यक्ति यदि सेवा कार्यों में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करे तो अनेक जरूरतमंदों के जीवन में आशा का प्रकाश फैलाया जा सकता है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से सेवा, समर्पण और परोपकार की भावना के साथ ट्रस्ट की विभिन्न जनकल्याणकारी गतिविधियों में सक्रिय सहयोग देने का आह्वान किया।

महोत्सव के दौरान श्री राधा रानी एवं भगवान श्रीकृष्ण का अलौकिक एवं मनोहारी श्रृंगार किया गया। ठाकुरजी को नवीन एवं आकर्षक वस्त्रों के साथ सुंदर आभूषणों से सुसज्जित किया गया, जिसके दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। सायंकाल 101 दीपों से भव्य महाआरती संपन्न हुई, जिससे पूरा मंदिर परिसर दिव्य आलोक से प्रकाशित हो उठा और वातावरण भक्तिमय हो गया।कार्यक्रम के समापन पर श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। उक्त जानकारी देते हुए ट्रस्ट के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि इस अवसर पर- डूंगरमल अग्रवाल, विजय अग्रवाल, निर्मल छावनिका, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, निर्मल जालान, शिव भगवान अग्रवाल, संजय सर्राफ, मधुसूदन जाजोदिया, सुरेश अग्रवाल, पंकज पोद्दार, नंदकिशोर चौधरी, नवल अग्रवाल, विशाल जालान, मनीष साहू,प्रभास गोयल, विष्णु सोनी, अरविंद पांडे, ज्ञान प्रकाश शर्मा, विद्या देवी अग्रवाल, सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने गुरु पूर्णिमा के इस पावन पर्व पर गुरु के बताए सेवा, सद्भाव और आध्यात्मिक जीवन के आदर्शों का पालन करने का संकल्प लिया।

नौकरी दिलाने के नाम पर युवक से 2.40 लाख की ठगी

बिभा संवाददाता

पलामू। जिले के सतबरवा प्रखंड के रबदा गांव के फुलवरिया टोला निवासी प्रदीप कुमार सिंह से लोहरदगा सांख्यिकी विभाग में नौकरी दिलाने के नाम पर 2 लाख 40 हजार रुपये ठगी कर लेने का मामला रविवार को प्रकाश में आया है।

फर्जी ज्वॉइनिंग लेटर दिखाते हुए प्रदीप ने बताया कि रांची के अशोक नगर में स्थित फ्रंटलाइन एक्स सर्विसमैन ब्यूरो में उससे नौकरी दिलाने के नाम पर पैसे लिए गए। प्रदीप ने पैसे देते समय एक फोटो भी खींचा है। फर्जी ज्वाइनिंग लेटर में प्रतिवर्ष 01 लाख 65000 रुपये मानदेय मिलने का जिक्र किया गया है।

प्रदीप ने बताया कि 2025 मार्च माह के प्रथम सप्ताह में पहले ०1 लाख 70 हजार एवं ज्वाइनिंग लेटर देते समय 70 हजार रुपए दिये थे। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई है।

प्रदीप के अनुसार फ्रंटलाइन एक्स सर्विसमैन के एचआर विजय सिन्हा हैं। नौकरी दिलाने की बात सुनकर उत्सुकतावश वहां पर पहुंचा था। बातों में विजय ने उलझाकर नौकरी दिलाने का झांसा दिया। उस समय पैसे नहीं रहने पर मुझे नाम और नंबर दिया गया। कुछ दिन बाद पैसे लेकर पहुंचा।

शुरूआत में एक लाख ७० हजार और देने के बाद विजय सिन्हा ने लोहरदगा सांख्यिकी विभाग का ज्वाइनिंग लेटर दिया था। लोहरदगा में योगदान देने पहुंचने पर वहां से यह कहकर वापस भेज दिया गया कि उससे धोखाधड़ी करके नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी कर ली गई है। यहां कोई जॉब वैकेंसी नहीं निकली है।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com